MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 05 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-122

# पोरिबर्तन

## बंगाल, असम और पुडुचेरी में भगवा

## तमिलनाडु में विजय, केरल वाममुक्त

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)**

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने कई स्थापित राजनीतिक समीकरणों को उलट दिया है। बंगाल की राजनीति में बड़ा परिवर्तन हो गया, जहां भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है। पार्टी ने 200 के आंकड़े को भी पार कर लिया और ममता बनर्जी की पार्टी दो अंकों में सिमट गई। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय ने चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए सत्ता पर कब्जा जमाया है। केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को स्पष्ट बढ़त मिली है, जबकि असम और पुडुचेरी में भाजपा ने अपनी सत्ता बरकरार रखी है।

इन चुनावों ने राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की बढ़ती ताकत, क्षेत्रीय दलों की चुनौतियां और कांग्रेस की सीमित वापसी को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। नतीजों ने वाम दलों को पूरी तरह हाशिये पर धकेल दिया है। अब पूरे देश से उनका सफाया हो गया है।

बंगाल में 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने दो सौ (207) का आंकड़ा पार कर अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। यह राज्य की राजनीति में निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। लंबे समय से सत्ता में बनी तृणमूल कांग्रेस इस बार सौ के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी। सीमावर्ती, आदिवासी और औद्योगिक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला, जबकि तृणमूल शहरी और कुछ ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित रह गई। चुनाव प्रचार के दौरान ध्रुवीकरण, मतदाता सूची और ईवीएम सुरक्षा जैसे मुद्दों ने माहौल को तनावपूर्ण बनाए रखा। हालांकि हार के बाद ममता बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

तमिलनाडु में 234 सीटों के चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके ने सबसे बड़ा उलटफेर किया। बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के आंकड़े की ओर बढ़ते हुए टीवीके ने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक द्विध्रुव को तोड़ दिया है। डीएमके एवं एआईएडीएमके दोनों ही पीछे छूट गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपनी सीट तक नहीं बचा सके। विजय की नई छवि, संतुलित बयानबाजी और लोकलुभावन वादों ने मतदाताओं को आकर्षित किया है। एमजीआर के बाद यह पहला अवसर है जब किसी फिल्मी व्यक्तित्व को इतनी व्यापक राजनीतिक स्वीकृति मिली है।

**केरल में यूडीएफ की वापसी और असम-पुडुचेरी में बीजेपी की हैट्रिक**

केरल में दस वर्षों के बाद सत्ता परिवर्तन के संकेत स्पष्ट हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने बहुमत की ओर बढ़त बनाई है। यहां लंबे समय से वामपंथी एलडीएफ की राजनीति मजबूत थी, जो इस बार पूरी तरह पिछड़ गई। हालांकि नतीजे बता रहे हैं कि कांग्रेस को सुकून से सरकार बनाने-चलाने के लिए सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। यूडीएफ के बहुमत में आते ही वाम दलों का देश में आखिरी मजबूत गढ़ भी कमजोर पड़ गया है।

असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। 126 सीटों वाली विधानसभा में पार्टी ने सहयोगियों के साथ मिलकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है।

▶8पर

### बंगाल

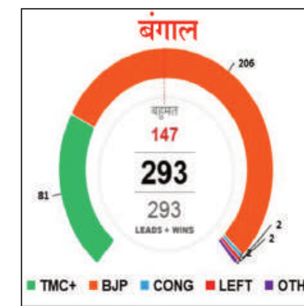


| गठबंधन | बढ़त | जीत | कुल सीट |
|---|---|---|---|
| TMC+ | 0 | 81 | 81 |
| BJP | 0 | 206 | 206 |
| CONG | 0 | 2 | 2 |
| LEFT | 0 | 2 | 2 |
| OTH | 0 | 2 | 2 |

### तमिलनाडु

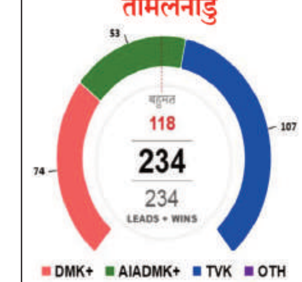


| गठबंधन | बढ़त | जीत | कुल सीट |
|---|---|---|---|
| DMK+ | 0 | 74 | 74 |
| AIADMK+ | 0 | 53 | 53 |
| TVK | 0 | 107 | 107 |
| OTH | 0 | 0 | 0 |

### असम

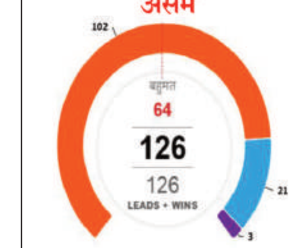


| गठबंधन | बढ़त | जीत | कुल सीट |
|---|---|---|---|
| BJP+ | 0 | 102 | 102 |
| CONG+ | 0 | 21 | 21 |
| OTH | 0 | 3 | 3 |

### केरल

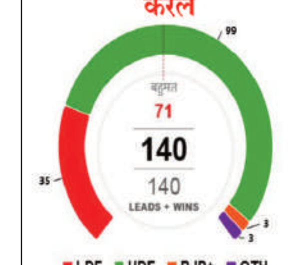


| गठबंधन | बढ़त | जीत | कुल सीट |
|---|---|---|---|
| LDF | 0 | 35 | 35 |
| UDF | 0 | 99 | 99 |
| BJP+ | 0 | 3 | 3 |
| OTH | 0 | 3 | 3 |

### पुडुचेरी

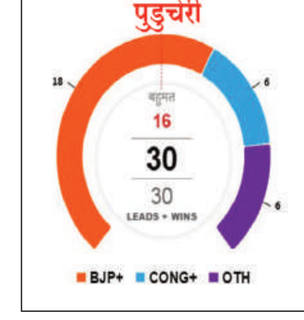


| गठबंधन | बढ़त | जीत | कुल सीट |
|---|---|---|---|
| BJP+ | 0 | 18 | 18 |
| CONG+ | 0 | 6 | 6 |
| OTH | 0 | 6 | 6 |

# बहुमत से दूर थलपति किसका थामेंगे हाथ?

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)**

तमिलनाडु में फिल्मी सितारों को नेता चुनने का लंबा इतिहास रहा है। इसी क्रम में अभिनेता से नेता बने थलपति विजय ने द्रविड़ पार्टियों के दबदबे के बीच बड़ा बदलाव किया है। अपने पहले ही चुनाव में वो सूबे की सबसे बड़ी पार्टी बन गए हैं। उनकी पार्टी टीवीके इस समय बहुमत के आंकड़े (118 सीटें) से अभी दूर है। ऐसे में तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए विजय को सहयोगियों की जरूरत पड़ेगी। उनके पास विकल्पों की भरमार है। कांग्रेस पहले ही विजय को दोस्ती का प्रस्ताव भेज चुकी है। उनके पिता ने भी संकेत दिया है कि टीवीके कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए तैयार है।

हालांकि, विधानसभा चुनावों से पहले टीवीके ने एआईएडीएमके और डीएमके के साथ गठबंधन करने से साफ इनकार कर दिया था। टीवीके ने अपने चुनाव प्रचार को पुरानी द्रविड़ राजनीति से पूरी तरह अलग और एक नई शुरुआत के तौर पर पेश किया था। लेकिन बहुमत का आंकड़ा पार करने के लिए टीवीके को शायद छोटी द्रविड़ पार्टियों के समर्थन की जरूरत पड़ सकती है। फिर भी, विजय की यह लहर तमिलनाडु की राजनीति में एक बहुत ही अहम मोड़ साबित हो सकती है।

तमिलनाडु में एमजीआर जैसे फिल्मी सितारों को नेता चुनने का इतिहास रहा है, लेकिन रजनीकांत और कमल हासन जैसे अभिनेता अपनी लोकप्रियता को वोटों में बदलने में नाकाम रहे हैं। विजय की रैलियों में भारी भीड़ उमड़ी। खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं की बड़ी संख्या देखी गई।

उन्हें दलितों और ईसाई वोटों का एक बड़ा हिस्सा मिला है, जो शायद डीएमके के खाते में जाता। इसके अलावा वेल्लालर समुदाय से ताल्लुक रखने वाले विजय को एंटी-इन्कम्बेंसी का भी फायदा मिला है। इस चुनाव में यदि टीवीके चुनाव नहीं लड़ती तो इसका फायदा एआईएडीएमके को हो सकता था।

▶8पर

# भय पर भरोसे की जीत : मोदी

## 'गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल'

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचे, जहां उनका विशेष अंदाज देखने को मिला। वे बंगाली कुर्ता-पाजामा पहनकर पार्टी कार्यालय में नजर आए, जिससे माहौल और भी खास हो गया। चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल था और प्रधानमंत्री ने उनके साथ मिलकर जीत का जश्न मनाया। मुख्यालय में पहले से ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटने लगे थे और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखा जा रहा था।

पीएम मोदी ने संबोधन शुरू करते हुए कहा कि आज का दिन अहम है, जब वर्षों की साधना सिद्धी में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी आज मैं देशभर के भाजपा के कार्यकर्ता के चेहरे पर देख रहा हूं। मैं कार्यकर्ता के नाते हर भाजपा कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूं। आज का ये दिवस कई मायनों में खास है, विशेष है। ये देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। ये भरोसे का दिन है। भरोसा भारत के महान लोकतंत्र पर,

> मैं आज हर बंगाल वासी को भरोसा देता हूं कि बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। बंगाल में अब महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा। घुसपैठियों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।
>
> *पीएम मोदी,*
> *पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक जीत पर*

भरोसा प्रदर्शन की राजनीति पर, भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर। मैं बंगाल की जनता का, असम की जनता का, पुदुचेरी की जनता का, तमिलनाडु और केरल की जनता का आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं उनका वंदन करता हूं।

पीएम ने कहा कि भाजपा के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है, कमल खिला दिया है। आपने नया इतिहास रच दिया है। भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के अध्यक्ष पद संभालने के बाद ये पहले विधानसभा चुनाव थे। इनमें पार्टी कार्यकर्ताओं को जो उनका मार्गदर्शन मिला, वह इस विजय में बहुमूल्य रहा है। आज अलग-अलग उपचुनाव के परिणाम भी उत्साहजनक रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा में जो उपचुनाव हुए, उनमें हमारे उम्मीदवारों को जनता-जनार्दन ने आशीर्वाद दिया। हम इन राज्यों में भी जीत गए। एनडीए की नेता सुनेत्रा पवार जी ने भी बड़ी जीत दर्ज की है। मैं सभी राज्यों की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि जय-पराजय लोकतंत्र और चुनावी राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा होता है, लेकिन पांच राज्यों की जनता ने पूरे विश्व को दिखाया है कि ये हमारा भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी क्यों है। लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक तंत्र नहीं है, ये हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है। आज सिर्फ भारत का लोकतंत्र नहीं जीता है, आज भारत का संविधान भी जीता है। हमारी सांविधानिक संस्थाएं जीती हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जीती हैं। बंगाल में करीब 93 फीसदी मतदान होना, अपने आप में ऐतिहासिक रहा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम उम्मीदवार के रूप में काम दिया और जब मैं काशी में अपना नामांकन भरने गया और जब पत्रकारों ने मुझे पूछा तो मैंने कहा था कि न मुझे किसी ने भेजा है, न मैं यहां आया हूं, मुझे यहां मां गंगा ने बुलाया है। आज मैं महसूस कर रहा हूं कि मां गंगा हमारे ऊपर अपनी कृपा बरसा रही हैं। गंगा के साथ ब्रह्मपुत्र का भी हम पर अहसान रहा है। असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए पर भरोसा किया है। हैट्रिक- तीसरी बार।

▶8पर

### कार्टून कॉर्नर

### मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38$^{0}$
न्यूनतम : 26$^{0}$

# क्या थरूर बनेंगे मुख्यमंत्री?

## केरल में 10 साल बाद कांग्रेस की सरकार

**तिरुवनंतपुरम, 04 मई (एजेंसियां)**

केरल में कांग्रेस ने जबरदस्त वापसी की है। 10 साल बाद केरल में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ 89 सीटों पर आगे चल रहा है। वहीं, लेफ्ट 35 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। अब जब कांग्रेस 10 साल बाद सत्ता में आने वाली है, तो चर्चा मुख्यमंत्री पद को लेकर भी शुरू हो गई है। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक हलचल तेज हो गई है।

केरल में मुख्यमंत्री कौन बनेगा? ये तो हाईकमान तय करेगा। लेकिन कुछ नाम हैं जो इस रेस में चल रहे हैं। इनमें केसी वेणुगोपाल, वीडी सतीशन, रमेश चेन्नीथला के साथ-साथ शशि थरूर का नाम भी है। सबसे ज्यादा चर्चा में शशि थरूर का नाम है। शशि थरूर से जब एनडीटीवी ने पूछा कि केरल में अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के प्रतिनिधि जीते हुए विधायकों के साथ सलाह-मशविरा करते हैं और उसके बाद हाईकमान फैसला लेता है।

अगले मुख्यमंत्री की रेस में शशि थरूर का नाम इसलिए आगे चल रहा है, क्योंकि वह कांग्रेस के लोकप्रिय सांसदों में से एक हैं। केरल में पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने बहुत काम किया है। तिरुवनंतपुरम सीट से शशि थरूर चार बार से सांसद हैं। उनके साथ सबसे अच्छी बात यह है कि उनकी छवि साफ-सुथरी है।

▶8पर

## बंगाल में सीएम चेहरे पर मंथन

# शुभेंदु और रूपा गांगुली दौड़ में

**नई दिल्ली/कोलकाता, 04 मई (एजेंसियां)**

पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि राज्य की कमान किसके हाथों में सौंपी जाएगी और अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। पहली बार बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है, ऐसे में नेतृत्व को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।दरअसल, भाजपा आमतौर पर राज्य चुनावों में मुख्यमंत्री का चेहरा पहले से घोषित नहीं करती है। बंगाल में भी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा। चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने 20 से अधिक रैलियां कीं और बंगाल की संस्कृति से जुड़ने का प्रयास किया।

उन्होंने झालमुरी जैसे स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया और बंगाली भाषा में संदेश भी जारी किए, जिसका असर मतदाताओं पर देखने को मिला।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रचार के दौरान संकेत दिया था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो मुख्यमंत्री बंगाली ही होगा। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी बयान दिया था कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री स्थानीय पृष्ठभूमि से होगा।

भाजपा बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक प्रभावशाली और स्वीकार्य चेहरे की तलाश में है।

चुनाव प्रचार में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण भाजपा का प्रमुख मुद्दा रहा। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी महिला मुख्यमंत्री पर भी दांव खेल सकती है। इस रेस में अग्निमित्रा पॉल और रूपा गांगुली के नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं।

▶8पर

# खेत में खुदाई के दौरान आई खटखट की आवाज

## ज्यादा खोदा तो मिल गया अंग्रेजों वाला खजाना

ओस्लो

पुरातत्वविदों की एक टीम ने जब हाल ही में एक गांव के खेत में खुदाई शुरू की, तो उन्हें अंदाजा नहीं था कि वे इतिहास रचने जा रहे हैं। जैसे ही जमीन में गड्ढा थोड़ा गहरा हुआ, अचानक अंदर से धातुओं के टकराने की खटखट की आवाज आने लगी। इस आवाज को सुनकर खुदाई कर रहे कर्मचारी और विशेषज्ञ दंग रह गए। जैसे-जैसे खुदाई आगे बढ़ी, जमीन के भीतर से चांदी की ऐसी चमक निकली कि वहां मौजूद लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। जमीन के सीने में सदियों से दफन खजाना बाहर निकल रहा था।

यह पूरा मामला नार्वे के पूर्वी हिस्से में बसे रेना गांव के पास का है। दरअसल, दो मेटल डिटेक्टरिस्टों को खेत में शुरुआती जांच के दौरान 19 प्राचीन सिक्के मिले थे। इसी सुराग के आधार पर पुरातत्वविदों की टीम ने वैज्ञानिक तरीके से खुदाई का निर्णय लिया। जांच के दौरान जैसे ही डिटेक्टर मशीन लगाई गई, वह लगातार संकेत देने लगी।

गहराई में जाने पर एक के बाद एक सैकड़ों सिक्के निकलने शुरू हो गए। विशेषज्ञों की मौजूदगी में की गई इस खुदाई में कुल 2,970 चांदी के सिक्के बरामद हुए हैं। यह नार्वे में अब तक मिला विकिंग युग के सिक्कों का सबसे बड़ा भंडार बताया जा रहा है। पुरातत्वविदों के अनुसार, यह खजाना लगभग 1050 ईसवी के आसपास का है। बरामद किए गए सिक्के मुख्य रूप से इंग्लैंड, जर्मनी, डेनमार्क और नार्वे में ढाले गए थे। इनमें इंग्लैंड के राजा एथेलरेड द्वितीय (978-1016), कनूट द ग्रेट (1016-1035) और पवित्र रोमन साम्राज्य के सम्राट ओटो तृतीय के समय के सिक्के शामिल हैं। इसके अलावा, नार्वे के राजा हाराल्ड हार्डराडा के काल के सिक्के भी इस संग्रह का हिस्सा हैं।

सिक्कों के साथ-साथ चांदी के गहनों के टुकड़े भी मिले हैं, जिन्हें उस काल में मुद्रा के विकल्प के रूप में उपयोग किया जाता था।स्थानीय पुरातत्वविद् मेई-टोवे स्मिसेथ ने इस खोज को अपने करियर का सबसे अनोखा अनुभव बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह धन उस समय होने वाले लोहे के व्यापार से कमाया गया होगा, क्योंकि तब इस क्षेत्र में लोहे का बड़े पैमाने पर उत्पादन और यूरोप में निर्यात होता था। फिलहाल मौके पर खुदाई और शोध का काम जारी है। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि यहां और भी प्राचीन वस्तुएं या किसी पुरानी बस्ती के अवशेष मिल सकते हैं। इससे पहले नार्वे में 2,000 सिक्कों का खजाना मिला था, लेकिन 2,970 सिक्कों की इस बरामदगी ने अब तक के सभी पुराने रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### मैक्सिको सिटी का धंसावः भूजल दोहन की भारी कीमत

**मैक्सिको सिटी।** मिली नवीनतम जानकारी के अनुसार, उत्तर अमेरिकी देश मैक्सिको की राजधानी मैक्सिको सिटी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हर महीने 2 सेंटीमीटर से अधिक की दर से लगातार नीचे धंस रहा है। अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच जुटाए गए आंकड़ों ने इस चौंकाने वाले तथ्य की पुष्टि की है, जिसकी वैज्ञानिकों ने पहले से ही आशंका व्यक्त की थी। इस गंभीर स्थिति का मुख्य कारण शहर के नीचे से भूगर्भ जल का अत्यधिक दोहन बताया जा रहा है। मैक्सिको सिटी का निर्माण एक ऐसी जमीन पर हुआ है जो कभी बड़े झीलों के विशाल तंत्र का हिस्सा थी। इन झीलों को समय के साथ सुखाकर शहरी विकास किया गया, लेकिन यह नींव अब अत्यधिक अस्थिर साबित हो रही है। जब शहर के नीचे से बड़ी मात्रा में पानी निकाला जाता है, तो यह पुरानी झीलों की मिट्टी को सिकुड़ने और बैठने के लिए मजबूर करता है, जिससे पूरा शहर धीरे-धीरे नीचे धंसता चला जाता है। इस धंसाव का असर शहर के प्रतिष्ठित स्मारकों पर भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। 1910 में स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ पर निर्मित एंजल आफ इंडिपेंडेंस स्मारक इसका एक ज्वलंत उदाहरण है। इस 30 मीटर से अधिक ऊंचे स्मारक को धंसने से बचाने के लिए इसके चारों ओर 14 सीढ़ियां जोड़नी पड़ी हैं, जो अब शहर के निरंतर नीचे जाने का एक दुखद प्रतीक बन गई हैं। हालांकि मैक्सिको सिटी का धंसाव कोई नई समस्या नहीं है, निसार सैटेलाइट द्वारा प्राप्त जानकारी इसकी गंभीरता और दायरे को कहीं अधिक स्पष्टता से दर्शाती है।

### बलूचों के हमलों से यूएस-पाक माइनिंग प्रोजेक्ट संकट में

**क्वेटा।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका-पाकिस्तान के रेको डिक माइनिंग प्रोजेक्ट को संकट में डाल दिया है। इसकी वैल्यू करीब 7.7 अरब डालर (64,000 करोड़) है। बलूच लिबरेशन आर्मी इसके खिलाफ लगातार सक्रिय है और हमले कर रही है। बलूच लिबरेशन आर्मी के 500 से ज्यादा लड़ाकों ने 31 जनवरी को बलूचिस्तान के कई इलाकों में हमला कर 58 लोगों की हत्या कर दी थी, जिससे रेको डिक माइनिंग प्रोजेक्ट की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए। हमलावरों ने बैंक, पुलिस स्टेशन, जेल और सरकारी इमारतों को निशाना बनाया। कई जगहों पर आगजनी की गई और मुख्य सडक़ों को जाम कर दिया गया, जिससे क्वेटा और कराची के बीच कनेक्टिविटी प्रभावित हुई। कुछ हमलावरों ने आत्मघाती विस्फोट भी किए। हमलावरों ने आटोमैटिक राइफल और ग्रेनेड लान्चर जैसे आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया।

### मिडिल ईस्ट में फिर जंग का खतरा...ट्रंप की धमकी पर ईरान बोला, होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना देंगे

**तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन।** मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग का खतरा मंडराने लगा है। ईरान के अधिकारी मोहम्मद जाफर असदी ने चेतावनी दी कि अमेरिका से फिर से युद्ध हो सकता है, ईरानी सेना इसके लिए तैयार है। ईरान के सीनियर अधिकारी मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। मोहसिन रजाई पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड में कमांडर रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिकी सेना को समुद्री लुटेरा (पाइरेट) बताते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का इकलौता ऐसा पाइरेट है जिसके पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। रजाई ने पिछले महीने इस्फहान में एक अमेरिकी एफ-15ई विमान गिराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे उस विमान का मलबा पड़ा था, वैसे ही अमेरिकी जहाजों और सैनिकों का भी अंजाम हो सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पाइंट का प्रस्ताव मिला है, जिसके डिटेल ड्राफ्ट का इंतजार है।

# कैंप बुहेरिंग हमले में हुआ अमेरिका को 42,000 करोड़ का नुकसान

## ईरान के बूढ़े फाइटर जेट ने भेदा अमेरिका का चक्रव्यूह

तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण युद्ध ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की सैन्य साख पर गहरे सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। अत्याधुनिक तकनीक और अजेय माने जाने वाले अमेरिकी रक्षा तंत्र को ईरान के एक लगभग 40 साल पुराने लड़ाकू विमान ने न केवल चुनौती दी, बल्कि उसे ध्वस्त भी कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंप बुहेरिंग के भीतर मची तबाही से अमेरिका को करीब 5 बिलियन डालर (42,000 करोड़ रुपये) से ज्यादा का आर्थिक झटका लगा है। इस हमले में कमांड सेंटर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेंटर और विमान हैंगर को सीधा निशाना बनाया गया।

दर्जनों विमान और एयरस्ट्रिप के क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कई वेयरहाउस पूरी तरह तबाह हो गए हैं। यह घटना साबित करती है कि युद्ध कौशल और सटीक रणनीति के सामने आधुनिक तकनीक भी फेल हो सकती है।ईरान अब तक कतर, बहरीन और सऊदी अरब सहित सात देशों में मौजूद 11 अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना चुका है, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। खबर है कि ईरान के पुराने पड़ चुके एफ-5 टाइगर -फाइटर जेट ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे कैंप बुहेरिंग पर हमला कर ट्रंप प्रशासन को अरबों डालर का चपत लगाई है।

कोल्ड-वार युग का यह विमान, जिसे आधुनिक हवाई युद्ध में आउटडेटेड या कबाड़ माना जाता है, अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम और हाई-टेक रडार कवरेज के जाल को भेदने में सफल रहा। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, ईरानी पायलट ने रडार से बचने के लिए बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरने (नेप-आफ-द-अर्थ) की रणनीति अपनाई। जब तक अमेरिकी डिफेंस सिस्टम हरकत में आता, तब तक यह फाइटर जेट अपना काम कर चुका था। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका और इजरायल ने आपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत ईरान पर भीषण हमले शुरू किए थे। इस हमले के दौरान हुई एक बड़ी चूक ने अमेरिका को और अधिक शर्मसार कर दिया।

अफरातफरी के माहौल में कुवैती एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन के विमान की सही पहचान नहीं कर सका और उसने जवाबी कार्रवाई में अपने ही सहयोगी देश के तीन अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमानों को मार गिराया। हालांकि, इस फ्रेंडली फायर में सभी 6 क्रू मेंबर्स सुरक्षित बच निकले, लेकिन अमेरिका को तीन आधुनिक विमानों का भारी सामरिक नुकसान झेलना पड़ा।

### चीन का रियल एस्टेट बाजार संकट में, बड़ी कंपनियां दिवालिया–अर्थव्यवस्था पर गहरा असर

**बीजिंग।** दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इन दिनों अपने रियल एस्टेट सेक्टर के गंभीर संकट से जूझ रहा है। देश की प्रमुख प्रापर्टी कंपनियां जैसे एवरग्रैंड ग्रुप और कंट्री गार्डन भारी कर्ज के बोझ तले दबकर दिवालिया या डिफाल्ट की स्थिति में पहुंच गई हैं। इस संकट की मुख्य वजह वर्षों तक तेज़ी से हुआ कर्ज आधारित विस्तार माना जा रहा है। कंपनियों ने बड़े पैमाने पर उधारी लेकर प्रोजेक्ट शुरू किए, लेकिन मांग में गिरावट और सख्त सरकारी नियमों के चलते बिक्री घट गई। कोविड-19 के बाद आर्थिक सुस्ती और लोगों की आय में कमी ने भी घर खरीदने की क्षमता को प्रभावित किया। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन के रियल एस्टेट सेक्टर का आकार उसकी अर्थव्यवस्था का लगभग 25-30 प्रतिशत तक है, ऐसे में इसका गिरना पूरे आर्थिक ढांचे को हिला रहा है। अनुमान है कि इस संकट से अरबों डालर का नुकसान हुआ है और लाखों घर खरीदारों के प्रोजेक्ट अधूरे फंसे हुए हैं। बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों पर भी इसका असर पड़ा है, क्योंकि उन्होंने इन कंपनियों को भारी कर्ज दिया था। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और विदेशी निवेश में भी गिरावट देखी जा रही है। सरकार राहत पैकेज और नीतिगत बदलावों के जरिए स्थिति संभालने की कोशिश कर रही है, लेकिन फिलहाल यह संकट चीन की आर्थिक वृद्धि के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। भारत में रियल एस्टेट को लेकर चीन जैसी स्थिति फिलहाल नहीं है, लेकिन कुछ शहरों में सुस्ती और असंतुलन जरूर दिख रहा है। नेशनल हाउसिंह बैंक और रिजर्व बैंक आफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार बड़े शहरों में अनसोल्ड (बिके बिना पड़े) फ्लैट्स की संख्या बढ़ी है।

# नेपाल में किसी भी भूमिहीन को बेघर नहीं किया जाएगा : बालेन्द्र

काठमांडू

**नेपाल की राजधानी काठमांडू में नदियों के किनारे और सरकारी जमीन पर बसी भूमिहीन बस्तियों को हटाने की कार्रवाई के बीच फैल रही आशंकाओं पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने स्पष्ट किया है कि सरकार का किसी भी नागरिक को बेघर करने का कोई इरादा नहीं है।**

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जारी एक संदेश में उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन के अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में कानून के अनुसार चल रही प्रबंधन प्रक्रिया को लेकर लोगों में योजनाबद्ध तरीके से डर फैलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपुष्ट जानकारी और भ्रम में न पड़ने की अपील की।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र ने स्पष्ट किया कि हाल के सरकारी कदमों का उद्देश्य भूमिहीन लोगों को सड़क पर लाना नहीं, बल्कि उनके आवास के अधिकार को सुनिश्चित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान में बाधा बन रहे भूमि संबंधी- 2021 के कुछ प्रावधानों को सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से हटा दिया है। कानूनी बाधाएं हटने के बाद अब सरकार वास्तविक भूमिहीन नागरिकों की पहचान के लिए डिजिटल डेटा संग्रह, विवरण सत्यापन और स्पष्ट आधार पर अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। सरकार का विश्वास है कि इससे भूमिहीनों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और समस्या का पारदर्शी व स्थायी समाधान संभव होगा। सरकार की योजना के अनुसार, जोखिम भरे और असुरक्षित स्थानों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। अन्य भूमिहीन नागरिकों के मामले में संबंधित आयोग की सिफारिश और संकलित आंकड़ों के आधार पर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि बस्ती प्रबंधन के नाम पर किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी कदम लोगों को हटाने के लिए नहीं, बल्कि समस्या का स्थायी समाधान निकालने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं। संदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक भूमिहीन नागरिक के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी आवास सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने सभी से अनावश्यक घबराहट न फैलाने और न होने देने की अपील की।

## ट्रंप की नीतियों के चलते अमेरिका छोड़कर भाग रहे हजारों लोग

**ओटावा।** दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में इन दिनों एक अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिल रही है। जहाँ एक तरफ राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकन ड्रीम को बचाने के लिए प्रवासियों पर सख्त रुख अपना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद अमेरिकी नागरिक अपना देश छोड़कर पड़ोसी देश कनाडा की नागरिकता लेने के लिए कतारों में खड़े हैं। ट्रंप जिस कनाडा का अक्सर मजाक उड़ाते रहे हैं, आज वही देश अमेरिकियों के लिए सुरक्षा कवच बनता जा रहा है। इस बड़े बदलाव के पीछे कनाडा सरकार द्वारा नागरिकता कानूनों में किया गया एक ऐतिहासिक संशोधन है। दरअसल, कनाडा ने अपने सेकंड जनरेशन कट-आफ (दूसरी पीढ़ी के कट-आफ) नियम को समाप्त कर दिया है। पुराने नियमों के मुताबिक, यदि कोई कनाडाई नागरिक विदेश में पैदा हुआ था, तो वह अपनी नागरिकता अपने उन बच्चों को नहीं दे सकता था जिनका जन्म भी कनाडा से बाहर हुआ हो। इस सख्त कानून के कारण हजारों लोग कनाडाई विरासत से वंचित थे। अब नए कानून के तहत, विदेश में पैदा हुए माता-पिता भी अपने बच्चों को कनाडाई नागरिकता दिला सकते हैं। इसके लिए उन्हें बस यह साबित करना होगा कि वे अपने जीवनकाल में कम से कम 1,095 दिन कनाडा में रहे हैं।

# माहू या चेंपा के गर्भ में जन्म से पल रहे होते है बच्चे : शोध

लंदन

प्रकृति में माहू या चेंपा एक ऐसा अद्भुत और अनोखा कीड़ा मौजूद है जो अपने जन्म के समय से ही गर्भवती होता है। इनकी प्रजनन क्षमता इतनी तीव्र होती है कि यह कल्पना से परे है। इन्हें बच्चे पैदा करने के लिए किसी नर की जरूरत नहीं पड़ती। यहां बात हो रही हैं एफिड्स की, जिसे सामान्य भाषा में माहू या चेंपा भी कहते हैं। एक मादा एफिड के गर्भ में जन्म से ही बच्चे मौजूद होते हैं, और उन बच्चों के पेट में भी अगली पीढ़ी के अंडे पहले से पल रहे होते हैं। यह घटना प्रकृति का एक सबसे अनोखा कमाल है जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेलिस्कोपिंग जेनरेशन या पीढ़ियों का सिलसिला कहते हैं। एक मादा एफिड जन्म लेते ही गर्भवती होती है। उसके अंदर पहले से ही 5-10 छोटे-छोटे बच्चे जिन्हें निम्फ कहा जाता है, तैयार रहते हैं। इन निम्फ के अंदर भी अगली पीढ़ी के अंडे पहले से ही बनने शुरू हो जाते हैं। यानी, तीन पीढ़ियां एक साथ एक ही शरीर में पल रही होती हैं – दादी, माँ और पोती/पोते के अंडे।

वैज्ञानिकों ने इस जटिल प्रक्रिया को मैट्रिक्स के अंदर मैट्रिक्स का नाम दिया है, जो इसकी असाधारण प्रकृति को दर्शाता है। एफिड्स छोटे-छोटे, नरम शरीर वाले कीड़े होते हैं जो पौधों के रस चूसकर अपना जीवनयापन करते हैं। ये मुख्य रूप से गर्मियों में तेजी से बढ़ते हैं, जब वातावरण उनके लिए अनुकूल होता है। एक मादा एफिड अपने पूरे जीवनकाल में 50 से 100 तक बच्चे पैदा कर सकती है, लेकिन टेलिस्कोपिंग जेनरेशन की वजह से यह संख्या बहुत तेजी से बढ़ जाती है। अगर अनुकूल परिस्थितियां हों तो 30 दिनों में एक एफिड से 1 लाख से ज्यादा संतान पैदा हो सकती है, और कुछ अध्ययनों में तो यह संख्या 1 करोड़ तक बताई गई है। यह तीव्र प्रजनन प्रक्रिया पार्थेनोजेनेसिस कहलाती है, जिसमें नर की आवश्यकता नहीं पड़ती। मादा एफिड्स बिना निषेचन के ही जीवित बच्चे पैदा करती हैं। नर एफिड्स साल में सिर्फ एक बार, आमतौर पर शरद ऋतु में पैदा होते हैं, जब मौसम ठंडा हो जाता है। उस समय मादाएं अंडे देती हैं जो सर्दियों में सुरक्षित रहते हैं और अगले मौसम में उनसे नई पीढ़ी निकलती है। लेकिन बाकी पूरे साल मादाएं ही आबादी बढ़ाती रहती हैं। प्रकृति ने एफिड्स को यह विशेष शक्ति इसलिए दी है क्योंकि ये पौधों के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। अगर इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़ती तो पौधे इन्हें आसानी से नष्ट कर देते या इनसे बचाव कर लेते। लेकिन इतनी तेजी से संख्या बढ़ने से एफिड्स पूरे बगीचे या फसल को चंद दिनों में तबाह कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, एफिड्स दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली कीट प्रजातियों में से एक हैं। एक मादा एफिड की लंबाई सिर्फ 1-2 मिलीमीटर होती है, फिर भी उसके अंदर कई पीढ़ियां पल रही होती हैं।

# अंटार्कटिक में मिला 300 डिग्री सेल्सियस का खौलता हुआ पानी का झरना

सियोल

अंटार्कटिक महाद्वीप में दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने एक चौंकाने वाली खोज की है। वैज्ञानिकों ने बर्फीले अंटार्कटिक महाद्वीप के गहरे समुद्र में 300 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक तापमान वाले हाइड्रोथर्मल वेंट्स यानी गर्म झरनों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों की यह महत्वपूर्ण खोज न केवल विज्ञान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है बल्कि पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति और उसके विकास को समझने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कोरिया पोलर रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अपने रिसर्च वेसल आराओन पर सवार होकर यह मिशन पूरा किया। अंटार्कटिक के जांगबोगो स्टेशन से लगभग 1,200 किलोमीटर दूर, उन्होंने पहली बार एक मानवरहित सबमर्सिबल अरियारी का उपयोग करके 1,300 मीटर की गहराई में सीधे झांका। इस अनोखी तकनीक ने उन्हें उन गर्म तरल पदार्थों को देखने और उनके नमूने लेने में मदद की जो समुद्र तल से फव्वारों की तरह फूट रहे थे।

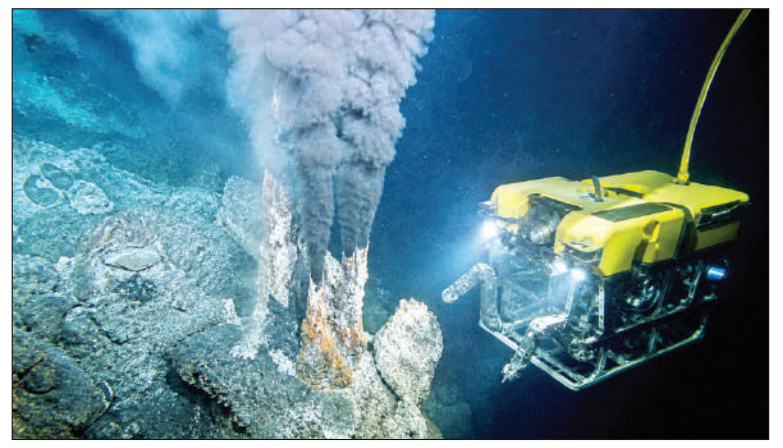

यह नजारा न केवल हैरान करने वाला था बल्कि इसने वहां फल-फूल रहे एक ऐसे इकोसिस्टम को भी उजागर किया जिसके बारे में इंसान को पहले कोई जानकारी नहीं थी। ये हाइड्रोथर्मल वेंट्स दरअसल पृथ्वी की क्रस्ट में मौजूद दरारें हैं। समुद्री पानी जब इन दरारों से होकर मैग्मा के संपर्क में आता है, तो अत्यधिक दबाव के कारण 300 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर भी तरल अवस्था में रहता है। यह खौलता हुआ पानी अपने साथ आयरन, कापर, जिंक और यहां तक कि सोने जैसी कीमती धातुएं तथा हाइड्रोजन सल्फाइड और मीथेन जैसी गैसें भी लेकर आता है। यह गर्म पानी अंटार्कटिक के ठंडे पानी में मिलकर धुएं जैसा गुबार बनाता है, हालांकि इसकी गर्मी केवल कुछ मीटर के दायरे तक ही सीमित रहती है।

इस अत्यधिक अंधेरी और ठंडी गहराई में जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती, वैज्ञानिकों को एक अनोखा इकोसिस्टम मिला है। यहां जीवन प्रकाश संश्लेषण के बजाय केमोसिंथेसिस यानी रासायनिक संश्लेषण पर आधारित है। गर्म झरनों से निकलने वाली गैसों को माइक्रो आर्गेनिज़्म तोड़कर ऊर्जा पैदा करते हैं, जो पूरे खाद्य श्रृंखला का आधार बनती है। वैज्ञानिकों को स्पंज, सी-एनीमोन और कई तरह के क्रस्टेशियंस तथा मोलस्क सहित 12 अलग-अलग प्रजातियों के जीव मिले हैं, जिनमें से कई दुनिया के लिए बिल्कुल नई हो सकती हैं। ये जीव बेहद कठिन परिस्थितियों में ढल चुके हैं और दुनिया के बाकी हिस्सों से बिल्कुल अलग हैं। अंटार्कटिक के गहरे समुद्र में रिसर्च करना बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन अरियारी जैसी स्वदेशी तकनीक ने इस गेम को बदल दिया है। अरियारी 6,000 मीटर तक गहराई में जाने में सक्षम है और इसने वैज्ञानिकों को पाताल का लाइव वीडियो देखने तथा सटीक सैंपल चुनने की सुविधा दी। पार्क सुंग-ह्युन, जो इस मिशन के लीडर हैं, उनका कहना है कि इस तरह की सीधी आब्जर्वेशन ग्लोबल लेवल पर बहुत दुर्लभ है। यह खोज केवल जीव विज्ञान तक सीमित नहीं है; यहां मिलने वाले धातुओं और खनिजों का भंडार भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज समय अनुकूल हैं मजबूती से काम को आगे बढाएं सकारात्मक परिणाम देखकर उत्साह में वृद्धि होगी. काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा. इस समय पूरे दिल से किया हुआ कोई भी कार्य परिणाम अवश्य देगा. शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को या शिक्षार्थियों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है पति पत्नी का आपसी तालमेल गजब का रहेगा बच्चों मे डिसीप्लीन दिखाई देगा। विवाह योग समय अच्छा हैं रिश्ता आगे बढा सकते हैं। शिवमंत्र का जप करें।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आप एक समपन्न व्यक्ति हैं, लोगों की सेवा करना आप धर्म हैं आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं. आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. आपका किसी सरकारी काम के लिये चयन हो सकता हैं छात्रों को एक टाइम टेबल के हिसाब से रुपरेखा बनानी चाहिए। आपको सूर्यदेव को लालफूल, लाल चन्दन, चावल से मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए. आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आप को प्रत्येक काम बहुत सोच समझकर करने की आवश्यकता हैं जल्दबाजी में कोई काम न करें. पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी. आपका फालतू खर्चा हो सकता है. नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. सेहत को लेकर लापरवाही न करें. आज आप दोस्तों और परिवार की जरूरतों में फंस सकते हैं. आहार का विशेष ध्यान रखें पेट मे जलन, गैस, मरोड़ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज छात्रों के लिए जबरदस्त उत्साह वाला दिन हैं सफलता मिलना तय हैं पुरस्कृत होंगे दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आज सामाजिक प्रसंग में समय देना पडेगा आनंद का एहसास होगा धार्मिक यात्रा का भी योग है. आप थोड़े चंचल रहेंगे. माता का सुख मिल सकता है. आज कार्यस्थल पर तनाव हो सकता हैं विवाद से दूरी बनाए रखें

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

पुरानी बातो को छोडकर आगे मिलने वाली सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए किसी भी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस करना उचित नही हैं अत: सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें. निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं. बेहतर होगा आप अपने जीवनसाथी की सोच को समझने का प्रयास करें. खान–पान पर भी संयम रखें. तन–मन दोनो तंदरुस्त रहेंगें। बच्चों की पढाई पर ध्यान देना होगा।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

छात्र अगर कोर्स मे फेरबदल करना चाह रहें तो समय अनुकूल हैं आप निर्णय ले सकते हैं पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे. कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे. आपकी कोशिशें सफल होंगी. अगर आज कारोबार मे आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है. अगर आप घर के किसी फंक्शन के लिये कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आज खरीद सकते हैं. दिन अच्छा रहेगा. परिवार में सब लोग आपसे खुश रहेंगे. आप बच्चों के किसी कार्य में उनकी मदद कर सकते हैं.पीपल मे जलदूध चढाए दीप प्रज्वलित करें।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

नौकरी और बिजनेस में लाभ की संभावना बन रही है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. विशेष लाभ व उन्नति के लिए आज आपको कुछ ज्यादा ही कोशिशें करनी पड़ सकती है, लेकिन आप सफल भी हो सकते हैं. आपके किए गए काम किस्मत की मदद से पूरे हो सकते हैं. अपनेफायदे की चिंता जरूर करें. दूसरों को नाराज किए बिना चतुराई से काम करें.दाम्पत्य जीवन को सुखी रखने के लिए आज अपना पैसा कही पर इन्वेस्ट करना पड सकता हैं।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज आप के मित्र आप का कोई काम कर सकते हैं आप चिन्ता मुक्त होंगे नयी जिम्मेदारी भी मिल सकती हैं सेहत के लिए आज का दिन सामान्य रह सकता है. गुस्से का उफ़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें. आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल मिलेगा फिर भी कार्य के प्रति आप की निष्ठा में कमी नहीं आ पाएगी. नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है. आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में संयम रखने की जरूरत हैं।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज नये कारोबारी रिश्ते बनेंगे साझेदारी का काम भी लाभ देगा निवेश का हिसाब से माहौल अनुकूल हैं पूर्व के चले आ रहे प्रेम सम्बन्ध और परिपक्व हो सकते हैं. कुछ जातकों के जीवन में प्रेम आज दस्तक दे सकता है. किसी बात को लेकर पारिवारिक संबंधों में खटास आ सकती है. बच्चे आप को कोई खुशखबरी दे सकते हैं स्वास्थ्य बढीया रहेगा गरीब असहाय व्यक्ति को अन्नदान करें।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

अपनी दिनचर्या मे आप को फेरबदल करने की जरुरत है. आहार बहुत ही सोचसमझकर लेना होगा। आपकी सेहत में कुछ गड़बड़ हो सकती है. बिजनेस में कोई फैसला लेने में आपको परेशानी महसूस हो सकती है. कोई दोस्त आपकी मदद कर सकता है. परिवार में स्थिति ठीक रहेगी. पहले से चल रहा कोई विवाद दूर होगा. शिक्षक आप का पूरा सहयोग करेंगे बस छात्रों को अपने एग्जाम पर ध्यान देने की जरूरत है. कार्तिक स्वामी का मंत्र जप करें परिणाम अच्छे होंगे।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज बेरोजगारी दूर होगी आर्थिक तंगी खत्म होगी. इनकम और खर्चा बराबर रहेगा. कार्यस्थल पर ओवरटाइम करना पड सकता हैं और अधिकारियों से सहयोग भी मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे. आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है. अचानक धन लाभ हो सकता है. अच्छे लोगों की संगति से फायदा हो सकता है. संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती हैं. कोशिशें चालू रखें समस्याएं खुदबखुद सुलझ जांएगे।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आज अपनी वाणी में संयम रखने की जरूरत हैं किसी को भी अपशब्द बोलने से बचें। पड़ोसी से कुछ वाद–विवाद हो सकते हैं,आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक मजबूत हो रहा है. अपनी कंपनी से सम्बंधित कोई अहम फैसला आप को सोच समझकर लेना चाहिए आज नुकसान की सम्भावनाए हैं करियर कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है. शिव स्तोत्र का स्तवन करें लाभ बनेगा।

## आज का पंचांग

दिनांक : 05 मई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी अहोरात्र
नक्षत्र : ज्येष्ठा दोपहर 12:55 तक
योग : शिव रात्रि 12:15 तक
करण : बव सायं 06:41 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक दोपहर 12:55 तक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:37 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:35 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:29 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:28 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अंगारक संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:51 , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# बंगाल का जनादेश भारतीयता, लोकतंत्र और जनशक्ति की ऐतिहासिक विजय: राम प्रकाश अग्रवाल

राम प्रकाश अग्रवाल

पश्चिम बंगाल में आए चुनाव परिणामों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इस ऐतिहासिक जनादेश पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजसेवी राम प्रकाश अग्रवाल ने इसे केवल एक राजनीतिक परिणाम नहीं, बल्कि भारतीयता, लोकतंत्र और आम जनता की सामूहिक चेतना की बड़ी जीत बताया है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि बंगाल की धरती, जो सदियों से संस्कृति, ज्ञान और जागरूकता का केंद्र रही है, ने एक बार फिर पूरे देश को यह संदेश दिया है कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का ही होता है। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक दल, व्यक्ति या विचारधारा की नहीं, बल्कि उस आम नागरिक की है, जिसने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत किया है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब विश्व के कई देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं, ऐसे में भारत के एक राज्य में इतनी सक्रिय भागीदारी और स्पष्ट जनादेश यह दर्शाता है कि हमारे देश में लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है।

बंगाल के लोगों ने जिस परिपक्वता और समझदारी के साथ अपने मत का उपयोग किया, वह वास्तव में सराहनीय है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने इस अवसर पर भारतीय संस्कृति और एकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं होने के बावजूद एकता की भावना सर्वोपरि रहती है। बंगाल का जनादेश इसी एकता और अखंडता का प्रतीक है, जो यह दर्शाता है िंहरीं देश की जनता किसी भी परिस्थिति में अपने मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता नहीं करती।

उन्होंने कहा कि यह जीत उस विश्वास की भी जीत है, जो जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दिखाया है। चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब होता है। बंगाल की जनता ने अपने मत के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि वे विकास, स्थिरता, पारदर्शिता और सुशासन को प्राथमिकता देती हैं।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि इस जनादेश से देश के अन्य राज्यों और राजनीतिक दलों को भी सीख लेने की आवश्यकता है। जनता अब पहले से अधिक जागरूक हो चुकी है और वह केवल वादों के आधार पर निर्णय नहीं लेती, बल्कि कार्य, नीतियों और नेतृत्व की विश्वसनीयता को भी परखती है।

उन्होंने युवाओं की भूमिका को इस जीत का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग देश के भविष्य का निर्माता है। बंगाल के चुनावों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझ रही है।

इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं की भागीदारी की भी सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र तब ही मजबूत होता है, जब समाज के हर वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। बंगाल की महिलाओं ने जिस उत्साह और जागरूकता के साथ मतदान किया, वह प्रेरणादायक है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने अंत में कहा कि यह जीत केवल आज की नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य की दिशा तय करने वाली जीत है। यह जनादेश देश के विकास, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश की जनता इसी प्रकार जागरूक और सक्रिय रहकर भारत को विश्व के सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी को निरंतर बनाए रखें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करें। उन्होंने कहा कि जब जनता जागरूक होती है, तभी राष्ट्र प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होता है।

# नतमस्तक हैं हम

नतमस्तक हैं हम उन सभी वीर स्वयंसेवकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति, जिन्होंने तृणमूल की क्रूर और अत्याचारी सत्ता के साये में अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध सतत जलती हुई ज्योति है। प्रत्येक बलिदान हमें यह संकल्प देता है कि अत्याचार का अंत होकर रहेगा। भारतीय जनता पार्टी की यह विजय कोई साधारण जीत नहीं है, बल्कि यह उन अमर बलिदानियों की पुकार का उत्तर, उनके संघर्ष की गूंज तथा अन्याय के विरुद्ध उठी आवाज़ का सशक्त प्रतिकार है। हम यह विजय उनके चरणों में समर्पित करते हुए यह प्रण लेते हैं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हम आदरणीय नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी, योगी आदित्यनाथ जी, सुवेंदु अधिकारी जी एवं सुनील बंसल जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही सभी समर्पित एवं परिश्रमी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों को नमन करते हैं, जिनके कारण यह ऐतिहासिक विजय संभव हो सकी। हम पश्चिम बंगाल के जागरूक मतदाताओं का भी हृदय से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने राष्ट्रहित एवं सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास व्यक्त किया और इस महत्वपूर्ण विजय में अपनी निर्णायक भूमिका निभाई।

**–अविनाश देवड़ा**
सह संयोजक, भाजपा तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ

**भाजपा नेता अविनाश देवड़ा के बेगम बाजार स्थित कार्यालय के समीप पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की प्रचंड विजय पर मिठाई और झालमुरी खिलाकर विजयोत्सव मनाते हुए भाजपा तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक अविनाश देवड़ा, श्रमिक प्रकोष्ठ तेलंगाना सह संयोजक मनमीत सिंह, बेगम बाजार डिविजन अध्यक्ष बंडा क्रांति, वरिष्ठ भाजपा नेता राजगोपाल व्यास, दसारी शेखर, रमेश व्याकर, अरुण भाटिया, आशीष, अनिल देवड़ा, दिनेश सांकला, भगवत्कृष्ण एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता।**

**भाजपा रामगोपालपेट डिवीजन अध्यक्ष संदीप वर्मा के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में सिकंदराबाद स्थित महाकाली मंदिर के पास मिठाई वितरित की गई और आतिशबाजी की गई।**

**भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक एवं अन्य राज्यों में प्रचंड जीत पर सनतनगर में आतिशबाजी करके जश्न मनाते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, डिवीजन प्रभारी नरेश, वरिष्ठ नेता दयानंद, श्रीनू, कांति, नरसिंह, चंद्रशेर एवं अन्य। अवसर पर एक–दूसरे को मिठाई खिलाई गई।**

# भाजपा की जीत पर पार्टी नेताओं ने जताई खुशी

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक एवं अन्य राज्यों में प्रचंड जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी एवं मल्काजगीरी लोकसभा सदस्य इटेला राजेंद्र के निवास पर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

भाजपा की जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और पार्टी की नीतियों तथा नेतृत्व की सराहना की। इस मौके पर विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर व्यापारिक प्रकोष्ठ तेलंगाना के संयोजक सतीश कुमार जाजू, विनय जैन, संजय सिंह, डीपी तिवारी, लक्ष्मीकांत शर्मा, प्रवीण, श्री हरि हरि कृष्ण, प्रवीण रेड्डी, रवि सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# भाजपा की विजय, बंगाल की विजय विकास और जिम्मेदारी की नई शुरुआत

पश्चिम बंगाल में भाजपा को अधिकांश एग्जिट पोल और अन्य पूर्व अनुमानों से कहीं अधिक सीटें और सफलता प्राप्त हुई है। इस उल्लेखनीय परिणाम के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने और चलाने की स्थिति में है, बिना किसी बाहरी समर्थन या दबाव के।

देश पर लगातार 48 वर्षों तक बंगाल की स्थानीय राजनीतिक पार्टियों और राजनेताओं के शासन के बाद यह पहला अवसर माना जा रहा है जब भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टी पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र रूप से शासन करने की स्थिति में पहुंची है। इसे राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है।

यह जीत जहां भाजपा के लिए खुशी का विषय है, वहीं यह एक बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती भी लेकर आई है। बंगाल और वहां के लोगों के समग्र विकास से जुड़े सभी क्षेत्रों में प्रभावी कार्य करना अब पार्टी की प्राथमिकता होगी, ताकि जनता का विश्वास लंबे समय तक बना रहे।

विश्लेषकों के अनुसार, बंगाल में भाजपा की यह सफलता राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह जीत पार्टी की रणनीति, नेतृत्व और जनसमर्थन को दर्शाती है, जो आने वाले समय में अन्य राज्यों में भी प्रभाव डाल सकती है।

इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद अब यह आवश्यक होगा कि भाजपा विकास, पारदर्शिता और सुशासन के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरे। बंगाल के मतदाताओं ने जिस विश्वास के साथ यह जनादेश दिया है, उसे बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

**0 डॉ. दिलीप पंसारी, हैदराबाद**

# पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता: अरुणा गुप्ता

पाँच राज्यों के चुनावी परिणाम आने के बाद भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत तथा असम एवं पांडिचेरी में विजय हासिल करने पर देशभर में खुशी का माहौल है।माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की माइक्रो कैबिनेट सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा गुप्ता ने इस अवसर पर देश की समस्त हिन्दुत्व एवं सनातनी जनमानस को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास, राष्ट्रहित और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

# भाजपा की चुनावी जीत पर बांसवाड़ा में जश्न, कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

बांसवाड़ा, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।भाजपा के तीन राज्यों में चुनाव जीतने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने बांसवाड़ा शहर के अंबेडकर चौक पर पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर जश्न मनाया। इस मौके पर शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि उन राज्यों के लोगों ने नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकार को चुना है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासन की आलोचना करते हुए कहा कि वहां की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक पश्चिम बंगाल, भाजपा के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि रहा है और सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी विचारधारा के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने दावा किया कि उनके बलिदानों के परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

# शिवलिंग को यदि घर पर रखे तो ना करे ये कार्य

**अगर** आप भी शिवलिंग की पूजा करते है तो इन बातो का खास ध्यान रखे क्योंकि अगर महादेव भोले है तो उनका क्रोध भी किसी से छुपा नही है क्योंकि त्रिदेवो में वो विनाशक भी हैं द्य शिवलिंग की पूजा अगर सही नियम से किया जाये तो वो आपके लिए लाभकारी सिद्ध होता है अन्यथा कुछ त्रुटियां विनाशकारी भी हो सकती है।

हम आपको वही क्रुटिया गिनाने जा रहे है जो कही न कही आप शिव की पूजा करते समय कर बैठते है। शिवलिंग को कभी भी ऐसे स्थान पर न रखे जहा आप उसे पूज न रहे हो द्य हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कभी भी शिवलिंग को घर पर न रखे अगर आप उसे पुरे विधि विधान से उसकी पूजा न कर रहे हो, क्योंकि अगर आप ऐसा करने वालो में से है तो सावधान हो जाये क्योंकि इससे आप शिवलिंग का अपमान कर रहे है और कुछ अनर्थकारी चीजों को आमंत्रित कर रहे है।

एक किस्सा आप सब ने सुना ही होगा, एक बार की बात है जब भगवान् विष्णु और ब्रहमा के बीच कौन सब से सर्वश्रेष्ठ होने की होड मची और जब ये बहस युद्ध का रूप लेने लगी तो महादेव ज्योतिर्लिंग क रूप में प्रगट हुए और कहा जो भी इसके छोर तक पहले पहुचेगा वो सर्वश्रेष्ठ कहलायेगा द्य विष्णु नीचे की तरफ गये और ब्रहमा ऊपर की तरफ लेकिन विष्णु ने स्वीकार कर लिया की वो इसका छोर नहीं पा सक और ब्रहमदेव ने कुछ और ही कहानी रची उन्होंने केतकी के फूलो से झूठी गवाही देने को कही की ब्रहमदेव छोर पा गये है जब ये बात पूछी जाये महादेव के सामने द्य ब्रहमदेव ने बिलकुल वैसा ही किया वो लौटे और उन्होंने केतकी के फूलो को साक्ष्य बनाते हुए महादेव से कहा की वो छोर तक पहुच गये है। महादेव ने इस झूठ पर क्रोधित होकर ब्रहमा का एक सर काट दिया और साथ ही केतकी के फूलो पर भी पूजा अर्चना में इस्तेमाल होने पर प्रतिबन्ध लगा दिया शिवपुराण के अनुसार जालंधर की एक कहानी है जिसे वरदान था की उसे तब तक कोई नहीं हरा सकता जब तक उसकी पत्नी वृंदा पतिव्रता रहेगी और इसी के चलते भगवान् विष्णु ने उसका पतिव्रता संकल्प भंग किया और महादेव ने जालन्धर का विनाश लेकिन वृंदा जो बाद में तुलसी में परिवर्तित हो चुकी थी उसने अपने पत्तियों का उपयोग महादेव की पूजा में इस्तेमाल होने पर रोक लगा दी इसलिए शिवलिंग पर तुलसी कभी भी अर्पित न करे हल्दी एक स्त्री की सुन्दरता निखारने के लिए इस्तेमाल होती है और शिवलिंग महादेव का प्रतीक है। इसलिए हल्दी का उपयोग शिवलिंग पर ना करे हिन्दू मान्यताओ के अनुसार सिन्दूर या कुमकुम का उपयोग एक महिला अपने पति की लम्बी आयु के लिए करती है और महादेव त्रिदेवो में विध्वंसक की भूमिका निभाते है यानी की संघार तो शिवलिंग पर सिन्दूर अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता शिवलिंग का स्थान बदलते समय उसके चरणों को स्पर्श करे और एक बर्तन में साफ पानी गंगाजल से मिक्स हुआ हो उसमे शिवलिंग को रखे और अगर शिवलिंग पत्थर से बना हुआ है तो उसका गंगाजल से अभिषेक करे शिवलिंग पर जब भी दूध से अभिषेक करे तो ध्यान रखे की पैक दूध न चढाए, दूध ठंडा और साफ होना चाहिए । शिवलिंग को घर लाते समय ध्यान रखे की मूर्ति में नाग लिपटा हो और शिवलिंग सोने, चांदी, या ताम्बे का हो। शिवलिंग को घर पर रखे तो कोशिश करे की उस जलधारा बरकरार रहे अन्यथा वो नकारत्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है।

शिवलिंग के समीप गौरी और गणेश की मूर्ति जरूर होनी चाहिए अकेले न रखे शिवलिंग को।

# राशि अनुसार ये उपाय करें आपके घर में धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं होंगी दूर

**अक्सर** देखा जाता है कि व्यक्ति के पास सब होते हुए भी वो सुखी नही रहता ये सब गृह दशा का प्रभाव होता है जो आपके जीवन में उतार चढाव लाते है द्य यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह दोष हो और उसकी वजह से कार्यों में असफलता मिल रही हो तो राशि अनुसार उपाय किए जा सकते हैं। इन उपायों से धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं और घर-परिवार के कई दोष दूर हो सकते हैं। तो आइये जानते है कि किस राशि के लिए है क्या उपाय -

मेष राशि-घर की दक्षिण दिशा में गुड की डली छोडकर प्रस्थान करें। इससे कार्य में प्रगति होगी तथा यात्रा में सफलता मिलेगी। जब भी किसी महत्वपूर्ण काम के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं, तब यह उपाय करें। राशि स्वामी मंगल के लिए हर मंगलवार को शिवलिंग पर लाल पुष्प और मसूर की दाल चढाएं। हर मंगलवार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृष राशि-नियमित रूप से कच्चे चावल सफेद गाय को खिलाने से धन लाभ हो सकता है। किसी भी शुक्रवार से ये उपाय प्रारंभ करें। शुक्रवार के बाद हर रोज ये उपाय अपने घर के बाहर ही करते रहें। चावल की मात्रा अपनी हथेली के अनुसार रखें। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवलिंग पर कच्चा दूध और चावल अर्पित करें। इससे धन संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मिथुन राशि-हर बुधवार खडे मूंग का दान करें। किसी सुहागिन को सुहाग का सामान दान करें। सफेद गाय को हरी घास खिलाएं। इन उपायों से घर के सभी दोष दूर होते हैं। घर में वायव्य कोण (घर की पश्चिम-उत्तर दिशा) में पैसा रखेंगे तो शुभ होगा। राशि स्वामी बुध की प्रसन्नता के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें। समय-समय पर किसी किन्नर को धन का दान करें।

कर्क राशि-हर रोज घर की पश्चिम दिशा में कबूतरों को ज्वार के दाने चुगाएं। ऐसा करने पर घर के सभी दोष शांत हो जाते हैं। घर का वातावरण पवित्र और सकारात्मक बनता है। परिवार में शांति बनी रहती है। राशि स्वामी चंद्र के लिए शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित करें। हर हिन्दी माह में दो चतुर्थियां आती हैं, इन दोनों तिथियों पर चंद्र का पूजन करें।

सिंह राशि-रोज रात को तांबे के लोटे में जल भरें और सुबह जल्दी उठकर अपने घर की पूर्व दिशा में इस जल का छिडकाव करें। ऐसा करने से घर-परिवार में शुभ समाचार प्राप्त होतेहैं। घर में बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। राशि स्वामी सूर्य की कृपा पाने के लिए हर रोज नित्य कर्मों से निवृत्त होकर सूर्य को जल अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे का उपयोग करें।

कन्या राशि-अपने घर की उत्तर दिशा में गायों को हरी घास खिलाएं। यदि संभव हो सके तो हर बुधवार किसी भिक्षुक को खडा मूंग और गुड का दान करें। यह करने से घर में लक्ष्मी का वास होगा। धन का अपव्यय रुकेगा। साथ ही, रुका धन प्राप्त होगा। राशि स्वामी बुध के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें और मोदक का भोग लगाएं। हरे रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

तुला राशि-किसी भी शुक्रवार को सुबह के समय घर के वायव्य कोण (पश्चिम-उत्तर दिशा) में सफेद कपडे में चावल बांधकर लटका दें। समय-समय पर ये चावल बदलते रहें। ऐसा करने से मांगलिक कार्य में गति आएगी तथा वैवाहिक कार्य में सफलता मिलेगी। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवजी को चावल और दूध अर्पित करें। शुक्रवार को किसी गरीब बच्चे को दूध का दान करें।

वृश्चिक राशि-अपने घर के दक्षिण-पूर्व कोने में जौ को लाल कपडे में बांधकर रखें। ऐसा करने से बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं करेंगी। घर का वातावरण शुभ और पवित्र बना रहेगा। परिवार के सदस्यों की सोच सकारात्मक होगी तो कार्यों में भी

सफलता मिलेगी। बच्चों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होंगे। राशि स्वामी मंगल के लिए मसूर की दाल और लाल कपडे का दान करें।

धनु राशि-आपके लिए घर का ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) पूजन कर्म के लिए श्रेष्ठ है। यहां पर भगवान विष्णु की शत् नामावली या सहस्त्र नामावली का पाठ करें। ऐसा करने से रोग, घर के दोष और नकारात्मकता दूर होगी। घर में प्रगति का माहौल बनेगा। राशि स्वामी गुरु के लिए शिवलिंग पर चने की दाल अर्पित करें। पीले रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

मकर राशि-घर की पश्चिम दिशा में तुलसी का पौधा लगाएं। हर रोज इस पौधे में जल अर्पित करें। उचित देखभाल करें। ऐसा करने से रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी। मांगलिक कार्य के साथ आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। राशि स्वामी शनि के लिए हर शनिवार तेल का दान करें। शनि देव को नीले रंग के पुष्प अर्पित करें। काले कंबल का दान करें।

कुंभ राशि-घर की पश्चिम-उत्तर दिशा को हमेशा स्वच्छ रखें। इस स्थान पर उपयोगी कागजात को ही स्थान दें। यदि कागजात काफी अधिक हैं तो किसी अन्य स्थान पर इन्हें रख सकते हैं। इस दिशा में मनी प्लांट लगाएं। राशि स्वामी शनि के लिए काली उडद का दान करें। हनुमानजी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। शनि को तेल से बने व्यंजन का भोग लगाएं। मीन राशि-घर की पूर्वोत्तर (पूर्व-उत्तर) दिशा में देवी-देवताओं के मंदिर बनवाएं। प्रयास करें कि घर में मंदिर, रसोई घर साथ-साथ न हो। यदि रसोई घर में ही मंदिर हो तो मंदिर और गैस चूल्हा एक सीध में न हो। विशेष तौर पर लक्ष्मीनारायण की उपासना आपको भूमि-भवन का लाभ देगी। राशि स्वामी गुरु के लिए हल्दी की गांठ का दान करें। शिवजी को बेसन से बने लड्डू का भोग लगाएं।

# श्रापित हैं शनि, इन्हें शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है

**पुराण** के मतानुसार शनिदेव सूर्य के पुत्र हैं, जो उनकी छाया नामक पत्नी से उत्पन्न हुए हैं। पिता की आज्ञा से शनिदेव ग्रह बने तथा अपनी पत्नी के श्राप की वजह से उन्हेंूर रूप प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि शनि की पत्नी चित्ररथ गंधर्व की कन्या थी, जो उग्र स्वभाव की थी। एक बार शनिदेव भजन में लिप्त थे। वह ऋतु-स्नान व श्रृंगार कर रमण करने के उदेश्य से वहाँ आयी, परंतु शनि ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। इससे क्रोध में आकर उनकी पत्नी ने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम्हारी दृष्टि जहाँ पर भी पडेगी, वहाँ विनाश ही विनाश हो जाएगा। ऐसा भी कहा जाता है कि गणेश जी का सिर कटने की वजह शनि ग्रह की उन पर पडने वाली दृष्टि ही थी। शनि का वर्ण काला है।

इनका वाहन गिद्ध तथा भैंसा हैं तथा इस ग्रह के पीछे अधिष्ठित देवता भैरव हैं। एक कथा के अनुसार शनि के द्वारा रोहिणी नक्षत्र का भेदन अच्छा नहीं होता है, क्योंकि राजा दशरथ प्रजा की रक्षा करने के लिए शनि देव को रोहिणी नक्षत्र का भेदन करने से रोकने के लिए उनसे युद्ध करने गये। जिससे प्रसन्न होकर शनिदेव ने उन्हें वर मांगने को कहा था, तब राजा दशरथ ने उनसे रोहिणी-भेदन न करने का वर मांगा, जिसे शनिदेव ने स्वीकार कर लिया तथा उन्होंने रोहिणी-भेदन नहीं किया। शनिदेव बचपन से ही क्रोधी स्वभाव के थे। एक बार उन्होंने अपनी माँ छाया को तुरंत भोजन देने के लिए कहा, परन्तु माता के यह कहने पर कि भोजन भोग लगाने के पश्चात् दूंगी, शनिदेव ने अपना एक पांव उठाकर मां पर प्रहार करना चाहा, जिससे क्रोध में आकर उनकी माता ने उन्हें श्राप दिया कि उनका पांव इसी समय टूट जाये तथा वे लंगडे हो जायें। तभी से शनिदेव लंगडे हो गये। नवग्रहों में शनि ग्रह अपना एक अलग ही महत्व रखता है। शनि ग्रह को ूर तथा तामसिक ग्रह भी कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर तथा कुंभ राशि पर शनि ग्रह का स्वामित्व होता है। शनि ग्रह तुला राशि में उच्च तथा मेष राशि में नीच होता है। शुक्र ग्रह को शनि का सबसे घनिष्ठ मित्र तथा सूर्य को सबसे बडा शत्रु कहा गया है। शनिदेव एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने में लगभग ढाई वर्ष का समय लेते हैं। शनि ग्रह की गणना पाप ग्रहों में की जाती है। इनके विषय में यह भी कहा जाता है कि अगर ये विपरीत चल दें तो सम्राट को भी भिखारी बना सकते हैं। शनि ग्रह के पास तीसरी, सातवीं तथा दसवीं पूर्ण दृष्टियाँ भी हैं।

शनि ग्रह के बुध, शुक्र, राहु मित्र हैं तथा सूर्य, चंद्र, मंगल शत्रु तथा गुरु व केतु सम हैं। शनि ग्रह की महादशा 19 वर्ष की होती है। लग्न राशि या चंद्र राशि से बारहवें स्थान पर शनिदेव के आने पर साढेसाती का प्रारंभ माना जाता है तथा द्वितीय स्थान से निकल जाने को शनि की साढेसाती का अंत माना जाता है। इसके अतिरिक्त लग्न राशि या चंद्र राशि से चौथे या आठवें स्थान पर शनिदेव के भ्रमण को ढैंया कहकर पुकारा जाता है। शनिकृत पीडा को शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है।

सरसों के तेल का दान, उडद या बादाम का दान। बजरंग बाण का पाठ। भैरव चालीसा का पाठ। स्नान से पहले तेल मालिश। शनिवार को मंदिर में बताशे चढाना। लोहे का कडा धारण करना। शनिवार को एक नारियल मंदिर में चढाना।

वाहन तथा पहनने वाले जूतों को ठीक रखना भी शनि को अच्छा लगता है।

## शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया

**लंबोदर** स्वरूप में किसी भी भलीबुरी बात को पेट में समाहित करने की सीख है। शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया। माता पार्वती जी की पाजेब की आवाज से संगीत का, शंकरजी के तांडव नृत्य से नृत्य विद्या अध्ययन किया। इस तरह विविध ज्ञान को समाहित करने के लिए बडे पेट की आवश्यकता थी तो गणेशजी लंबोदर कहलाए। उनका यह स्वरूप हमें सीख देता है कि हमें अधिक से अधिक चीजें सीखने का प्रयास करना चाहिए। बहुत छोटी सी सीख ही क्यों न मिले उसे सही तरीके से ग्रहण करना चाहिए और उसे अपने भीतर समाहित कर लेना चाहिए। मनुष्य दो तरह के होते हैं- एक वे जो सभी तरह की चीजों को सीखने की चाह रखते हैं और दूसरे वे जो चीजों को सीखने में ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। गणेशजी का यह स्वरूप प्रेरणा देता है कि हमें ज्यादा चीजों को सीखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

# शहीदों के सरताज, सच्चे पातशाह गुरु श्री अर्जुन देव जी

**सिखों** के पांचवें गुरु गुरु अर्जुन देव का प्रकाश श्री गुरु रामदास जी तथा माता भानी जी के यहां वैशाख बदी 7, संवत 1620 मुताबिक 15 अप्रैल 1563 ई को गोइंदवाल साहिब में हुआ। आपका पालनपोषण गुरु अमरदास तथा बाबा बुड्ढा की देखरेख में हुआ। मानव-कल्याण के लिए आजीवन शुभ कार्य करने वाले गुरु अर्जुन देव सिखों के पांचवें गुरु हैं। कल्पना कीजिए, उस मंजर की जब मुगल बादशाह जहांगीर गर्म था, लाहौर शहर का वजीर गर्म था, चंदू व्यवसायी गर्म था, जेठ का महीना गर्म था, लोहे का तवा गर्म था, जल रही चूल्हे की आग गर्म थी, शरीर पर डाली जा रही रेत भी गर्म थी। केवल गुरु श्री अजरुन देव, इन सब की परवाह न करते हुए बिल्कुल ठंडे थे। तनिक भी विचलित नहीं हुए थे। किंचित मात्र क्रोध नहीं आया था इन जल्लादों पर। 'वाहेगुरु' के सिमरन (सुमिरन) में वह पूरी तरह लीन थे। शांति के पुंज, शहीदों के सरताज गुरु अजरुन देव की शहादत अतुलनीय है।

हर विचारवान व्यक्ति के मन में यह प्रश्न कौंध जाता है कि गुरु देव ने ऐसा कौन-सा 'अपराध' किया कि उन्हें इस तरह यासा व सियासत कानून के तहत शहीद कर दिया गया। अकबर के देहांत के बाद जहांगीर दिल्ली का शासक बना। वह कट्टरपंथी था। अपने धर्म के अलावा उसे और कोई धर्म पसंद नहीं था। गुरु जी के धार्मिक व सामाजिक कार्य भी उसे बुरे लगते थे। इसी दौरान जहांगीर का पुत्र खुसरो बगावत करके आगरा से पंजाब की ओर आ गया। जहांगीर को सूचना मिली कि गुरु जी ने खुसरो की मदद की है। इसलिए उसने उन्हें गिरफ्तार करने के आदेश दिया। स्वयं जहांगीर भी गुरु जी के सिख धर्म के प्रचार-प्रसार से डर गया था। जहांगीर के आदेश पर उनकों गिरफ्तार कर लाहौर लाया गया तथा मृत्युदंड सुनाने का फरमान दे दिया गया। इसके साथ ही अमानवीय यातनाओं का अंतहीन दौर चल पडा। लाहौर के बजीर ने गुरु जी को एक रुढिवादी व्यवसायी चंदू को सुपुर्द कर दिया। कहा जाता है कि चंदू ने गुरुजी को तीन दिन तक ऐसी-ऐसी यातनाएं दीं, जो न तो शब्दों में बयां की जा सकती हैं, न ही वैसी कोई मिसाल इतिहास में ढूंढे मिलेगी। ऐसी दर्दनाक अवस्था में ही गुरुजी को लोहे की जंजीरों में बांधकर 30 मई सन् 1606 ईस्वी में रावी नदी में फेंकवा दिया गया। शांतिपूर्वक अपने धर्म के प्रचार -प्रसार के उनके इस प्रयास को आनेवाले समय में बदलने की आवश्यकता का बीजा रोपण उसी दिन हो गया।

# जब भगवान राम ने दिया था हनुमान को मृत्युदंड

**हिन्दू** घर्म के महान ग्रन्थ रामायण मे सब जानते है भगवान राम के सबसे बडे भक्त हनुमान जी थे, परन्तु फिर ऐसा क्या हुआ की भगवान राम ने हनुमान जी को मृत्यु दंड दिया और जब हनुमान जी मत्यु को प्राप्त नहीं हुए तो उन पर ब्रहमास्त्र चलाया, आइये जानते है क्या हुआ था की भगवान राम को उनके सबसे प्रिय भक्त को मृत्युदंड देना पडा।

श्री राम जब अयोध्या के राजा बने तो नारद मुनि ने हनुमान जी से ऋषि विश्वामित्र के सिवाय सभी साधुओं और ऋषियों से मिलने को कहा क्योंकि विश्वामित्र कभी महान राजा हुआ करते थे। हनुमान ने इसका पालन किया लेकिन इससे विश्वामित्र को कोई फर्क नहीं पडा।

तब कपट से नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और उन्हें हनुमान के खिलाफ भडकाया। इसके बाद विश्वामित्र हनुमान पर बेहद गुस्सा हो गए और उन्होंने भगवान श्रीराम से हनुमान जी को मौत की सजा देने के लिए कहा। राम अपने गुरु विश्वामित्र की बात टाल नहीं सकते थे इसी कारण उन्होंने हनुमान जी को मृत्युदंड दियाज मृत्युदंड देने के बाद भगवान राम ने हनुमान जी पर बाण चलाए लेकिन हनुमान राम का नाम जपते रहे और उनको कुछ नहीं हुआ। भगवान श्री राम को अपने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा का पालन करना ही था इसलिए श्रीराम ने हनुमान पर बह्मास्त्र चलाया। आश्चर्यजनक रूप से राम नाम का जप कर रहे हनुमान जी का ब्रह्मास्त्र भी कुछ नहीं बिगाड पाया। यह सब देखकर नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और अपनी भूल स्वीकार की।

ऐसा कहा जाता है की एक बार जब हनुमान जी ने माता सीता को मांग मैं सिंदूर लगाते हुए देखा तो हनुमान जी ने इसका कारण पूछा। तब सीता मां ने उन्हें बताया कि इससे भगवान राम की आयु बढेगी। जब हनुमान ने यह सुना तो उन्होंने सोचा कि जब मांग में सिंदूर भरने से भगवान राम की आयु बढती है तो क्यों न पूरे शरीर में ही सिंदूर लगा लिया जाए। और तब से हनुमान जी पुरे शरीर पर सिंदूर लगाते है और व्ही प्रथा चली आ रही है और आज भी हनुमान जी की मूर्ति को सिंदूर लगाया जाता है। श्री राम का अपने भक्त हनुमान से युद्ध भी हुआ था। भगवान राम के गुरु विश्वामित्र के निर्देशानुसार भगवान राम को राजा ययाति को मारना था।

राजा ययाति ने हनुमान से शरण मांगी। हनुमान ने राजा ययाति को वचन दे दिया। हनुमान ने किसी तरह के अस्त्र-शस्त्र से लडने के बजाए भगवान राम का नाम जपना शुरू कर दिया। राम ने जितने भी बाण चलाए सब बेअसर रहे। विश्वामित्र हनुमान की श्रद्धाभक्ति देखकर हैरान रह गए और भगवान राम को इस धर्मसंकट से मुक्ति दिलाई।

## अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं

**एक** मूर्तिकार था। वह ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन मूर्तिकार को अपनी इस कला पर अहंकार था। जब उसे लगने लगा कि उसकी मृत्यु आने वाली है तब उसने यमदूतों को भ्रम में डालने के लिए स्वयं की सजीव मूर्तियां बनाई। उसने अपने जैसी करीब 10 मूर्तियां बनाई और उन मूर्तियों के बीच में जाकर बैठ गया। जब यमदूत आए तो उन्हें 11 मूर्तियां दिखाई दीं। वह एक जैसी 11 मूर्तियां देखकर हैरान थे। वह एक विषम परिस्थिति में फंस गए। वो यह कि यदि मूर्ति तोडते हैं तो कलाकार के सम्मान को ठेस पहुंचेगी और यदि मूर्तिकार को यमलोक नहीं ले जाएंगे तो प्रकृति का नियम टूटा जाएगा।

तब एक यमदूत को मानव स्वभाव के एक गुण अहंकार के बारे में ध्यना आया। उसने कहा, इन 11 मूर्तियों में से एक मूर्ति में एक त्रुटि है। जैसे ही यमदूत ने यह वाक्य कहे, मूर्तिकार तुरंत बोल उठा, कौन सी मूर्ति में कैसी गलती। फिर क्या था यमदूत उस मूर्तिकार को तुरंत यमलोक ले गए। उन्होंने कहा, अहंकारवश यही गलती तो की है तुमने कि तुम बोल उठे। संक्षेप में अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं। यह गुण जब स्वभाव में आ जाता है तो अपना ही नहीं औरों का भी नुकसान करवाता है।

## भाग्य और कर्म का महत्व

हमारे पौराणिक ग्रंथ बतलाते हैं कि मनुष्य के भीतर की आत्मा उसके भाग्य से भी अधिक शक्तिशाली है। किंतु इसके साथ ही कर्म को भी अत्यधिक महत्व दिया है। सही तरीके से किया गया कर्म ध्यान बन जाता है।

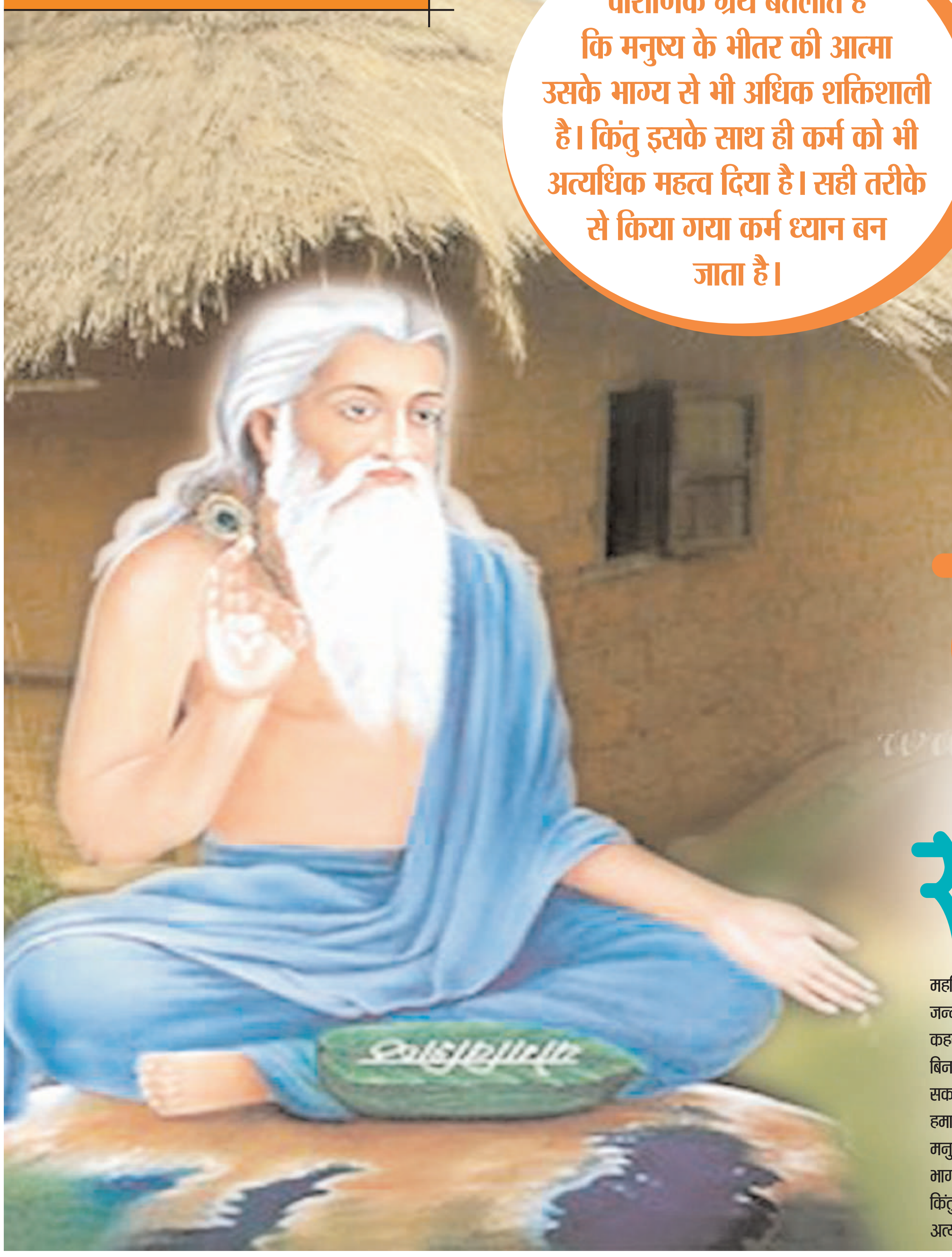

**गीता में तीन प्रकार के कर्म बताए गए हैं-** सात्विक, राजसी और तामसिक। तामसिक कर्मों से जीवन की अधोगति होती है और सात्विक कर्मों से सद्गति। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि निःस्वार्थ कर्म हमें व्यक्तिगत रोगों से भी छुटकारा देता है।

# कर्म ही ईश्वर की सच्ची सेवा...

महर्षि वाल्मीकि के अनुसार पूर्व जन्म में किया हुआ कर्म ही भाग्य कहलाता है। इसलिए पुरुषार्थ किए बिना भाग्य का निर्माण नहीं हो सकता।

हमारे पौराणिक ग्रंथ बतलाते हैं कि मनुष्य के भीतर की आत्मा उसके भाग्य से भी अधिक शक्तिशाली है। किंतु इसके साथ ही कर्म को भी अत्यधिक महत्व दिया है। सही तरीके से किया गया कर्म ध्यान बन जाता है।

पूर्ण निष्ठा से किया गया कर्म हमारी चेतना का विकास भी करता है। अतः हमें अपने कर्म ऐसे करने चाहिए जैसे कि हम प्रार्थना करते हैं। यदि सही तरीके से पूर्ण निष्ठा के साथ कर्म किया जाए तो व्यक्ति की प्रगति दस गुना अधिक होती है। अतएव प्रत्येक व्यक्ति को कर्म केवल व्यक्तिगत लाभ की दृष्टि से नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति समर्पण की भावना से करना चाहिए। किसी कर्म के प्रति हमारी दृष्टि यह होनी चाहिए कि हम उसे अच्छे से अच्छा करें। इन दिनों इस भावना का सर्वत्र अभाव दिखाई पड़ता है। कर्म को किसी भी प्रकार से निपटाने की भावना अहितकर है। कर्म में पूर्णता हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

आज जब हमारा देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है, सही समय पर सही तरीके से कार्य करने की बड़ी आवश्यकता है। दुर्भाग्यवश आज ऐसा नहीं हो रहा। हम जो भी कर्म करें उसे पूर्णता के साथ करें। यही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

कर्म करते हुए कई कठिनाइयां भी आती हैं, किंतु ऐसे समय में हमें शांत भाव से अपने भीतर देखना चाहिए। तब रास्ता निकल आएगा।

कर्म से पलायन करके कोई भी व्यक्ति अपने भाग्य का निर्माण नहीं कर सकता। न वह जीवन में सफल हो सकता है और न सुखी रह सकता है। कर्म करते हुए हमारी दृष्टि वर्तमान पर होनी चाहिए।

न तो हमें अतीत में देखना है और न भविष्य की चिंता करनी है। अपने वर्तमान कर्म को संभालने से भविष्य अपने आप संवर जाएगा।

आज हिन्दुस्तान का आकाश शब्दों के शोर से भरा हुआ है, किंतु हमें केवल बड़ी-बड़ी बातें ही नहीं करनी चाहिए बल्कि अधिक से अधिक कर्म करना चाहिए। यही भाग्य निर्माण की सच्ची राह है। यही समय की पुकार भी है।

गीता में तीन प्रकार के कर्म बताए गए हैं सात्विक, राजसी और तामसिक। तामसिक कर्मों से जीवन की अधोगति होती है और सात्विक कर्मों से सद्गति। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि निःस्वार्थ कर्म हमें व्यक्तिगत रोगों से भी छुटकारा देता है।

---

सनातन धर्म ने हर एक हरकत को नियम में बांधा है और हर एक नियम को धर्म में। ये नियम ऐसे हैं जिससे आप किसी भी प्रकार का बंधन महसूस नहीं करेंगे, बल्कि ये नियम आपको सफल और निरोगी ही बनाएँगे। नियम से जीना ही धर्म है।

### भोजन के नियम

- भोजन की थाली को पाट पर रखकर भोजन किसी कुश के आसन पर सुखासन में (आल्की-पाल्की मारकर) बैठकर ही करना चाहिए।
- कांसे के पात्र में भोजन करना निषिद्ध है।
- भोजन करते वक्त मौन रहने से लाभ मिलता है।
- भोजन भोजन कक्ष में ही करना चाहिए।
- भोजन करते वक्त मुख दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए।
- जल का गिलास हमेशा दाईं ओर रखना चाहिए।
- भोजन अँगूठे सहित चारों अँगुलियों के मेल से करना चाहिए।
- परिवार के सभी सदस्यों को साथ मिल-बैठकर ही भोजन करना चाहिए।
- भोजन का समय निर्धारित होना चाहिए।
- दो वक्त का भोजन करने वाले के लिए जरूरी है कि वे समय के पाबंद रहें।
- संध्या काल के अस्त के पश्चात भोजन और जल का त्याग कर दिया जाता है।

# भोजन करते वक्त इन बातों का ध्यान रखना जरूरी...

शास्त्र कहते हैं कि योगी एक बार और भोगी दो बार भोजन ग्रहण करता है। रात्रि का भोजन निषेध माना गया है। भोजन करते वक्त थाली में से तीन ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखे जाते हैं तथा अंजुली में जल भरकर भोजन की थाली के आसपास दाएँ से बाएँ गोल घुमाकर अंगुली से जल को छोड़ दिया जाता है।

### जल के नियम

- भोजन के पूर्व जल का सेवन करना उत्तम, मध्य में मध्यम और भोजन पश्चात करना निम्नतम माना गया है।
- भोजन के 1 घंटे पश्चात जल सेवन किया जा सकता है।
- भोजन के पश्चात थाली या पत्तल में हाथ धोना भोजन का अपमान माना गया है।
- पानी छना हुआ होना चाहिए और हमेशा बैठकर ही पीया जाता है।
- खड़े रहकर या चलते-फिरते पानी पीने से ब्लॉडर और किडनी पर जोर पड़ता है।
- पानी गिलास में घूंट-घूंट ही पीना चाहिए।
- अंजुली में भरकर पिए गए पानी में मिठास उत्पन्न हो जाती है।
- जहाँ पानी रखा गया है वह स्थान ईशान कोण का हो तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। पानी की शुद्धता जरूरी है।

**विशेष :** भोजन खाते या पानी पीते वक्त भाव और विचार निर्मल और सकारात्मक होना चाहिए। कारण कि पानी में बहुत से रोगों को समाप्त करने की क्षमता होती है और भोजन-पानी आपकी भावदशा अनुसार अपने गुण बदलते रहते हैं।

अंगुली से छोड़ा गया जल देवताओं के लिए और अंगूठे से छोड़ा गया जल पितरों के लिए होता है। यहाँ सिर्फ देवताओं के लिए जल छोड़ा जाता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन अनुसार गाय, कौआ और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।भोजन के तीन प्रकार :

- जैसा खाओगे अन्न वैसा बनेगा मन। भोजन शुद्ध और सात्विक होना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि सात्विक भोजन से व्यक्ति का मन सकारात्मक सोच वाला व मस्तिष्क शांतिमय बनता है। इससे शरीर स्वस्थ रहकर निरोगी बनता है।
- राजसिक भोजन से उत्तेजना का संचार होता है जिसके कारण व्यक्ति में क्रोध तथा चंचलता बनी रहती है।
- तामसिक भोजन द्वारा आलस्य, अति नींद, उदासी, सेक्स भाव और नकारात्मक धारणाओं से व्यक्ति ग्रासित होकर चेतना को गिरा लेता है।

---

# क्यों नहीं रखते पूर्व और दक्षिण दिशा में पैर?

**क्या आप सोते समय अपने पैर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखते हैं। हिंदू शास्त्रों और वास्तुविदों के अनुसार यह अनुचित है। इससे आपकी ऊर्जा का क्षरण होगा साथ ही आपकी मानसिक स्थिति भी बिगड़ जाएगी। इससे हृदय पर भी गलत प्रभाव पड़ता है। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रखते पूर्व और दक्षिण दिशा की ओर पैर।**

**दक्षिण दिशा :** विज्ञान की दृष्टिकोण से देखा जाए तो पृथ्वी के दोनों ध्रुवों उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव में चुम्बकीय प्रवाह विद्यमान है। दक्षिण में पैर रखकर सोने से व्यक्ति की शारीरिक ऊर्जा का क्षय हो जाता है और वह जब सुबह उठता है तो थकान महसूस करता है, जबकि दक्षिण में सिर रखकर सोने से ऐसा कुछ नहीं होता। उत्तर दिशा की ओर धनात्मक प्रवाह रहता है और दक्षिण दिशा की ओर ऋणात्मक प्रवाह रहता है। हमारा सिर का स्थान धनात्मक प्रवाह वाला और पैर का स्थान ऋणात्मक प्रवाह वाला है। यह दिशा बताने वाले चुम्बक के समान है कि धनात्मक प्रवाह वाले आपस में मिल नहीं सकते। हमारे सिर में धनात्मक ऊर्जा का प्रवाह है जबकि पैरों से ऋणात्मक ऊर्जा का निकास होता रहता है। यदि हम अपने सिर को उत्तर दिशा की ओर रखेंगे को उत्तर की धनात्मक और सिर की धनात्मक तरंग एक दूसरे से विपरित भागेगी जिससे हमारे मस्तिष्क में बेचैनी बढ़ जाएगी और फिर नींद अच्छे से नहीं आएगी। लेकिन जैसे तैसे जब हम बहुत देर जागने के बाद सो जाते हैं तो सुबह उठने के बाद भी लगता है कि अभी थोड़ा और सो लें। जबकि यदि हम दक्षिण दिशा की ओर सिर रखकर सोते हैं तो हमारे मस्तिष्क में कोई हलचल नहीं होती है और इससे नींद अच्छी आती है। अत- उत्तर की ओर सिर रखकर नहीं सोना चाहिए।

**पूर्व दिशा :** पश्चिम दिशा में सिर रखकर नहीं सोते हैं क्योंकि तब हमारे पैर पूर्व दिशा की ओर होंगे जो कि शास्त्रों के अनुसार अनुचित और अशुभ माने जाते हैं। पूर्व में सूर्य की ऊर्जा का प्रवाह भी होता है और पूर्व में देव-देवताओं का निवास स्थान भी माना गया है। सोने के तीन से चार घंटे पूर्व जल और अन्य का त्याग कर देना चाहिए। शास्त्र अनुसार संध्याकाल बितने के बाद भोजन नहीं करना चाहिए।

संपादकीय

# परीक्षण की परिधि में विकास

ढगवार मिल्क प्लांट की संरचना में आया खोट अगर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के पैमाने में, निर्माण के उद्देश्य को भ्रमित और अकुशल पाता है, तो यह निरीक्षण कई संकेत दे रहा है। आश्चर्य यह कि 225 करोड़ की परियोजना में भी काम निपटाने की रूटीन सामने आई और जहां ऑटोमेशन के बजाय अधोसंरचना को घिसी पिटी पुरानी तकनीक के हवाले ही रखा जा रहा था। पल भर के लिए अगर मुख्यमंत्री रुचि न लेते तो निर्माण कार्य और मशीनरी के सही उपयोग में कई दरारें बढ़ती जातीं। बहरहाल मुख्यमंत्री की पैनी और पारखी नजर ने एक गलती को सुधार दिया, अन्यथा विकास की गाथाएं ऐसा ढांचा विकसित नहीं कर पा रहीं, जो कम से कम एक सदी गुजार दें। हिमाचली विकास के मानदंड या तो पूरी तरह तय नहीं होते या उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। टांडा मेडिकल कालेज में करोड़ों व्यय करके 'मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर' आज भी पूर्ण नहीं है, तो इस कोताही के दंश स्पष्ट हैं। ऐसे में क्या मुख्यमंत्री को ही मुआयना करना पड़ेगा या गुणवत्ता के परीक्षण किसी निश्चित परिधि से गुजरेंगे। आम तौर पर ड्राइंग से निर्माण तथा विभिन्न भवनों, संस्थानों या सेवा क्षेत्रों के विस्तार तक आर एंड डी दिखाई ही नहीं देती। स्कूल से कालेज तक इमारतों में अंतर की जरूरत है, लेकिन वर्षों से एक ही ड्राइंग पर सरकारी दारोमदार चला है। सबसे कमजोर पक्ष यह है कि भूमि के इस्तेमाल में किफायती वास्तु शैली का प्रदर्शन नहीं हो रहा। अगर पूछा जाए कि हिमाचल की ऐसी कौनसी दर्जन भर इमारतें हैं, जो अपने डिजाइन, निर्माण और उपयोगिता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ हैं, तो जवाब में बगलें झांकते मिलेंगे। शहरी जीवन में आ रहे परिवर्तन को देखते हुए विकास योजनाओं को ही देखकर पता चलता है कि सिर्फ फर्ज अदायगी हो रही है। क्या टीसीपी कानून की शर्तों में हम शहरी ढांचे में परिवर्तन ला सके। कितनी बार उधार की नींव पर खड़े ढांचे को बेकार करेंगे। कांगड़ा के पास मटौर में बतौर पर्यटन मंत्री स्व. जीएस बाली ने एक बैंबू पार्क बनाया, लेकिन लाखों का व्यय अब एक कबाड़ गृह में ऐसे तबदील हुआ कि नशेड़ी वहां अपना दर्द बयां करते हैं। ऐसे कई निर्माण कार्य या तो अधूरे ही रह गए या पूरा होकर भी बेकार हो गए। दरअसल निर्माण की गुणवत्ता और उपयोग की सार्थकता का कोई ऑडिट ही नहीं होता है। मुख्यमंत्री के एक विजिट ने अगर थोड़ा सा ऑडिट किया तो सवा दो सौ करोड़ की लागत से भी कई सुराख निकल आए, तो ऐसे सुराखों की गुंजाइश तो हर छोटे-बड़े कार्य में रहेगी। पाठकों को याद होगा कि शाह नहर परियोजना ने ट्रायल में ही अपने घटिया निर्माण के किस्से खोल दिए थे। भवनों के डिजाइन से उनके निर्माण की उपयोगिता तक गहन चिंतन, ईमानदारी और वचनबद्धता की जरूरत है। प्रदेश को दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मिलीं। अगर मुख्यमंत्री शिमला-धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के निर्माण का ऑडिट करा लें, तो पता चल जाएगा कि खजाने खोलकर भी हिमाचल का भविष्य यहां नहीं संवर रहा। विकास से निकले निर्माण की कटोरी में राजनीति की डुबकियां और भी भयंकर निष्कर्ष पैदा कर रही हैं। मनरेगा की लागत में हमारे प्राकृतिक जलस्रोत निपट गए। शहर विकास के प्रारूप में अधिकारियों के मन के नक्शे जमीन से खिलवाड़ कर गए। औचित्यहीन, संवेदनहीन तथा उद्देश्यहीन निर्माण से बेहतर है कि हम विकास को भविष्य की निगाहों से देखने का जज्बा पैदा करें।

आश्चर्य यह कि 225 करोड़ की परियोजना में भी काम निपटाने की रूटीन सामने आई और जहां ऑटोमेशन के बजाय अधोसंरचना को घिसी पिटी पुरानी तकनीक के हवाले ही रखा जा रहा था। पल भर के लिए अगर मुख्यमंत्री रुचि न लेते तो निर्माण कार्य और मशीनरी के सही उपयोग में कई दरारें बढ़ती जातीं। बहरहाल मुख्यमंत्री की पैनी और पारखी नजर ने एक गलती को सुधार दिया, अन्यथा विकास की गाथाएं ऐसा ढांचा विकसित नहीं कर पा रहीं, जो कम से कम एक सदी गुजार दें। हिमाचली विकास के मानदंड या तो पूरी तरह तय नहीं होते या उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। टांडा मेडिकल कालेज में करोड़ों व्यय करके 'मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर' आज भी पूर्ण नहीं है, तो इस कोताही के दंश स्पष्ट हैं। ऐसे में क्या मुख्यमंत्री को ही मुआयना करना पड़ेगा या गुणवत्ता के परीक्षण किसी निश्चित परिधि से गुजरेंगे। आम तौर पर ड्राइंग से निर्माण तथा विभिन्न भवनों, संस्थानों या सेवा क्षेत्रों के विस्तार तक आर एंड डी दिखाई ही नहीं देती। स्कूल से कालेज तक इमारतों में अंतर की जरूरत है, लेकिन वर्षों से एक ही ड्राइंग पर सरकारी दारोमदार चला है। सबसे कमजोर पक्ष यह है कि भूमि के इस्तेमाल में किफायती वास्तु शैली का प्रदर्शन नहीं हो रहा। अगर पूछा जाए कि हिमाचल की ऐसी कौनसी दर्जन भर इमारतें हैं, जो अपने डिजाइन, निर्माण और उपयोगिता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ हैं, तो जवाब में बगलें झांकते मिलेंगे।

कुछ अलग

## शहर का फुटपाथ

समृद्ध भारत के लक्ष्य में पूरा देश मेहनत में जुट गया। किसी को भले ही यह मालूम नहीं था कि समृद्धि आएगी कहां से, लेकिन हर योजना, परियोजना व नीति बनाते पूरा देश इस स्वाभिमान से खिल उठा कि वो इसी के रास्ते आएगी। हम वर्षों से दिवाली मनाते लक्ष्मी की रास्ता खोज रहे हैं, तो अब 'समृद्धि' के आगमन का इंतजार करते दो-तीन या चार दशक भी गुजार सकते हैं। तब तक ईरान युद्ध पूरी तरह खत्म हो चुका होगा, अमरीकी डॉलर लुढक़ चुका होगा, पाकिस्तान बिक चुका होगा और हम पूरी तरह 'हम' बन चुके होंगे। हर विभाग समृद्ध भारत बनाने की योजनाओं पर चिंतन मनन कर रहा था, तो संसद से विधानसभाओं के सदन तक की बहस में अब 'समृद्ध भारत रस' बह रहा था। हमारा शहर भी इसी होड़ में 'समृद्ध शहर' बन कर दिखाना चाहता था। नगर निगम की बैठक में 'समृद्ध शहर' की वकालत में कई सुझाव आए। किसी न कहा, 'चारों तरफ 'समृद्ध शहर' के होर्डिंग लगा दो, जनता समझ जाएगी कि कुछ तो हो रहा होगा।' किसी पार्षद ने कहा, 'ठेकेदारों से पूछ लो कि 'समृद्ध शहर' की वकालत में वे कितने ठेके लेना चाहेंगे।' एक अन्य पार्षद ने कहा कि शहर के चारों तरफ खुदाई कर देते हैं, ताकि गिरते-पड़ते लोग समझ जाएं कि कुछ ऐसा हो रहा है जो पहले कभी नहीं हुआ। पार्षद तरह-तरह के सुझाव दे रहे थे कि एक ने कहा, 'क्यों न फुटपाथ को उखाड़ कर फिर से बनाया जाए। एक तो शहर की समृद्धि के लिए नया निर्माण होगा। पुराना मैटिरियल बिक जाएगा और इस तरह शहर की मिट्टी को गहरे तक खोद कर हम काम के ढेर लगा पाएंगे।

आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया

# किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है। इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-"किराये की संतान"। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं।

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों, अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी, सूने आंगन, और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण, रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं, अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है। इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है- "किराये की संतान"। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं, उनके साथ सैर करते हैं, खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है- क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है। हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं, जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद, व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है, जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो

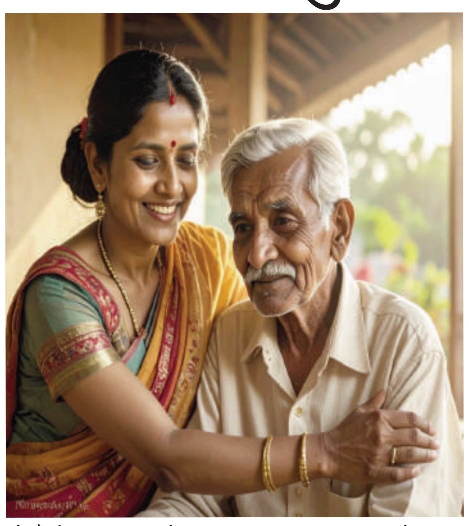

चुके हैं, वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है। निश्चिततौर पर आज का समाज तीव्र गति से बाज़ारवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था, अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाज़ार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव, त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है। विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पड़ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध, सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो, यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है। साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। "किराये की संतान" का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

देश दुनिया से

# ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 165 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया। इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय—जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है—ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की

छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों—खासकर महिलाओं और युवाओं—को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए। ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण—जैसे रिकॉर्ड मतदान—ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार—असम और बिहार के साथ अब बंगाल—हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी। विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है—क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगी: या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई। सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था—जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी—को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे—जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा—नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है—शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं।

आप का नज़रिया

# अब महंगाई का मौसम

अब एक आम समोसा 30 रुपए में मिलेगा। आम बाजार में, रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी। यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है। शायद सरकार नहीं जानती अथवा जानबूझ कर अनजान बन रही है, क्योंकि 5 किलो वाले सिलेंडर पर जमकर कालाबाजारी चल रही है और यह सिलेंडर 1000 रुपए से अधिक के दाम पर बेचा जा रहा है। आम आदमी बेचारा क्या करे? गरीब-गुरबों की सरकार है, यह तो महज एक नारा है। इसी साल व्यावसायिक गैस सिलेंडर तीन बार महंगा किया जा चुका है, लिहाजा फैमिली डाइनिंग का खर्च 30 फीसदी सीधा बढ़ गया है। यही नहीं, ईरान-अफगानिस्तान से आने वाला पिस्ता 32 फीसदी और केसर 37 फीसदी महंगे हो चुके हैं। युद्ध और अन्य कारणों से इनकी उपलब्धता भी बहुत कम है, लिहाजा मिठाइयों के दाम भी 20-100 रुपए तक बढ़ गए हैं। ईरान और अमरीका ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर नाकेबंदी कर रखी है, नतीजतन तेल-गैस-खाद की आपूर्ति नगण्य है। भारत में खाद की कीमतें भी आसमान छूने को हैं, लिहाजा इस वित्त वर्ष में सरकार पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सबसिडी का बोझ पड़ेगा। खाद पर सरकार के सामने दो विकल्प हैं। वह या तो खाद के दाम बढ़ाए अथवा 1.5-2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ झेले। किसान एक ताकतवर वोट बैंक है, लिहाजा सरकार को सबसिडी का रास्ता ही चुनना पड़ेगा। बजट में ऐसी सबसिडी का कोई प्रावधान नहीं है। बहरहाल हम भी मानते हैं कि ईरान युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और अन्य संकट पैदा कर दिए हैं। यूरोपीय देश भी चिलचिला रहे हैं। अमरीका में ही पेट्रोल 38 फीसदी और डीजल 49 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि अमरीका खुद तेल-निर्यातक देश है। चीन में भी तेल की कीमतें 20 फीसदी तक बढ़ी हैं।

चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है।

दृष्टि कोण

# नए निर्यात बाजारों में बढ़ता भारत

इस समय भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात के नए बाजारों में दस्तक देते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। दोनों देशों ने 22 दिसंबर 2025 को इस एफटीए के लिए वार्ता पूरी की थी। गौरतलब है कि भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) सुनिश्चित किया गया है। भारत भी न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क समाप्त करेगा या कम करेगा। खास बात यह है कि इस एफटीए के तहत लगभग ऐसे कई उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है, जो भारत के किसानों और कृषि क्षेत्र के हितों से जुड़े हुए हैं। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, म_ा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की प्रतिबद्धता भी जताई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं। यह एफटीए न्यूजीलैंड में भारतीय छात्रों पर संख्यात्मक सीमा को हटाता है। साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं मास्टर डिग्री धारकों के लिए तीन साल तक और डॉक्टरेट डिग्री वालों के लिए अध्ययन के बाद चार साल तक

न्यूजीलैंड में काम करने का अवसर प्रदान करता है। इतना ही नहीं, भारत के कुशल पेशेवरों के लिए यह एफटीए एक नया अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग प्रदान करता है। इसका लाभ चिकित्सक, योग प्रशिक्षक, भारतीय शेफ और संगीत शिक्षक के साथ आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और निर्माण सहित उच्च मांग वाले क्षेत्रों के भारतीय पेशेवर ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुए भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस एफटीए से दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। वस्तुतः भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से वार्ता जारी रही थी। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत और अमरीका के बीच भी व्यापार समझौते की वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। इस वर्ष 7 फरवरी को भारत और अमरीका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) के फ्रेमवर्क के तहत अमरीका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था।

# अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

**मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई**

चेन्नई

**पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है।**

अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे: दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शाट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009–25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रायल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

## न्यूज ब्रीफ

### फिर पाक टीमी की कप्तानी संभालने तैयार हूं : बाबर आजम

**लाहौर।** पाकिस्तान क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने कहा है कि टीम को जरुरत होगी तो वह आने वाले समय में एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। आजम ने कहा कि टीम हित उनके लिए सबसे पहले है और वह इसके लिए कुछ भी कर सकते हैं। पाक सुपर लीग में आजम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। जिससे वह उत्साहित हैं ओर भविष्य में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी दोबारा संभालने की संभालने तैयार हैं। यह बयान उन अटकलों के बीच आया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) उन्हें एक बार फिर टीम की कमान सौंपने पर विचार कर सकता है। बाबर ने आखिरी बार 2024 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। उन्होंने 2020 से 2023 तक सभी प्रारूपों में टीम की कप्तानी की थी, जिसके बाद 2023 एकदिवसीय विश्व कप के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी छोड़ दी थी। हालांकि, उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए फिर से राष्ट्रीय टी20 कप्तान नियुक्त किया गया था। उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया, जिससे उनकी कप्तानी की यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है।उनका मानना है कि खेल का आनंद लेना और बुनियादी बातों पर टिके रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, चाहे मैं अच्छा खेलूं या न खेलूं, आलोचना तो होती ही है, इसलिए मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। बाबर ने पीएसल को युवा प्रतिभाओं के लिए एक मंच भी बताया, और जोर दिया कि इन उभरते हुए खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की आवश्यकता है ताकि वे राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार हो सकें।

### कुश्ती विवादः विनेश ने उठाए निष्पक्षता और सुरक्षा पर सवाल डब्ल्यूएफआई ने दी गारंटी

**नई दिल्ली ।** भारतीय कुश्ती जगत में एक बार फिर विवाद गहराता दिख रहा है। दिग्गज महिला पहलवान

विनेश फोगाट ने गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को लेकर सुरक्षा और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने उनकी सुरक्षा की व्यक्तिगत गारंटी दी है, लेकिन टूर्नामेंट का स्थल बदलने से साफ इनकार कर दिया है। सुरक्षा की गारंटी संजय सिंह ने स्पष्ट कहा कि गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला यह टूर्नामेंट तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विनेश की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित की जाएगी और मुकाबलों में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा अनुमोदित रेफरी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी मुकाबलों की रिकार्डिंग भी की जाएगी, जिससे किसी तरह के पक्षपात की संभावना नहीं रहेगी। विनेश ने जताई आशंका दूसरी ओर, विनेश फोगाट ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि प्रतियोगिता के दौरान उनके या उनकी टीम के किसी सदस्य के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि जिस स्थान पर टूर्नामेंट आयोजित हो रहा है, वहां पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह का प्रभाव हो सकता है, जिससे फैसलों में पक्षपात की गुंजाइश बनती है।

### इंटर मिलान ने जीता सेरी ए खिताब, पार्मा को 2-0 से हराकर 21वीं बार बना चैंपियन

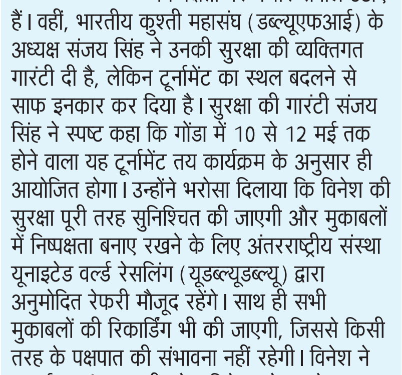

**मिलान।** इटली की शीर्ष फुटबाल लीग सेरी ए में इंटर मिलान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पार्मा को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ इंटर ने अंकतालिका में अजेय बढ़त बना ली और सीजन खत्म होने से तीन मैच पहले ही 21वां खिताब जीत लिया। इंटर मिलान की ओर से पहला गोल मार्कस थुराम ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में किया, जबकि दूसरे हाफ में हेनरिख मिखितारियन ने मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले गोल दागकर जीत पक्की कर दी। इस जीत के बाद इंटर के 82 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद नेपोली पर 12 अंकों की बढ़त बना ली है। इंटर को खिताब के लिए सिर्फ एक अंक की जरूरत थी, क्योंकि नेपोली को अपने पिछले मुकाबले में कोमो के खिलाफ 0-0 से ड्रा खेलना पड़ा था। मैच में इंटर का दबदबा पूरे मुकाबले में इंटर मिलान का दबदबा देखने को मिला। पहले हाफ में टीम ने कई मौके बनाए, हालांकि गोल में तब्दील करने में देर लगी। 25वें मिनट में निकोलो बारेला का जोरदार शाट क्रासबार से टकराया और पार्मा के गोलकीपर सियोन सुजुकी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया।

# मुंबई इंडियंस ने चेज किया आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा टारगेट, 229 रन बनाकर भी हारी लखनऊ

मुंबई: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 47वां मुकाबला आज यानी 4 मई को मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह एक हाई स्कोरिंग मुकाबला रहा, जिसको मुंबई इंडियंस ने 6 विकेट से जीत लिया। एमआई ने इस मैच में आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। मुंबई इंडियंस को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 229 रन का बड़ा लक्ष्य दिया था, जो मुंबई इंडियंस ने 4 विकेट के नुकसान पर 18.4 ओवर में ही चेज कर लिया।

**रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने लखनऊ के गेंदबाजों को जमकर धोया**

229 रन के टारगेट का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने मुंबई की पारी का तूफानी अंदाज में आगाज किया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 143 रन की साझेदारी हुई। रयान रिकेल्टन ने 32 गेंद में 83 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 8 छक्के शामिल थे। इसके अलावा रोहित शर्मा 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के लगाए। नमन धीर 23 तो विल जैक्स 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हो गए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 2 विकेट एम सिद्धार्थ ने लिए। 1-1 विकेट मोहम्मद शमी और मोहसिन खान ने लिया।

**कुछ ऐसी रही लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी**

सोमवार को वानखेडे.स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 228 रन बनाए थे। इस टीम को मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 2.3 ओवरों में 29 रन की साझेदारी की। जोश 5 गेंदों में 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 94 रन जुटाकर टीम को 123 के स्कोर तक पहुंचाया।

महज 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने वाले पूरन 21 गेंदों में 63 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 8 छक्के और 1 चौका शामिल रहा, जबकि मार्श 25 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इसके बाद एडेन मार्करम ने कप्तान ऋषभ पंत (15) के साथ चौथे विकेट के लिए 23 रन जोड़े, जबकि हिम्मत सिंह के साथ छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 68 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। मार्करम 25 गेंदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि हिम्मत सिंह ने 31 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 40 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से कॉर्बिन बॉश ने 20 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। एम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

**इंजरी से आते ही छा गए रोहित शर्मा,**

आईपीएल 2026 में 47वां मैच मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। इस मैच में इंजरी से वापसी करते हुए दिग्गज रोहित शर्मा ने कमाल कर दिया। उन्होंने तूफानी अंदाज में बैटिंग की और 84 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। हालांकि रोहित शर्मा अपने तीसरे आईपीएल शतक से चूक गए। इसके बावजूद उन्होंने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 143 रन की मैच विनिंग साझेदारी की और मुंबई के 229 रन का टारगेट चेज करने में अहम भूमिका निभाई। रोहित शर्मा ने अपनी पारी में 6 चौके और 7 छक्के उड़ाए थे।

39 साल के रोहित शर्मा बीते अप्रैल के महीने में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे। उनको हैमस्ट्रिंग में इंजरी हुई थी। इसकी वजह से वह उस मैच में भी आगे बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे। वहीं उसके बाद कुछ मुकाबले रोहित ने मिस भी किए।

# मियामी ग्रां प्री 2026 : किमी एंटोनेली ने रचा इतिहास, दर्ज की लगातार तीसरी जीत

मियामी गार्डन्स

फार्मूला-1 में 19 वर्षीय मर्सिडीज ड्राइवर किमी एंटोनेली ने इतिहास रचते हुए रविवार को मियामी ग्रां प्री 2026 जीत लिया। इसके साथ ही वह अपने पहले तीनों रेस पोल पोजिशन से जीतने वाले पहले ड्राइवर बन गए हैं। यह उनकी लगातार तीसरी जीत है और वह इस सीजन में चैंपियनशिप के प्रबल दावेदार बन गए हैं।

जीत दर्ज करने के बाद एंटोनेली ने कहा, यह तो बस शुरुआत है, आगे का सफर लंबा है। टीम शानदार काम कर रही है, मैं इस जीत का आनंद लूंगा और फिर काम पर लौटूंगा।

इस सीजन में मर्सिडीज टीम का दबदबा जारी है। किमी एंटोनेली और उनके साथी जार्ज रसेल ने मिलकर इस सीजन की शुरुआती चारों रेस और सभी पोल पोजिशन अपने नाम की हैं। हालांकि स्प्रिंट रेस में लैंडो नारिस और आस्कर पियास्त्री की जोड़ी ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया।

टीम प्रमुख टोतो वोल्फ ने एंटोनेली की तारीफ करते हुए कहा, आज शिकायत की कोई बात नहीं थी, शानदार प्रदर्शन।

गीले ट्रैक पर शुरू हुई इस रेस में फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर ने शानदार शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन टक्कर के बाद स्पिन होकर पीछे चले गए। हालांकि एंटोनेली ने पांचवें लैप में बढ़त वापस हासिल कर ली और फिर अंत तक उसे बनाए रखा। पिट स्टाप के दौरान उन्होंने लैंडो नारिस को पीछे छोड़ते हुए रेस पर नियंत्रण कर लिया।

**टाप फिनिशर्स**

- पहला: किमी एंटोनेली
- दूसरा: लैंडो नारिस
- तीसरा: आस्कर पियास्त्री
- चौथा: जार्ज रसेल
- पांचवां: मैक्स वेरस्टैपेन
- छठा: चार्ल्स लेक्लेर
- सातवां: लुईस हैमिल्टन

**हादसे भी हुए**

रेस के दौरान इसैक हडजार की कार दीवार से टकरा गई, जिससे वह बाहर हो गए। वहीं पियरे गैस्ली की कार पलट गई, हालांकि वह सुरक्षित बाहर निकल आए। अब अगली रेस कनाडियन ग्रां प्री होगी, जो 24 मई को मान्ट्रियल के सर्किट गिल्स विलनेव में आयोजित की जाएगी।

## सनराइजर्स के खिलाफ मैच में चोटिल हुए वरुण

**हैदराबाद।** स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के अच्छे प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया हालांकि इस मैच में वरुण के चोटिल होने से टीम को करारा झटका भी लगा है। वरुण को गेंदबाजी करते समय पैर में चोट लग गई। इस घटना के बाद से उनका आगे के सत्र में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। वहीं वरुण ने उम्मीद जतायी है कि वह कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएंगे। वरुण मैच में पहली पारी के 12वें ओवर की पहली ही गेंद पर चोटिल हो गये। सनराइजर्स के बल्लेबाज ईशान के शाट को रोकने के प्रयास में वरुण को ये चोट लगी। वरुण ने पैर से बाउंड्री रोकने का प्रयास किया और इस दौरान गेंद उनके पैर में लग गयी हालांकि इसके बाद भी वह मैदान पर ही रहे। वरुण ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 36 रन पर 3 विकेट लिये।

# ज्वेरेव को हराकर सिनर ने लगातार पांचवां मास्टर्स 1000 खिताब जीता; मैड्रिड ओपन अपने नाम किया

मैड्रिड

विश्व नंबर एक यानिक सिनर ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात देकर मुतुआ मैड्रिड ओपन में मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। 58 मिनट के एकतरफा मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी ने 6-1, 6-2 से जीत हासिल की, जिसके साथ उन्होंने एलीट स्तर पर अपनी शानदार लय को बरकरार रखा है। जीत के साथ, सिनर 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनकी हर तरह की सतह पर जबरदस्त पकड़ को दिखाता है।

सिनर ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने शुरुआत में ही ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और उन्हें कभी भी अपनी लय में आने का मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने चारों ब्रेक प्वाइंट्स को भुनाया, जबकि अपनी सर्विस पर उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उनकी पहली सर्विस की सटीकता

कमाल की थी, उन्होंने उन प्वाइंट्स में से 93 प्रतिशत जीते और बेसलाइन से सटीक नियंत्रण के साथ रैली को अपने पक्ष में किया। एटीपी ने सिनर के हवाले से कहा, मैंने मैच की शुरुआत बहुत अच्छी की और तुरंत ही उनकी सर्विस तोड़ दी। आज वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेल रहे थे, इसलिए मैंने आक्रामक होकर खेलने की कोशिश की। मैं जिस स्तर का खेल दिखा रहा हूं, उससे बहुत खुश हूं। इस तरह एक और खिताब जीतना अविश्वसनीय है। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह एक और शानदार टूर्नामेंट रहा है। मैड्रिड का यह खिताब सिनर का नौवां मास्टर्स 1000 खिताब है। यह उस शानदार दौर की पराकाष्ठा है, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में उनके रिटायर होने के बाद हुई थी। तब से, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो और अब मैड्रिड में खिताब जीते हैं। इस दौरान उन्होंने इन सभी टूर्नामेंट्स में मिलाकर सिर्फ कुछ ही सेट्स गंवाए हैं।

# गाबोरोन विश्व एथलेटिक्स रिले 2026: बुडापेस्ट और बीजिंग चैंपियनशिप के लिए टीमें तय

गाबोरोन

गाबोरोन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स रिले 2026 में रविवार को खेले गए मुकाबलों के बाद कई देशों की टीमों ने आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफिकेशन हासिल कर लिया। मिश्रित चार गुणा सौ मीटर और मिश्रित चार गुणा चार सौ मीटर रिले स्पर्धाओं के फाइनल के साथ ही बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप 2026 के लिए पहली टीमें तय हो गईं। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए उक्त जानकारी दी।

**बुडापेस्ट 2026 के लिए क्वालीफाई टीमें** – मिश्रित चार गुणा सौ मीटर रिले में कनाडा, जर्मनी, जमैका, नाइजीरिया, स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने शीर्ष छह में रहकर

क्वालीफिकेशन हासिल किया। वहीं मिश्रित चार गुणा चार सौ मीटर रिले में ग्रेट ब्रिटेन, इटली, जमैका, केन्या, स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने जगह बनाई। यह चैंपियनशिप 11 से 13 सितंबर के बीच बुडापेस्ट में आयोजित होगी।

**रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन** – मिश्रित चार गुणा सौ मीटर में जमैका ने 39.62 सेकंड का समय निकालते हुए अपना ही विश्व रिकार्ड बेहतर किया, जबकि कनाडा दूसरे स्थान पर रहा। मिश्रित चार गुणा चार सौ मीटर में संयुक्त राज्य अमेरिका ने 3:07.47 का समय निकालकर प्रतियोगिता रिकार्ड तोड़ दिया, जबकि जमैका ने राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

**बीजिंग 2027 के लिए भी तय हुए क्वालीफायर** – इस प्रतियोगिता के जरिए बीजिंग में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 के लिए कुल 72 टीमों ने सीधा क्वालीफिकेशन हासिल किया। शनिवार को 48 टीमों ने जगह बनाई थी, जबकि बाकी 24 टीमों का फैसला रविवार को हुआ।

**बोत्सवाना का ऐतिहासिक प्रदर्शन** – मेजबान देश बोत्सवाना ने पुरुष चार गुणा चार सौ मीटर रिले में शानदार जीत दर्ज कर सबसे यादगार पल दिया। टीम ने 2:54.47 का समय निकालकर न केवल प्रतियोगिता रिकार्ड तोड़ा, बल्कि इतिहास का तीसरा सबसे तेज समय भी दर्ज किया।

**अन्य प्रमुख नतीजे** – पुरुष चार गुणा सौ मीटरः संयुक्त राज्य अमेरिका ने 37.43 सेकंड के साथ जीत दर्ज की। महिला चार गुणा सौ मीटरः जमैका ने 42.00 सेकंड में स्वर्ण जीता। महिला चार गुणा चार सौ मीटरः नार्वे ने 3:20.96 के राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ चौंकाने वाली जीत हासिल की। अब शेष स्थान (मिश्रित रिले में दो-दो और अन्य रिले स्पर्धाओं में चार-चार) क्वालीफाइंग अवधि के अंत में विश्व रैंकिंग के आधार पर तय किए जाएंगे।

# तनाव के बीच ओपेक प्लस देशों ने जून के लिए तेल उत्पादन कोटा बढ़ाया

नई दिल्ली

**पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ओपेक प्लस देशों ने जून के लिए अपने तेल उत्पादन कोटे को बढ़ाने का फैसला किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सात ओपेक प्लस देशों ने कच्चे तेल के उत्पादन को अगले महीने के लिए 1.88 लाख बैरल प्रति दिन बढ़ाने पर सहमति जताई है।**

**होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण कुवैती निर्यात पूरी तरह से ठप**

यह वृद्धि सांकेतिक होगी, क्योंकि मौजूदा समय में अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हार्मुज स्ट्रेट बंद है। भू-राजनीतिक संकट और यूएई के समूह से अलग होने के बावजूद यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि होगी। यूएई के अलग होने के बाद ओपेक प्लस में ईरान समेत अब 21 सदस्य रह गए हैं।

हालांकि, मासिक उत्पादन निर्णयों में केवल सात देशों की ही भागीदारी रही है। नाकाबंदी के कारण ईरान के निर्यात में भारी गिरावट देखी जा रही है। मार्च में सभी ओपेक प्लस सदस्यों का औसत कच्चा तेल उत्पादन 35.06 मिलियन बैरल प्रति दिन रहा, जो फरवरी से 7.70 मिलियन बैरल प्रति दिन कम है। पिछले सप्ताह यूएई ने ओपेक और ओपेक प्लस कार्टेल से अलग होने का ऐलान किया था, जिसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल निर्यातक देशों के समूह के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

यूएई ने कहा कि यह फैसला उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि और विकसित हो रही ऊर्जा प्रोफाइल को दर्शाता है। यूएई के बाहर निकलने से तेल कार्टेल के कमजोर होने की आशंका है, ऐसे समय में जब ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के कारण फारस की खाड़ी के देशों के निर्यात को भारी नुकसान हुआ है। ओपेक के तेल निर्यात में यूएई की हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी है।

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक कुवैत ने अप्रैल में कच्चे तेल का शून्य बैरल निर्यात किया, जो 1991 में इराक के कब्जे के बाद से पहली बार हुआ है। यह स्थिति होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण पैदा हुई है। कुवैत पेट्रोलियम कार्प ने फोर्स मेज्योर घोषित किया, जिससे करीब 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन का उत्पादन प्रभावित हुआ। इस नाकाबंदी के कारण कुवैती निर्यात पूरी तरह से ठप हो गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### मारुति सुजुकी ने दर्ज की कुल बिक्री में रिकार्ड वृद्धि

**नई दिल्ली।** अप्रैल 2026 में प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मारुति सुजुकी ने कुल बिक्री में रिकार्ड वृद्धि दर्ज की। हुंडई मोटर इंडिया की एक खास गाड़ी ने भी ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। मारुति सुजुकी ने अप्रैल 2026 में कुल 2,39,646 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने हुई बिक्री से 33.29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने घरेलू बाजार में भी 1,91,122 वाहनों की बिक्री के साथ एक नया रिकार्ड बनाया। इस वृद्धि में छोटे वाहनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी बिक्री में 153 प्रतिशत की बड़ी उछाल देखी गई, जिससे यह धारणा बदल गई कि इस सेगमेंट की मांग घट रही है। मध्यम और उपयोगी वाहनों की श्रेणियों में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई, जबकि निर्यात के क्षेत्र में भी कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई। दूसरी ओर, हुंडई मोटर इंडिया ने अप्रैल 2026 में 51,902 वाहनों की घरेलू बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने 13,708 वाहनों का निर्यात भी किया। इस महीने हुंडई की वेन्यू गाड़ी सबसे ज्यादा चर्चा में रही, जिसकी 12,420 इकाइयों की बिक्री हुई, जो इसका अब तक का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। मजबूत बनावट, आधुनिक सुविधाएं और उच्च सुरक्षा मानकों के कारण वेन्यू युवा और पारिवारिक दोनों वर्गों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस सफलता के पीछे नए और अद्यतन माडलों की भूमिका रही है, जिससे ग्राहक अब केवल कीमत नहीं बल्कि सुरक्षा, सुविधा और आकर्षक डिजाइन पर भी ध्यान दे रहे हैं।

### महिंद्रा की अप्रैल में बिकी 56,000 से अधिक कारें, बनाया रिकार्ड

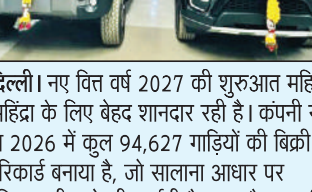

**नई दिल्ली।** नए वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए बेहद शानदार रही है। कंपनी ने अप्रैल 2026 में कुल 94,627 गाड़ियों की बिक्री का नया रिकार्ड बनाया है, जो सालाना आधार पर 14प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इस दौरान, महिंद्रा ने 56,000 से अधिक एसयूवी कारों की बिक्री की, जिससे स्पष्ट होता है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा इस देसी ब्रांड पर लगातार मजबूत हो रहा है। महिंद्रा की इस धमाकेदार ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उसके यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पोर्टफोलियो का रहा है। कंपनी ने घरेलू मार्केट में अप्रैल 2026 के दौरान कुल 56,331 एसयूवी कारों की बिक्री की, जो पिछले महीने सालाना आधार पर 8प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी है। यदि इसमें निर्यात को भी जोड़ दिया जाए, तो यह आंकड़ा बढ़कर 57,833 यूनिट्स तक पहुंच जाता है। ग्राहकों के बीच महिंद्रा के नए माडल्स और उनके हाईटेक फीचर्स को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। सिर्फ पैसेंजर कार ही नहीं, बल्कि कमर्शियल गाड़ियों (सीवी) के मामले में भी महिंद्रा ने अप्रैल में अच्छी रफ्तार पकड़ी है। कंपनी ने घरेलू मार्केट में कुल 23,427 कमर्शियल वाहनों की बिक्री की। महिंद्रा के आटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोलागुंटा ने इस प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि कंपनी ने नए वित्त वर्ष की शुरुआत एक पाजिटिव नोट के साथ की है।

### कई महीनों चल रहा टाटा सिएरा का वेटिंग पीरियड

**नई दिल्ली।** नब्बे के दशक की आइकानिक कार टाटा सिएरा लान्च होते ही बिक्री के मामले में टाटा की हैरियर और सफारी जैसी गाड़ियों को कड़ी टक्कर दे रही है। इस कार का वेटिंग पीरियड भी कई महीनों तक पहुंच गया है। अगर आप भी इस लेजेंडरी एसयूवी को अपने घर लाने की सोच रहे हैं, तो इसकी 5 प्रमुख विशेषताओं को जानना आपके लिए बेहद जरूरी है। नई टाटा सिएरा में सबसे खास इसका नया इंजन आप्शन है। यह कार नए 1.5-लीटर जीडीआई टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 158बीएचपी की शानदार पावर और 255 एनएम का टार्क जनरेट करता है। अगर आप बहुत ज्यादा भाग-दौड़ नहीं करते, तो आपके लिए 1.5-लीटर का नेचुरली एस्पिरेटेड इंजन भी उपलब्ध है। सुरक्षा के मामले में, नई टाटा सिएरा को भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है, जिसमें 6 एयरबैग्स, आल-व्हील डिस्क ब्रेक

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### पोरिबर्तन...

हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में सरकार ने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और घुसपैठ के मुद्दे पर निर्णायक काम किया था, जिसके सामने कांग्रेस पूरी तरह पिछड़ गई और उसके प्रमुख नेता गौरव गोगोई को भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान सहयोगी दलों के साथ संतुलन बनाए रखा, जिसका लाभ मिला। पुडुचेरी में भी राजग ने अपना प्रदर्शन दोहराते हुए सत्ता बरकरार रखी।

विभिन्न राज्यों में हार के प्रमुख कारण

बंगाल में टीएमसी की हार के प्रमुख कारण तीन बार की सत्ता विरोधी लहर, तृणमूल के प्रति व्यापक जन-आक्रोश-भ्रष्टाचार, और ध्रुवीकरण व चुनावी हिंसा के आरोपों से नकारात्मक माहौल रहा। तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन की हार के कारण डीएमके के शीर्ष नेताओं का सनातन विरोधी अनर्गल प्रलाप और विजय की आक्रामक राजनीति से एंटी-इन्कम्बेंसी वोट बंटा। केरल में एलडीएफ-वाम मोर्चा की हार के कारण एलडीएफ के लगातार दो कार्यकाल के बाद तीव्र एंटी-इन्कम्बेंसी और कांग्रेस-नीत यूडीएफ की बेहतर एकजुटता और रणनीतिक वोटिंग रही। असम में कांग्रेस की हार के कारण भाजपा की मजबूत गठबंधन रणनीति और घुसपैठ, विकास मुद्दे, कांग्रेस नेतृत्व का संगठनात्मक बिखराव और कई नेताओं के दल छोड़ने जैसे कारण रहे। पुडुचेरी में कांग्रेस गठबंधन की हार के पीछे एनडीए का बेहतर चुनावी समन्वय और मजबूत रणनीति, तथा विपक्षी गठबंधन में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व में अस्थिरता प्रमुख कारण रहे।

### बहुमत से दूर...

लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब भी यही बना हुआ है कि क्या विजय उन द्रविड़ पार्टियों के साथ हाथ मिलाएंगे, जिनके खिलाफ उन्होंने चुनाव प्रचार किया था, या कोई विकल्प अपनाएंगे?

**विजय के सामने 4 विकल्प**

पहला विकल्प: विजय एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने का विकल्प चुन सकते हैं। एआईएडीएमके ने पहले भी टीवीके को चुनाव से पहले गठबंधन के लिए मनाने की कोशिश की थी। हालांकि, टीवीके की मांग के कारण बातचीत टूट गई थी कि उसे राज्य की 234 सीटों में से आधे से ज्यादा सीटें मिलें और विजय को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। एआईएडीएमके अपनी किस्मत चमकाने के लिए टीवीके से हाथ मिलाने को तैयार हो सकती है। एआईएडीएमके की प्रवक्ता अप्सरा रेड्डी ने कहा, मैं यहां अपनी बात जोर देकर कह रही हूं कि यदि कोई प्रस्ताव आता है, तो मुझे नहीं लगता कि पार्टी उस गठबंधन से मना करेगी। लेकिन विजय के डीएमके के साथ हाथ मिलाने की संभावना कम ही है, क्योंकि उन्होंने स्टालिन के नेतृत्व वाली पार्टी पर तीखे हमले किए थे। विजय ने कहा था कि जहां डीएमके, टीवीके की राजनीतिक दुश्मन है, वहीं बीजेपी उसकी वैचारिक दुश्मन है। उन्होंने यहां तक आरोप लगाया था कि डीएमके और बीजेपी के बीच साठगांठ है।

दूसरा विकल्प: विजय ने बीजेपी को अपनी वैचारिक दुश्मन बताया था। इसलिए, यदि टीवीके गठबंधन करने के लिए एआईएडीएमके से बीजेपी का साथ छोड़ने की मांग कर सकती है। हालांकि, यह एक बहुत बड़ी मांग होगी, क्योंकि बीजेपी ने ही बिखरी हुई एआईएडीएमके पार्टियों को एक साथ लाने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की थी। बीजेपी के साथ जाने में विजय की हिचकिचाहट की एक बड़ी वजह दूसरी भी है। पिछले साल करूर में हुई भगदड़ की घटना के बाद में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद बीजेपी ने विजय पर जोरदार हमले किए थे। इसके अलावा, उनकी अभी तक रिलीज न हुई फिल्म जन नायकन को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट लेने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पिछले महीने फिल्म लीक होने से लगभग 70 करोड़ रुपए का नुकसान भी हुआ था।

तीसरा विकल्प: यदि विजय डीएमके और एआईएडीएमके के साथ गठबंधन नहीं करते हैं, तो ऐसी स्थिति में छोटे दलों जैसे पीएमके, डीएमडीके, वीसीके और एएमएमके के साथ बातचीत शुरू कर सकते हैं। इससे उन्हें स्वतंत्र पहचान और नियंत्रण मिलेगा। ताजा रूझानों में देखें तो पीएमके के पास 5 सीट, डीएमडीके, आईयूएमएल और वीसीके जैसे दलों के पास 2-2 सीटें हैं। इनको लेकर विजय सरकार बना सकते हैं। चौथा विकल्प: विजय कांग्रेस के बाहरी समर्थन से सरकार बना सकते हैं। कांग्रेस पहले ही समर्थन की बात कह चुकी है, जैसा उसने पिछली डीएमके सरकार में भी किया था।

### भय पर भरोसे ...

इस दौरान असम की जीत का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि असम के टी-गार्डन वाले शहरों में भी भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन मिला है। असम अब अपने विकास की रफ्तार और बढ़ाएगा। साल 2021 में हमने पुडुचेरी की जनता के सामने पुदुचेरी का विजन रखा था। पुडुचेरी की जनता ने हमें अपना आशीर्वाद दिया था। पुडुचेरी की जनता ने इस विजन को पूरा करने के लिए हम पर एक बार फिर अपना भरोसा कायम किया है। मैं पुडुचेरी के युवाओं, मछुआरों को भरोसा देना चाहता हूं कि एनडीए की सरकार आपके लिए काम करती रहेगी।

पीएम ने बताया कि आज देश के 20 से ज्यादा राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है नागरिक देवो भवः। हम जनता की सेवा में जुटे हुए हैं। इसलिए जनता भाजपा पर ज्यादा से ज्यादा भरोसा कर रही है। जनता साफ देख रही है कि जहां भाजपा, वहां गुड गवर्नेंस। जहां भाजपा, वहां विकास। आप बीते दो साल के ट्रेंड को देखिए। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनी। महाराष्ट्र में जबरदस्त जीत मिली। दिल्ली में अभूतपूर्व जीत मिली। बिहार में भी हमें बड़ी जीत हासिल हुई। यह जीत सिर्फ राज्यों में ही नहीं लोकल गवर्नेंस में भी दिख रही है। गुजरात में इस बार भाजपा को स्थानीय चुनाव में सबसे बड़ा वोट शेयर मिला है। ये भाजपा की गुड गवर्नेंस का सबसे बड़ा उदाहरण है।

**श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि**

आज भाजपा कार्यकर्ता के रूप में मेरे मन में एक और बात आ रही है। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को कितनी शांति मिली होगी। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना करके प्रत्येक कार्यकर्ता को संदेश दिया था कि देश के लिए जीना है और देश के लिए मरना है। उन्होंने अपने जीवन से साबित किया कि राष्ट्र सर्वोपरि का मंत्र लेकर चलने वाले अपना जीवन देने में एक पल का भी संकोच नहीं करते। डॉ. मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए एक बड़ी लड़ाई लड़ी। उन्होंने जिस समृद्ध बंगाल का सपना देखा था, वह सपना कई दशकों से पूरा होने का इंतजार कर रहा था। आज 4 मई 2026 को बंगाल की जनता ने हम भाजपा कार्यकर्ताओं को अवसर दिया है। साथियों, बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया है। आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है। विकास के भरोसे से युक्त हुआ है। बांग्लाए पोरिबोर्तन होए गए छे। इस जीत के साथ-साथ वंदे मातरम के 150वें वर्ष में भारत माता को और उसी बंकिम जी को बंगाल के लोगों ने अपना सादर नमन प्रेषित किया है। श्री अरबिंदो को भी मतदाताओं ने ऐतिहासिक श्रद्धांजलि दी है। बंगाल में हमारे कितने भी कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन इस जीत के लिए समर्पित किया है। भाजपा की कितनी महिला कार्यकर्ताओं को तमाम अत्याचार सहने पड़े। केरल में और बंगाल में भाजपा के हर कार्यकर्ता को कितनी मुसीबतें झेलनी पड़ीं। उन पर कितने जुल्म हुए हैं, कितने अत्याचार हुए हैं। मैं आज बंगाल में भाजपा की सफलता का श्रेय ऐसे सभी कार्यकर्ताओं को और उनके परिवारों को देता हूं। मैं यह जीत बंगाल की जनता को समर्पित करता हूं।

**घुसपैठ के खिलाफ सख्ती, शांतिपूर्ण चुनाव और विकसित भारत का संकल्प**

4 मई की यह शाम भले ही ढल रही हो, लेकिन बंगाल की पावन धरा पर आज एक नया सूर्योदय हुआ है। एक ऐसा सवेरा, जिसका इंतजार पीढ़ियों ने किया है। भाजपा ने जितनी सीटें जीतीं वह महज एक चुनावी आंकड़ा नहीं है। ये उस अडिग विश्वास की हुंकार है, जिसने डर, तुष्टिकरण और हिंसा की राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका है। साथियों, आज से बंगाल के भविष्य की एक ऐसी यात्रा शुरू हो रही है, जहां विकास, अटूट विश्वास और नई उम्मीदें कदम से कदम मिलाकर चलेंगी। मैं आज हर बंगाल वासी को भरोसा देता हूं कि बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। बंगाल में अब महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिलेगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा। पलायन रुकेगा। पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान भारत योजना को हरी झंडी दिखाई जाएगी और घुसपैठियों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

इस महाविजय की दहलीज पर खड़े होकर हम गुरुदेव टैगोर को भी याद कर रहे हैं। बंगाल के ये चुनाव एक और वजह से बहुत खास रहे हैं। आप याद कीजिए बंगाल चुनाव के समय कैसी खबरें आती थीं। हिंसा, डर और निर्दोष लोगों की मौतें, लेकिन इस बार पूरे देश ने एक नई खबर सुनी। बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। पहली बार ऐसा हुआ कि चुनावी हिंसा में एक भी निर्दोष नागरिक की जान नहीं गई। लोकतंत्र के इस महापर्व में बंदूक की आवाज के ऊपर भी जनता की आवाज गूंजी। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है।

आज जब बंगाल ने परिवर्तन के नए दौर में प्रवेश किया है, तो मैं बंगाल के हर राजनीतिक दल से एक आग्रह भी करना चाहता हूं। बंगाल में बीते दशकों में राजनीतिक हिंसा की वजह से न जाने कितनी जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं। मेरा मानना है कि आज से बंगाल की चुनावी जो आदतें फैली हुई हैं, उसमें बदलाव आना चाहिए। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइये हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया, किसे नहीं दिया, उससे ऊपर उठकर बंगाल की सेवा के लिए काम करें।

इन राज्यों में चुनाव और उसके नतीजों की राजनीतिक विशेषज्ञ अपने तरीके से समीक्षा कर रहे हैं। लेकिन इन नतीजों की एक और अहम बात है, इनकी टाइमिंग। आप देख रहे हैं कि जब इन राज्यों में जनता वोट डाल रही थी, तो इसी दौरान विश्व में क्या कुछ नहीं हुआ। जगह-जगह युद्ध के सायरन बज रहे थे। अस्थिरता और अराजकता का माहौल रहा। उस दौरान भारत का जन-जन स्थिरता के लिए वोट दे रहा था। आज पश्चिम एशिया में चल रहे संकट का देश पर पूरा असर पड़ा है। लेकिन भारत पूरे सामर्थ्य से इस संकट का सामना कर रहा है।

इस चुनाव ने दिखाया है कि भारत इस चुनौती में भी एकजुट है, एकमत है और एक लक्ष्य से संकल्पित है। वह लक्ष्य है- विकसित भारत। यह लक्ष्य लेकर हम निकले हैं।

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी में पूर्वोदय का बड़ा महत्व है। जब भारत समृद्ध था, तब आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक स्तर पर स्थिर था। तब उसके तीन स्तंभ थे- अंग यानी आज का बिहार, बंग यानी आज का बंगाल और कलिंग यानी आज का ओडिशा। कलिंग उस वक्त हिंद महासागर के व्यापार का एकछत्र सम्राट था। कलिंग के बंदरगाह पूरे एशिया में भारत के उत्पाद को पहुंचाते थे। बंग वह सांस्कृतिक धरती थी, जहां से भारत की आत्मा की आवाज उठती थी।

गुलामी के कालखंड में जैसे-जैसे समृद्ध भारत के मजबूत स्तंभ कमजोर हुए, भारत का सामर्थ्य भी क्षीण होता गया। इसलिए विकसित भारत के निर्माण के लिए इन तीनों स्तंभों का फिर मजबूत होना आवश्यक है। मुझे गर्व है कि अंग, बंग और कलिंग ने इस महाभियान के लिए भाजपा को चुन लिया है। एनडीए पर भरोसा किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान पार्टी में उत्साह का माहौल देखने को मिला। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी पार्टी 207 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जो बहुमत के आंकड़े से काफी आगे है। असम में मिली प्रचंड जीत और बंगाल में मजबूत बढ़त के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। मुख्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच जश्न का माहौल देखा गया। पीएम मोदी के भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचने से पहले उत्साह का माहौल देखने को मिला। असम और पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रदर्शन को लेकर कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की। मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ जश्न मनाया। असम और बंगाल से आए शुरुआती रुझानों ने कार्यकर्ताओं का उत्साह और बढ़ा दिया है।

### क्या थरूर...

हालांकि, कुछ बातें हैं जो शशि थरूर को इस रेस से बाहर कर सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि शशि थरूर कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को लेकर ऐसी बातें की हैं, जिसने कांग्रेस को असहज कर दिया। उन्होंने कई बार पीएम मोदी की खुलकर तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी थरूर ने कई बार पीएम मोदी और केंद्र सरकार की तारीफ की थी। लेकिन पिछले कुछ समय से शशि थरूर शांत रहे हैं।

लेकिन केरल के वोटर शशि थरूर को अपना मुख्यमंत्री नहीं देखना चाहते हैं। एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में सिर्फ 1 प्रतिशत वोटर्स ने ही शशि थरूर को मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहली पसंद बताया था। मुख्यमंत्री के लिए 21 प्रतिशत वोटर्स की पसंद वीडी सतीशन थे।

### शुभेंदु और ...

रूपा गांगुली अपनी लोकप्रियता और सामाजिक पहचान के कारण एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है।

शुभेंदु अधिकारी

ममता बनर्जी के पूर्व करीबी और नंदीग्राम से जायंट किलर के रूप में उभरे शुभेंदु अधिकारी को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उनकी संगठनात्मक पकड़ और जनाधार उन्हें आगे रखता है, हालांकि कुछ विवाद भी उनके रास्ते में बाधा बन सकते हैं।

दिलीप घोष

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को 2021 में भाजपा को मुख्य विपक्षी दल बनाने का श्रेय दिया जाता है। उनका अनुभव और संगठन पर पकड़ उन्हें एक प्रमुख विकल्प बनाती है।

समीक भट्टाचार्य:

प्रदेश अध्यक्ष समीक भट्टाचार्य को शांत और रणनीतिक नेतृत्व के लिए जाना जाता है। उन्होंने संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अग्निमित्रा पॉल

बेबाक छवि और सक्रिय राजनीति के कारण अग्निमित्रा पॉल का नाम भी प्रमुखता से लिया जा रहा है, खासकर यदि पार्टी महिला मुख्यमंत्री चुनती है।

रूपा गांगुली

पूर्व राज्यसभा सांसद और लोकप्रिय चेहरा रूपा गांगुली ने महिला मोर्चा के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्य किया है, जिससे उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

निशिथ प्रामाणिक

युवा नेता निशिथ प्रामाणिक का नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल है।

अंतिम निर्णय पर सबकी नजर

अब सबकी नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व के अंतिम फैसले पर टिकी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा बंगाल में किस चेहरे पर भरोसा जताती है, जो न केवल राजनीतिक रूप से मजबूत हो, बल्कि राज्य में दीर्घकालिक स्थिरता और विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके।

## भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी की जीत, ममता बनर्जी पर तीखा हमला

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा की प्रचंड जीत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें 15,114 वोटों से पराजित किया शुभेंदु अधिकारी ने लगातार दूसरी बार ममता बनर्जी को चुनाव में मात दी है। इससे पहले वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी ममता बनर्जी को हराया था। जीत के बाद शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी को हराना बेहद जरूरी था और यह उनके राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने दावा किया कि यह परिणाम बंगाल की जनता के जनादेश का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विभिन्न समुदायोंहिंदू, सिख, जैन, बौद्ध सहित अन्य वर्गोंका समर्थन प्राप्त हुआ, जिसके चलते उन्हें यह जीत मिली।

शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि मतगणना के दौरान शुरुआती राउंड में पीछे रहने के बाद उन्होंने बढ़त बनाई और 15वें राउंड के बाद आगे निकल गए। इसके बाद परिणाम उनके पक्ष में मजबूत होते गए।

**भवानीपुर सीट का राजनीतिक महत्व**

भवानीपुर सीट ममता बनर्जी का पारंपरिक गढ़ मानी जाती रही है। वर्ष 2021 में उन्होंने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने के बाद यहां उपचुनाव जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की थी। इससे पहले भी वे दक्षिण कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से कई बार सांसद रह चुकी हैं। इस चुनाव परिणाम को राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा की जीत और भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरण को नई दिशा दी है।

**बंगाल में 79 साल बाद बदली सियासत की धारा: श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि पर भाजपा का ऐतिहासिक उदय**

बंगाल की राजनीति में सोमवार एक नए सूर्योदय का साक्षी पूरा देश बना है। दो दशकों के कांग्रेसी तथा 34 वर्षों के वामपंथी शासन के बाद 15 वर्षों के तृणमूल कांग्रेस के वर्चस्व को उखाड़ फेंकते हुए भाजपा ने बंगाल के राजनीतिक भूगोल को पूरी तरह बदल दिया है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस विचारधारा की घर-वापसी है, जिसकी नींव डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखी थी। उत्तर बंगाल की पहाड़ियों से लेकर सुंदरबन के मुहानों तक और जंगलमहल की पगडंडियों से लेकर कोलकाता की गलियों तक, जनता ने ममता बनर्जी के अस्मिता और एसआईआर वाला कार्ड को नकारते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भरोसे पर मुहर लगा दी है।

पिछले एक दशक से बंगाल की राजनीति बाहरी बनाम भीतरी और बंगाली अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। ममता ने इस चुनाव में भी मछली, मांस और क्षेत्रीय गौरव के भावनात्मक मुद्दों को हवा दी, लेकिन धरातल पर जनता के मुद्दे कुछ और ही थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी फर्जी और अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने की प्रक्रिया को ममता नेतृत्व वाली तृणमूल ने एक बड़ा राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की थी। आरोप लगाया कि यह बंगाली भाषियों के खिलाफ एक साजिश है, लेकिन चुनावी नतीजों ने साफ कर दिया कि यह जनता के लिए मुद्दा था ही नहीं। मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में, जहां सबसे अधिक नाम एसआईआर में कटे थे, वहां भाजपा की भारी बढ़त ने यह साबित कर दिया कि लोग अब पारदर्शी लोकतंत्र चाहते हैं, न कि वोट बैंक की राजनीति। कलिम्पोंग जहां सबसे कम मतदाता हटे वहां भी और जहां सर्वाधिक (मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, मालदा) कटे वहां भी वोटरों ने भाजपा की झोली दोनों हाथों से भर दी। रात आठ बजे तक मुर्शिदाबाद में रूझानों/नतीजों में आठ सीटों पर भाजपा आगे थी। इस जिले के बेलडांगा, बहरमपुर जैसी सीटें भाजपा ने जीती हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345



शुभ लाभ आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

### राजस्थानी स्नातक संघ का प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह

# आरजीए यूथ कॉन्क्लेव 7 को

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

नगर की सुप्रसिद्ध और प्राचीन संस्था राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा गत कई वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं समाज के बंधुओं का सम्मान किया जाता रहा है। इस अवसर पर प्रति वर्ष वरिष्ठ राजस्थानी शिक्षकों का भी सम्मान किया जाता है। संस्था के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 7 अप्रैल, रविवार को प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही आरजीए 'युवा साथी' द्वारा यूथ कॉन्क्लेव कार्यक्रम भी उसी दिन आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वाद-विवाद, सामूहिक चर्चा, संगीत, स्टैंडअप कॉमेडी, गायन, व्यक्तित्व विकास आदि शामिल हैं। इन विधाओं के विशेषज्ञ युवा कलाकारों को आमंत्रित कर कार्यक्रम को रोचक एवं प्रेरणादायक बनाया जाएगा। इन दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए आयोजन के लिए स्थल चयन हेतु आरजीए अध्यक्ष मनोज गोयल, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, प्रतिभा विकास समिति के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय, आरजीए युवा साथी श्री नारायण तोषनीवाल एवं अनिरुद्ध लाहोटी ने नगर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया। प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय ने बताया कि इस वर्ष कुछ नए क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा बंधुओं को भी सम्मानित किया जाएगा। राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने बताया कि आरजीए युवा साथियों द्वारा आयोजित यह प्रथम एवं नवीन प्रकार का कार्यक्रम है।

आरजीए युवा साथी अनिरुद्ध लाहोटी एवं श्री नारायण तोषनीवाल ने कहा कि यह उनके लिए एक नया अनुभव है और वे इस कार्यक्रम को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। उन्होंने इस आयोजन की जिम्मेदारी देने के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम संस्था से युवाओं को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा और समाज में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

# बंडारू दत्तात्रेय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की शिष्टाचार भेंट

**मुंबई, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान दत्तात्रेय ने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दर्ज की गई शानदार जीत पर फडणवीस को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान चर्चा करते हुए श्री दत्तात्रेय ने कहा कि ये चुनावी परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि देशभर की जनता ने विकास, नैतिक एवं पारदर्शी शासन और सुधारों की राजनीति पर अपना अटूट विश्वास जताया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पार्टी पूरे देश में और अधिक मजबूती के साथ उभर रही है। इस सौहार्दपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने कई समसामयिक राजनीतिक मुद्दों और राज्यों के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। यह मुलाकात पूरी तरह से सकारात्मक और मैत्रीपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

# गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के निमंत्रण पत्र का विमोचन, विभिन्न समितियों का गठन

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर 28 मई से 3 जून तक नुमाइश मैदान में 'श्रीमद् भागवत कथा' का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन गो-वत्स श्री राधाकृष्ण महाराज के मुखारविंद से होगा।

श्रीमद् भागवत कथा के संदर्भ में रविवार 3 मई को सायं 6 बजे से श्री समर्थ कामधेनु गोशाला, जियागुडा में कार्यकर्ताओं एवं यजमान परिवारों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में भाग्यनगर में गोसेवा से जोड़ने हेतु इस कथा का आयोजन किया जा रहा है।

कथा के सुचारु संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। 'साज-सज्जा समिति' में रमेश लखोटिया एवं गोपाल सारडा, 'ऑफिस कमेटी' में बालाप्रसाद लड्डा, घनश्यामदास बजाज, राजगोपाल जाजू, रामप्रसाद शर्मा, त्रियोगीनारायण राठी, सज्जनलाल भाटी, 'स्टेज कमेटी' में रमेश लखोटिया, सीए मुरलीमनोहर पलोड व गोपाल सारडा तथा 'भोजन समिति' में बद्रीविशाल लोया, रमेशचंद्र काबरा, प्रकाशचंद्र लड्डा, माहेश्वरी समाज दिलसुखनगर, श्री रामदेव अष्टकोणी मंदिर समिति ईसामियां बाजार एवं हैप्पी कपल्स ग्रुप को जिम्मेदारी दी गई।

**प्रचार, सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान**

प्रचार समिति में सीए मुरलीमनोहर पलोड, जसमतभाई पटेल, ओमप्रकाश अग्रवाल, बद्रीविशाल लोया, घनश्यामदास राठी, गोपाल सारडा, कैलाश व्यास, बालाप्रसाद लड्डा, श्रीनिवास मोदाणी, विट्ठल काबरा, राजेश करवा (अत्तापुर), राधाकिशन भूतड़ा, देवेन्द्र झंवर, पवन भराडिया, राजेश काबरा, नरसिंगदास तोषनीवाल, महेन्द्र बजाज, सम्पत तोषनीवाल आदि को शामिल किया गया।

साउंड सिस्टम समिति में राधेश्याम साउंड (जोधपुर) को जिम्मेदारी दी गई। पूजन एवं शोभायात्रा समिति के संयोजक जगदीश लोया, आशीष भाटी, श्रीनिवास दरक, गोपाल सारडा, दिनेश देवड़ा एवं प्रकाशचंद्र तापडिया बनाए गए।

कथा स्थल पर डॉक्टर, व्हीलचेयर, सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था एवं एयर कूलर की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नित्य कथा समापन के पश्चात प्रसादी की व्यवस्था भी की जाएगी।

**युवाओं के लिए विशेष संवादात्मक सत्र**

युवाओं के लिए 'कैसे अपने जीवन को सुंदर, सार्थक एवं सफल बनाए' विषय पर विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किया जाएगा।

इसके लिए सीए महेश कुमार पलोड, सीए नारायण लोया, सीए अजय मूंदड़ा, एडवोकेट राहुल भाटी, आशीष भाटी, जगदीश लोया, श्रीनिवास दरक, एडवोकेट सिद्धार्थ गिलडा एवं तनमय सारडा को संयोजक एवं सह-संयोजक बनाया गया है। फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का दायित्व कमल शर्मा को सौंपा गया।

**निमंत्रण पत्र का हुआ विमोचन**

श्रीमद् भागवत कथा के निमंत्रण पत्रों का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड, मंत्री बद्रीविशाल लोया, श्री गोवत्स फाउण्डेशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, घनश्यामदास बजाज, प्रकाशचंद्र लड्डा, लक्ष्मीकांत चांडक, गोपालदास सारडा, दिनेश देवड़ा, भगवानदास कांकाणी, श्रीनिवास मोदाणी, सज्जनलाल भाटी, रामप्रसाद शर्मा, अनिल सिंघानिया, राजगोपाल जाजू, प्रकाशचंद्र तापडिया, मिश्रीलाल जोशी, रामवल्लभ भाटी 'मामाजी' सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

निमंत्रण पत्र का विमोचन माताओं एवं बहनों द्वारा भी किया गया, जिनमें प्रेमलता अग्रवाल, नैना देवी भाटी, अंबिका अग्रवाल, भारती पलोड, रमादेवी राठी, विद्या सारडा, दिव्या पलोड, सुषमा कांकाणी, राधिका व्यास, वनमाला तापडिया, शोभा सारडा आदि शामिल रहीं।

**गोसेवा से जुड़ने का आह्वान**

बैठक का शुभारंभ गोमाता के पूजन से किया गया। अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड ने सभी कार्यकर्ताओं एवं यजमान परिवारों का स्वागत करते हुए अपील की कि अधिक से अधिक लोगों को कथा एवं गोसेवा से जोड़ा जाए।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गोवत्स फाउण्डेशन एवं श्री गोवत्स फाउण्डेशन को लगभग 1 करोड़ 67 लाख रुपये की राशि गोसेवा के लिए प्राप्त हुई तथा कार्पस फंड में 35 लाख से अधिक की राशि संचित हुई। पिछले तीन वर्षों में लगभग 4.5 करोड़ रुपये की गोसेवा की गई है।

**वृहद सहभागिता के साथ बैठक सम्पन्न**

बैठक में ओमप्रकाश अग्रवाल ने सभी से गोसेवा से जुड़ने और कथा को सफल बनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर घनश्यामदास राठी, ओमप्रकाश अग्रवाल, बद्रीविशाल लोया, जगदीश लोया, अजय तोषणीवाल, श्याम बंग, सीए मुरलीमनोहर पलोड, भगवानदास कांकाणी, मिश्रीलाल जोशी, कमल काबरा, कमलनारायण बजाज, नरसिंगदास मूंदड़ा, सज्जनलाल भाटी, ब्रिजगोपाल व्यास, पवन कुमार भराडिया, विजयनंदन काबरा, पुरुषोत्तम तोतला, अरुण बजाज, ओमप्रकाश राठी, रामप्रसाद शर्मा, वल्लभ राठी, घनश्याम तिवारी, प्रकाशचंद्र तापडिया, नरेशचंद्र नागला, दिनेश देवड़ा, निकेश असावा, अभिषेक देवड़ा, लोकेश कुमार पलोड, यश पलोड, श्रीनिवास दरक, राहुल दरक, राधेश्याम नवाल, लक्ष्मीकांत चांडक, सुनील हेडा, महेश सारडा, प्रकाशचंद्र लड्डा, प्रहलाद न्याती, राहुल भाटी, नवरत्न सारडा, विकास मूंदड़ा, रमेश कुमार लड्डा, गोविंद बजाज, विद्या सारडा, रंजना देवड़ा, वनमाला तापडिया, सुषमा कांकाणी, भारती पलोड, प्रेमलता अग्रवाल, राधिका व्यास, अंबिका अग्रवाल, रमाकांत करवा, राजगोपाल जाजू, महेश राजपुरोहित, आनंद राजपुरोहित, तनमय सारडा, हनुमान सारडा, शोभा सारडा, प्रकाश मूंदड़ा, महेश कुमार पलोड, दिव्या पलोड, सागर भट्टड़, नितिन बजाज, सुरेश बियाणी, सुरेश गांधी, विकास अग्रवाल, अनिल इन्नाणी, प्रहलाद सारडा, जयप्रकाश धूत, श्यामसुंदर बंग, घनश्याम लोया, लक्ष्मीनारायण, बालाजी, हर्षिनी पलोड, ख्याति पलोड, ब्रिजमोहन बजाज आदि ने भाग लिया।

अंत में गोमाता के प्रसाद के साथ बैठक का समापन हुआ।

# अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा सदस्यता अभियान का द्वितीय चरण सफलतापूर्वक संपन्न

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज ज्ञान बाग कॉलोनी शाखा में सदस्यता अभियान (मेंबरशिप ड्राइव) का आयोजन किया गया। संगठन के विस्तार और मजबूती के उद्देश्य से चलाया गया यह श्रृंखला का दूसरा प्रयास था, जिसे समाज के लोगों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ।

इस अभियान की खास बात यह रही कि युवाओं एवं बच्चों ने इस कार्य को सफल बनाने के लिए अपना विशेष उत्साह और सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

घर-घर जाकर लोगों को समाज की गतिविधियों से जोड़ने के इस प्रयास की सभी ने सराहना की।

पदाधिकारियों के अनुसार, सदस्यता अभियान के इस दूसरे चरण की सफलता समाज की एकजुटता और जागरूकता को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में इसके और भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर बल दिया।

# समाज सेवा की मिसाल बना राधे-राधे ग्रुप का भव्य आयोजन : रेनू शर्मा

हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन सेवा, समर्पण और भक्ति का अद्भुत संगम बनकर सामने आया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं सेवा भावी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में श्रद्धा और सेवा भावना का विशेष उत्साह देखने को मिला। गौशाला परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में भाग लेते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेनू शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह कार्य वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में अधिक व्यस्त होते जा रहे हैं, ऐसे में इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में मानवता, सहयोग और संवेदनशीलता को बनाए रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भी इस सेवा भावना से जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं उपस्थित जनों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य करता रहेगा और समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंचाने का प्रयास जारी रखेगा।

# हम सबके सामूहिक प्रयास से ही सेवा का विस्तार : सतीश गुप्ता

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ किया गया। इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों को स्नेहपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह सेवा, संवेदना और आत्मीयता से सराबोर रहा। सेवा में जुटे प्रत्येक सदस्य के चेहरे पर संतोष और समर्पण की झलक दिखाई दे रही थी, वहीं भोजन प्राप्त करने वाले जरूरतमंदों के चेहरों पर संतुष्टि और कृतज्ञता स्पष्ट झलक रही थी। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि सच्ची सेवा वही है, जो बिना किसी अपेक्षा के, निस्वार्थ भाव से की जाए।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता ने भावुक शब्दों में कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण का जीवंत परिवार है। हम सभी का सहयोग, एकता और निरंतर प्रयास ही इस सेवा यात्रा की सबसे बड़ी ताकत है। जब हम मिलकर किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो वह केवल एक कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना बन जाती है। ईश्वर की असीम कृपा और आशीर्वाद से ही यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है और हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमें इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है।

कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने पूरे अनुशासन, समर्पण और उत्साह के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। भोजन वितरण के दौरान सेवा भाव, विनम्रता और अपनत्व का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने इस आयोजन को और भी विशेष और प्रेरणादायक बना दिया। उपस्थित प्रत्येक सदस्य के मन में केवल एक ही भावना थी 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है'।

इस सेवा कार्य में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, महेश अग्रवाल, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, सतीश गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल एवं जय प्रकाश सारडा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस पुनीत कार्य को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग की सहायता करते रहेंगे तथा सेवा, सहयोग और मानवता की इस ज्योति को सदैव प्रज्वलित रखेंगे।

# ज्ञानबाग कॉलोनी में हिंदू सम्मेलन आयोजित, एकजुटता पर दिया गया जोर

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
3 मई को ज्ञानबाग कॉलोनी में गोकुलचंद जी उपाध्याय की अध्यक्षता में एक हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता अच्युतानंद रामानुजाचार्य (अजय स्वामी) जी ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदू संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुश्री गायत्री लता जी और गरुड़ विजय कुमार जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन में लगभग 500 लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने हिंदू संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि हिंदुओं को संगठित रहना चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि अब जागरूक नहीं हुए तो आने वाला समय कठिन हो सकता है।

वक्ताओं ने सभी हिंदुओं से जागने और संगठित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज में एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण को अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यक्रम में गोकुलचंद जी उपाध्याय, हिंदू सम्मेलन समिति के अध्यक्ष का स्वागत नवीन कुमार द्वारा किया गया।

दिनेश बलदवा ने अच्युतानंद रामानुजाचार्य (अजय स्वामी) जी का स्वागत किया, जबकि गायत्री लता जी का स्वागत प्रीति अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा डोबा ने किया। आयोजन सुव्यवस्थित रहा और अंत में सभी उपस्थित जनों ने समाज की एकता एवं सांस्कृतिक जागरूकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

# जरूरतमंदों को नाश्ता एवं छाछ वितरण

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
महासती शील कंवर जी म.सा. के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में श्री सत्य नवयुवक मंडल, फिलखाना हैदराबाद की ओर से जरूरतमंदों को इडली, चाय एवं ठंडी छाछ का वितरण किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को नाश्ता उपलब्ध कराया गया। नाश्ता वितरण के लाभार्थी श्रीमती शांति देवी डुंगरमल जी मुणोत रहीं, जबकि ठंडी छाछ वितरण का लाभ जैन डेंटल केयर, सिकंदराबाद द्वारा लिया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष कनकराज विनायकिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र खारीवाल, मंत्री राजेश कवाड़, कोषाध्यक्ष अशोक विनायकिया, सह मंत्री राकेश पारख, सह कोषाध्यक्ष अमित बोहरा एवं प्रचार-प्रसार मंत्री विक्रम सिंहवी का विशेष योगदान रहा।

इस सेवा कार्य में सीए भूपेन्द्र भंडारी, सीए रणजीत भंसाली, डॉ. दिलीप बडेरा, सुखराज तातेड, अभय जैन, नवीन सोलंकी, प्रदीप बरमेचा, नरेंद्र धोका, दिलीप जैन सहित अन्य समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मंडल द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की स्थानीय लोगों ने सराहना की और इसे समाज के प्रति संवेदनशीलता एवं सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

# श्रीनिवास रेड्डी को द भारत प्रेस फ्रीडम अवार्ड

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रख्यात वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक तथा तेलंगाना राज्य मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्री के. श्रीनिवास रेड्डी को द भारत प्रेस फ्रीडम अवार्ड 2026 के लिए चयनित किया गया है। वे इस वर्ष राज्य से इस सम्मान के लिए चुने जाने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। यह पुरस्कार विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तेलंगाना मीडिया अकादमी के कार्यालय में आयोजित समारोह में शाल, स्मृति चिह्न, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र के साथ प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी तेलंगाना मेधावुला फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज तथा राज्य समन्वयक टीआईएफ डॉ. कटकम भास्कर गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

श्री के. श्रीनिवास रेड्डी उच्च शिक्षित होने के साथ-साथ अपने सटीक राजनीतिक विश्लेषणों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे सभी प्रमुख तेलुगु न्यूज़ चैनलों और दैनिक समाचार पत्रों में एक जाने-माने चेहरा हैं।

इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पत्रकारों की जिम्मेदारी, कल्याण और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने अपने लेखों, भाषणों और टीवी चैनलों के माध्यम से लंबे समय से जनजागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस सम्मान की घोषणा के बाद पत्रकारिता जगत में खुशी की लहर है। विभिन्न संगठनों और बुद्धिजीवियों ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया है।

# लाल सिंह के नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत का भव्य जश्न

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
गोशामहल डिवीजन (वर्ड संख्या-51) के पार्षद लाल सिंह के नेतृत्व में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का जोरदार जश्न मनाया।

इस अवसर पर गोशामहल डिवीजन के भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम जनता के बीच मिठाई और पश्चिम बंगाल का प्रसिद्ध व्यंजन 'झाल-मुड़ी' बांटकर अपनी खुशी जाहिर की।

इस विजय उत्सव में नगरसेवक लाल सिंह के साथ गोलकुंडा जिला मीडिया संयोजक नटराज नामधारी, वरिष्ठ नेता श्री कमल सिंह और श्री रमेश सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इनके अलावा विपिन रामावत, नरेश सिंह, उदय सिंह, गौरी श्रीकांत, महेश मायादरी, जयपाल सिंह, दीपक, अमरदीप, सुधाकर, रणवीर सिंह, अक्षय साहू, मंजीत, रविंदर सिंह, किशन, कैलाश, संतोष वर्मा, राजेंद्र सिंह, रमेश, रोहित जौहरी, कुशल चारी, नवनीत और अन्य कार्यकर्ताओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

# गौहितार्थ अनशन को मिला समर्थन

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
खैरताबाद स्थित मिंट कंपाउंड, श्री त्रिशक्ति हनुमान मंदिर प्रांगण में रविवार सुबह से गौहितार्थ आमरण अनशन पर बैठे युग तुलसी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष व टीटीडी के पूर्व बोर्ड सदस्य कोलिशेट्टी शिवकुमार को राष्ट्रीय वानरसेना के राष्ट्रीय गौरक्षा प्रमुख श्रीराम कुमार जोशी तथा श्रीदेवी कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष संगमेश्वर चारी ने अपना पूर्ण समर्थन प्रदान किया।

अनशन पर बैठे शिवकुमार ने अपनी प्रमुख मांगों में तेलंगाना राज्य में गोहत्या निषेध कानून के प्रभावी क्रियान्वयन तथा माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेशों (पीआईएल नं. 5/2023) के पालन की बात कही।

उन्होंने राज्य की सीमाओं पर मजबूत चेक पोस्ट स्थापित कर गायों के अवैध परिवहन को रोकने की मांग की।

साथ ही बकरीद के दौरान विशेष निगरानी रखने, अवैध बूचड़खानों को तत्काल बंद करने तथा यह सुनिश्चित करने की मांग की कि एक भी गाय अवैध वध का शिकार न हो।

इसके अलावा उन्होंने गौरक्षकों पर दर्ज कथित झूठे मामलों को बिना शर्त वापस लेने और कोर्ट के आदेशों के पालन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी रखी।

राष्ट्रीय वानरसेना के राष्ट्रीय गौरक्षा अध्यक्ष श्रीराम जोशी ने अनशन को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार से तत्काल प्रभाव से उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने की मांग की।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की कि गौ तस्करी एवं गौहत्या में संलिप्त लोगों के खिलाफ पीडी एक्ट जैसे कड़े कानूनों के तहत कार्रवाई की जाए।

श्रीदेवी कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष संगमेश्वर चारी ने भी इस आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय वानर-सेना के हैदराबाद जिला गौरक्षा कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, नागराज, कुप्पा श्रीनिवास प्रसाद, चंद्र स्वामी, पुरुषोत्तम गुप्ता एवं शांभव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंदिर से मा.सा. का विहार, चातुर्मास कोल्हापुर में होगा

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
रसूलपुरा स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में परम पूज्य भवरत्नाश्रीजी म.सा. के शिष्यरत्न परम पूज्य सुक्रतरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा003 की मंगलमयी छत्रछाया में धार्मिक कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुए। इस अवसर पर आगामी चातुर्मास कोल्हापुर में होने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में धार्मिकता एवं भक्ति का भाव देखने को मिला। जैन रत्न रमेश पी. तातेड की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मा.सा. कुछ समय तक हैदराबाद में विराजमान रहने के पश्चात कोल्हापुर की ओर प्रस्थान करेंगे।

संघाध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी एवं महामंत्री सुधीर आर. कोठारी सहित सभी ट्रस्टीगणों और भक्तों को मा.सा. ने मांगलिक सुनाया, वास्केप डाला तथा सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने मा.सा. के विहार को मंगलमय होने की कामना की। श्राविकाओं द्वारा मंगल गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। मा.सा. के आगामी चातुर्मास को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया।

कोल्हापुर में होने वाले चातुर्मास की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई और इसे धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया।

# सिखवाल प्रगति समाज द्वारा अतिथियों का सम्मान

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
ऋषि शृंग भवन में विभिन्न प्रांतों से पधारे सिखवाल समाज के पदाधिकारीगण एवं सेवा भाव व जनहित कार्यों में अग्रणी बंधुओं का सिखवाल प्रगति समाज द्वारा माला एवं शाल पहनाकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर इंदौर से पधारे रमेश कुमार उपाध्याय, अमरावती के ओमप्रकाश कोलरिया, नंदकिशोर शर्मा तथा सिद्दीपेट (तेलंगाना) के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद उपाध्याय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, जिनका विशेष रूप से सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह विशिष्ट उपाध्यक्ष रामदेव नागला के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

कार्यक्रम में मांगीलाल नागला, रमेशचंद्र उपाध्याय, श्रीनिवास व्यास, गोविंद उपाध्याय, ब्रिजगोपाल उपाध्याय, रामेश्वर कायत, किशोर उपाध्याय, राधेश्याम चतुरावत, श्यामसुंदर व्यास, विजय व्यास, राजेश व्यास, राधेश्याम व्यास, मंगलचंद नागला, विनोद व्यास (निम्बेड़ा), शुभम नागला, सुरेश कुमार बोतावत, श्रीनिवास नागला एवं श्याम ओझा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पधारे अतिथियों ने सिखवाल प्रगति समाज द्वारा किए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और समाज द्वारा किए जा रहे जनहित एवं सेवा कार्यों की सराहना की।

# भागवताचार्य पुण्डरीक गोस्वामी का भव्य स्वागत

**हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)।** विश्व प्रसिद्ध भागवताचार्य पुण्डरीक गोस्वामी जी के आगमन पर श्याम बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भागवताचार्य पुण्डरीक गोस्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, कथा आचार्य विशोक तिवारी, तरूणा तिवारी, विजय कुमार तोतला, गौ सेवक नीलेश मुंदड़ा, दीपक मिश्रा, प्रियांशु तिवारी, शुभांशु तिवारी, केशव मिश्रा, आनंद खूबचंद तोतला सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान कार्यक्रम

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान तेज प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज समाज सेवा का पर्याय बन चुका है। निस्वार्थ भाव से निरंतर की जा रही सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानव सेवा है और यही भावना ग्रुप के प्रत्येक सदस्य को सेवा कार्य के लिए प्रेरित करती है। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ भाग लिया तथा सभी ने मिलकर जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, तेज प्रकाश अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

# जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पर गोलमेज सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित

हैदराबाद, 4 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी, तेलंगाना के तत्वावधान में जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हेतु एक महत्वपूर्ण गोलमेज सम्मेलन का आयोजन सोमाजीगुड़ा प्रेस क्लब, हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं मीडिया कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए सामाजिक न्याय एवं समानता के मुद्दों पर गंभीर चर्चा की।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी, तेलंगाना के मीडिया प्रभारी (हिंदी) श्री राजकुमार यादव ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात सामाजिक चिंतक प्रो. काँचा इलैया शेफर्ड उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जाति सर्वेक्षण समाज में व्याप्त असमानताओं को समझने और उन्हें दूर करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब तक समाज के विभिन्न वर्गों की वास्तविक स्थिति के सटीक आँकड़े उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक प्रभावी नीतियाँ बनाना और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना संभव नहीं है।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. एस. सिम्हाद्री यादव (राज्य अध्यक्ष), डॉ. एन. वेंकटेश्वरलु (उपाध्यक्ष), श्री अवकला बाबू गौड़ (महासचिव) तथा मोहम्मद रिज़वान हुसैन (संयोजक) प्रमुख रूप से शामिल थे। वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को पारदर्शी, वैज्ञानिक और प्रभावी तरीक़े से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट केवल आँकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान का आधार बन सकती है।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा करना था, ताकि विशेषज्ञों एवं समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों के आधार पर ठोस नीति-निर्माण में सहयोग मिल सके। प्रतिभागियों ने सामाजिक न्याय, समान अवसर और समावेशी विकास की दिशा में ठोस क़दम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन में निम्नलिखित प्रमुख प्रस्ताव/संकल्प सर्वसम्मति से पारित किये गये

1. तेलंगाना सरकार द्वारा किये गये जाति सर्वेक्षण को पूर्ण पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक किया जाए तथा उसकी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र जारी की जाए।

2. अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), पिछड़ा वर्ग (बीसी) एवं अन्य पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनसंख्या के आधार पर आरक्षण व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके।

3. सभी वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास के लिए विशेष एवं लक्षित योजनाएँ तैयार की जाएँ।

4. केंद्र सरकार से माँग की गयी कि पूरे देश में जाति जनगणना करायी जाए, जिससे सभी समुदायों की वास्तविक स्थिति का आकलन हो सके और नीतियाँ अधिक न्यायसंगत बनाई जा सकें।

5. प्रत्येक समुदाय के विकास, अधिकारों की सुरक्षा एवं समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए सरकार ठोस एवं समयबद्ध क़दम उठाए तथा सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक निर्णय लिये जाएँ। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय श्री राजकुमार यादव (मीडिया प्रभारी, हिंदी) द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के संवाद सामाजिक न्याय की दिशा में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

# मछली पकड़ने के जाल में फंसने से मछुआरे की मौत

**बांसवाड़ा, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

क्षेत्र में एक दुखद हादसे में मछली पकड़ने के दौरान जाल में फंसने से एक युवक की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जेल्ला हनमंडलू, जो बांसवाड़ा मंडल के इब्राहिमपेट गांव का निवासी था, के पिता का नाम कामा बोई था। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई गई है। वह बेस्टा समुदाय से था तथा खेती और मछली पकड़ना उसका मुख्य पेशा था। 3 मई 2026 को दोपहर करीब 3 बजे वह घर पर यह कहकर निकला कि गांव के बाहर स्थित तालाब में मछली पकड़ने जा रहा है। वह अपने साथ मछली पकड़ने का जाल लेकर तालाब में उतरा। मछली पकड़ते समय वह अपने ही जाल में उलझ गया, जिससे वह पानी में फंस गया। काफी प्रयास के बावजूद वह बाहर नहीं निकल सका और दम घुटने से उसकी तालाब में ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बांसवाड़ा स्टेशन हाउस ऑफिसर ने बताया कि मृतक की पत्नी सुमलता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# कामारेड्डी में आग पीड़ितों से मिले टीपीसीसी महासचिव, आर्थिक सहायता प्रदान की

**कामारेड्डी, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

टीपीसीसी के जनरल सेक्रेटरी गद्दाम चंद्रशेखर रेड्डी ने कामारेड्डी के इंदिरा चौक पर आग लगने की घटना के पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने पीड़ितों से घटना की पूरी जानकारी ली और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की।

जानकारी के अनुसार, कामारेड्डी जिला मुख्यालय में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित इंदिरा चौक पर रविवार तड़के करीब 3 बजे आग लगने की घटना हुई, जिसमें 22 दुकानें जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में लगभग एक करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। गद्दाम चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि आग लगने की घटना की गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं तथा नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। उन्होंने ज़िले के एसपी, पुलिस प्रशासन, आरडीओ एवं राजस्व अधिकारियों से तत्काल जांच करने को कहा। साथ ही कामारेड्डी के विधायक कटिपल्ली वेंकट रमना रेड्डी से भी पीड़ितों की शीघ्र सहायता करने की अपील की। इस दौरान म्युनिसिपल काउंसलर गद्दामी महेश, चीफ सेक्रेटरी जुलुरी सुधाकर, पूर्व काउंसलर चटला वामसी, सलीम, जमील, रंगा रमेश, गंगुल रेड्डी, राजशेखर, निरंजन, कोटी, शशि, राहुल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। घटना से प्रभावित अफजल होटल के शाहिद एवं अन्य दुकानदारों ने गद्दाम चंद्रशेखर रेड्डी से सहायता की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

# टीपीसीसी सचिव शेख मुक़्तार अहमद ने दी डीजीपी सीवी आनंद को बधाई

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के सचिव शेख मुक़्तार अहमद ने तेलंगाना के महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) सी.वी. आनंद को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने डीजीपी आनंद को एक महान व्यक्ति, गतिशील, दूरदर्शी और तेलंगाना के एक समर्पित अधिकारी के रूप में प्रशंसा की।

शेख मुक़्तार अहमद ने कहा कि सी.वी. आनंद एक महान मानवीय गुणों के धनी, गतिशील, दूरदर्शी और तेलंगाना के प्रति पूर्ण समर्पण रखने वाले अधिकारी हैं। उन्होंने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे तेलंगाना पुलिस के सामूहिक गौरव हैं।

अहमद ने कहा कि वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें हैदराबाद में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) के रूप में उनके कार्यकाल से ही उनसे व्यक्तिगत रूप से परिचित होने का अवसर मिला। उन्होंने इस दीर्घकालिक संबंध का संदर्भ देते हुए डीजीपी आनंद के व्यक्तित्व और कार्यशैली की प्रशंसा की।

टीपीसीसी सचिव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी बधाई दी और कहा कि उन्होंने एक उत्कृष्ट मानवीय गुणों के धनी व्यक्ति, एक सज्जन और तेलंगाना पुलिस की सामूहिक शान को इस पद पर नियुक्त करके एक सराहनीय निर्णय लिया है।

# चुनाव चोरी, संस्था चोरी..., असम-बंगाल में बीजेपी की जीत पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव चोरी किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनाव आयोग के सहयोग से इन राज्यों में जीत हासिल की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, असम और बंगाल, ये साफ उदाहरण हैं कि कैसे बीजेपी ने ईसी के सहयोग से चुनाव चुराया है। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से ज़्यादा सीटें चुराई गईं।उन्होंने आगे कहा कि यह कोई नई बात नहीं है और इससे पहले भी ऐसा प्लेबुक देखा जा चुका है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और 2024 के लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि इसी तरह के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं। राहुल गांधी ने आगे लिखा, चुनाव चोरी, संस्था चोरी... अब और चारा ही क्या है! उनकी यह प्रतिक्रिया ममता बनर्जी के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की प्रचंड जीत को अनैतिक बताया था। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में 100 से ज्यादा सीटों पर जनादेश लूटा गया है। भवानीपुर विधानसभा सीट के काउंटिंग सेंटर से बाहर निकलते हुए ममता ने कहा, हम वापसी करेंगे।यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, अब क्या सत्ताधारी राजनीति को पाताल से भी नीचे ले जाएंगे। देश के राजनीतिक इतिहास का ये एक घनघोर काला दिन है। आज पूरा देश आक्रोशित है और लोकतंत्र व्यथित। चुनावी व्यवस्था के नाम पर केंद्रीय बलों का जो दुरुपयोग मतगणना में आज बंगाल में हुआ है, ठीक वैसा ही घपला 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में अधिकांश जगह किया गया था, जिसकी साक्षात गवाह कन्नौज की विधानसभाएं थीं। फिर इसी निंदनीय मॉडल को फर्रुखाबाद के 2024 लोकसभा चुनाव में दोहराया गया था।

# इम्पैक्ट मेकर्स द्वारा 'गर्मी से राहत अभियान' का आयोजन

**हैदराबाद, 04 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

इम्पैक्ट मेकर्स हैदराबाद द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए 3 मई 2026 को 'गर्मी से राहत अभियान' का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया।

संस्था के संस्थापक एवं प्रमुख मुदित पिट्टी ने बताया कि इम्पैक्ट मेकर्स एक स्वैच्छिक संगठन है, जो जरूरतमंदों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्य करता है। संगठन के अधिकांश स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवा पेशेवर हैं, जो समाज के कम सौभाग्यशाली वर्गों तक सहायता पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

अभियान के दौरान आबिड्स रोड के किनारे लगभग 2000 से अधिक छाछ के पैकेट और करीब 250 किलोग्राम तरबूज़ वितरित किए गए। इस पहल से राहगीरों एवं जरूरतमंदों को गर्मी से काफी राहत मिली। स्थानीय लोगों ने इम्पैक्ट मेकर्स के इस प्रयास की सराहना की और इसे सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। संस्था द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

# तमिलनाडु में विजय युग: टीवीके की जीत से लगा 60 सालों के सियासी चक्र पर ब्लॉकबस्टर ब्रेक

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)**

द्रमुक गया तो अन्नाद्रमुक आया और अन्नाद्रमुक गया तो फिर द्रमुक के हाथ में सत्ता। दक्षिण भारत के प्रमुख राज्य तमिलनाडु में 60 सालों से चल रही इस राजनीतिक परिपाटी पर आखिरकार अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय ने ब्लॉकबस्टर ब्रेक लगा दिया। स्पष्ट बहुमत से कुछ कदम पीछे खड़े रह जाने के बावजूद टीवीके की जीत ऐतिहासिक है, क्योंकि 59 वर्षों बाद पहली बार कथित द्रविड़ मॉडल पर राजनीति करने वाले दलों की मुट्ठी से राज्य बाहर निकला है। पहली बार चुनावी मैदान में उतरे विजय की सफलता उस उम्मीद भरे विकल्प की विजय है, जिसके लिए राज्य के मतदाताओं में छटपटाहट थी। स्वयं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सहित डीएमके की हार और एआईएडीएमके को इस तरह खारिज कर दिया जाना उन राष्ट्रीय दलों के लिए भी भविष्य में संभावनाओं की राह खोल सकता है, जिन्हें द्रविड़ मॉडल में कदम रखने तक का अवसर इतने वर्षों में नहीं मिला।

**तमिलनाडु में 1967 से द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व**

वर्ष 1967 में तमिलनाडु ने पहली बार द्रविड़ राजनीति की ओर कदम बढ़ाया। तब कांग्रेस के हाथ से सत्ता छीनकर पहली बार द्रविड़ियन मॉडल के शिल्पकार पेरियार के अनुयायी और डीएमके के संस्थापक सीएन अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद न कभी कांग्रेस लौटी और न ही भाजपा या कोई अन्य राष्ट्रीय दल वहां अपनी जगह बना पाया। जातीय राजनीति करने वाले छोटे-छोटे राजनीतिक दल कई बने और सत्ता में भागीदारी भी करते रहे, लेकिन सत्ता के दो ही ध्रुव रहे द्रमुक और अन्नाद्रमुक। मगर, इस बार चुनावी माहौल बदला हुआ था। मतदाता न तो सत्ताधारी डीएमके के समर्थन में थे और न ही अन्नाद्रमुक के लिए मुखर थे। हां, करीब दस वर्ष पहले टीवीके पार्टी बनाने वाले अभिनेता विजय जरूर हर वर्ग के युवाओं में विशेष तौर पर चर्चा में थे। संभावना जताई जा रही थी कि वह इस बार चुनाव में एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं, लेकिन यह उम्मीद शायद ही किसी को रही हो कि उनका फिल्मी स्टारडम द्रविड़ राजनीति के किले को इस तरह ढहा सकता है।

**तमिलनाडु के सियासी सितारे: विजय से पहले जिनकी कोशिश रही नाकाम**

दरअसल, इससे पहले मेगा स्टार रजनीकांत ने भी 2017 में आरएमएम पार्टी बनाई, लेकिन 2021 में कदम वापस खींच लिए। सुपर स्टार कमल हासन 2018 में एमएनएम पार्टी बनाकर राजनीति में उतरे, लेकिन सफलता नहीं मिली।

तमिल सिनेमा स्टार सरथकुमार हों या दिवंगत विजयकांत की पार्टी, कोई राजनीति में बड़ा फेरबदल नहीं कर सका। ऐसे में माना जा रहा था कि हो सकता है कि मतदाता अभी विजय की राजनीतिक परिपक्वता को परखना चाहे, लेकिन परिणामों से स्पष्ट है कि डीएमके और एआईएडीएमके से ऊब चुका मतदाता विकल्प के लिए व्याकुल था। एमके स्टालिन की हार सत्ताविरोधी प्रचंड लहर के साथ ही परिवारवाद पर भी प्रहार मानी जा सकती है।

**विजय की सत्ता यात्रा और भविष्य की संभावनाएं**

अभी सत्ता के सिंहासन से कुछ कदम दूरी पर खड़े टीवीके प्रमुख विजय किसके समर्थन से सरकार का गठन करेंगे, यह जल्द स्पष्ट हो जाएगा। इस तरह वह फिल्मी दुनिया से मुख्यमंत्री तक का सफर तय करने वाले अन्नाद्रमुक संस्थापक एमजीआर, जयललिता और एम. करुणानिधि की सूची में अपना नाम लिखवाने जा रहे हैं।

हालांकि, भविष्य की राजनीति के दृष्टिकोण से अगले पांच वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होंगे। यदि विजय राज्य में विकास की राजनीति को आगे बढ़ाते हैं तो यहां से द्रविड़ राजनीति का अध्याय उपसंहार की ओर बढ़ जाएगा। इसके साथ ही अन्य राष्ट्रीय दलों के लिए प्रतिस्पर्धी जमीन यहां तैयार होने की संभावना बढ़ जाएगी।

# बंगाल चुनाव परिणाम पर स्वामी रामदेव का बयान, ममता बनर्जी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा की बंपर जीत से उत्साहित योग गुरु स्वामी रामदेव ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि बंगाल की जनता ने बड़ा संदेश दिया है और राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन का संकेत स्पष्ट है। स्वामी रामदेव ने कहा कि एक समय था जब हर कोई टीएमसी से डरता था और हालात ऐसे बन गए थे कि बड़े नेताओं को कड़े बयान देने पड़े। अब चुनाव परिणामों के बाद स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने ममता बनर्जी को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अब अनुलोम-विलोम, मेडिटेशन और आध्यात्मिक साधना अपनानी चाहिए तथा विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत ममता बनर्जी के वर्चस्ववाद को चुनौती देने वाली है। उनके अनुसार, बंगाल में एक नए युग की शुरुआत हुई है।

स्वामी रामदेव ने इस बदलाव के पीछे कई कारण बताए। उनके अनुसार, राज्य में भय का वातावरण और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना ने जनता को प्रभावित किया। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने विकास, स्थिरता और अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए मतदान किया।

**प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना**

रामदेव ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व, नीतियां और संकल्प इस सफलता के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व और संगठन की रणनीति की भी सराहना की।

# श्रीनगर में लगा 'दरबार', चार साल बाद

सुरेश एस डुग्गर जम्मू, 4 मई। 'दरबार मूव', जिसे उपराज्यपाल के प्रशासन ने रोक दिया था, चार साल के अंतराल के बाद जम्मू से श्रीनगर स्थानांतरित होकर फिर से काम करने लगा है।सोमवार सुबह, मुख्यमंत्री ने सिविल सचिवालय के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक औपचारिक 'गार्ड आफ आनर' की सलामी ली। सिविल सचिवालय, अन्य सरकारी दफ्तरों के साथ, सर्दियों के महीनों में जम्मू से काम करने के बाद, गर्मियों के मौसम के लिए श्रीनगर में काम करने लगा है। सिविल सचिवालय, जिसमें मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद और प्रशासनिक सचिवों के दफ्तर हैं, सर्दियों की राजधानी में छह महीने काम करने के बाद सोमवार को श्रीनगर में फिर से खुल गया, जो सालाना 'दरबार मूव' की वापसी का प्रतीक है। सचिवालय पहुंचने पर जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को औपचारिक 'गार्ड आफ आनर' दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सिविल सचिवालय के अलावा, लगभग 30 विभागों के प्रमुखों के दफ्तर भी श्रीनगर स्थानांतरित हो गए हैं। सर्दियों की राजधानी जम्मू में दफ्तर 30 अप्रैल को बंद हो गए थे और 4 मई को श्रीनगर में फिर से खुल गए। अधिकारियों के अनुसार, दफ्तरों के सुचारू रूप से खुलने को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। 'दरबार मूव' को फिर से शुरू करना 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस का एक प्रमुख वादा था।

**शमशाबाद स्थित डे सूर्या एरिना एंड कन्वेंशन में श्रीमती वर्षा-राजेश बाहेती (उद्योगपति) के विवाह की 25वीं वर्षगांठ समारोह में दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए रानी - मुकेश धुत, संगिता - पुरषोत्तम तोषनीवाल, शिल्पा - पंकज नावंदर, रेखा - महेंद्र बजाज, स्वेता - कृष्णा इन्नानी, गिता - पवन मानधना, पायल - प्रशांत बांगड, सरिता - पवन मुंदड़ा, गायत्री तोषनीवाल, संतोष मुंदड़ा, राजेश करवा अत्तापुर एवं अन्य।**

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## कमल मेला, नरेंद्र कप और लाखों बैठकें...

# बंगाल में बीजेपी के खेला की इनसाइड स्टोरी

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल की सियासत में इस बार जो हुआ, वह सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि सुनियोजित और बेहद बारीकी से तैयार किए गए अभियान का परिणाम है। लंबे समय तक कठिन मानी जाने वाली जमीन पर भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह बहुमत की राह बनाई, उसके पीछे केवल बड़े-बड़े वादे और बड़ी-बड़ी रैलियां नहीं, बल्कि गली-गली, बूथ-बूथ और घर-घर तक पहुंची रणनीति काम कर रही थी। इस पूरी रणनीति के केंद्र में थे संगठन के दो बड़े चेहरे सुनील बंसल और चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव, जिनके साथ सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने जमीन पर पूरा तंत्र खड़ा किया। बंगाल की इस जीत की कहानी को अगर समझना है, तो इसे केवल राजनीतिक नजरिए से नहीं, बल्कि कैंपेन इंजीनियरिंग के रूप में देखना होगा, जहां हर कदम योजनाबद्ध था और हर गतिविधि का सीधा लक्ष्य मतदाता तक पहुंचना था।

### कमल मेला और नरेंद्र कप

दिल्ली से एक साल पहले बंगाल जाकर कैंपेन, कंटेंट और नैरेटिव की कमान संभाल रहे केके उपाध्याय बताते हैं कि कमल मेला के रूप में इस चुनाव में भाजपा ने एक अनोखा प्रयोग किया। यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक ऐसा सामाजिक-राजनीतिक उत्सव था, जिसने राजनीति को आम लोगों के जीवन से जोड़ दिया। हर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इन मेलों ने पार्टी को एक अलग पहचान दी। यहां स्थानीय संस्कृति, संगीत, संवाद और राजनीतिक संदेश सब एक साथ जुड़े। यहां मंचीय भाषणों के साथ स्थानीय संस्कृति, संगीत, संवाद और भागीदारी का मिश्रण था। लोगों ने सिर्फ सुना नहीं, बल्कि हिस्सा लिया। पारंपरिक रैलियों की तुलना में यह मॉडल ज्यादा इंटरैक्टिव साबित हुआ और मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने में सफल रहा।

बंगाल में फुटबॉल केवल खेल नहीं, भावना है। भाजपा ने इस भावना को समझा और उसे अपनी रणनीति का हिस्सा बनाकर नरेंद्र कप फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसमें पुरुष वर्ग में करीब 1200 टीमों और 18,000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जबकि महिला वर्ग में 253 टीमों की भागीदारी रही। 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को केंद्र में रखकर यह आयोजन किया गया। यह सिर्फ खेल आयोजन नहीं था, बल्कि एक एंट्री पॉइंट था, जहां से पार्टी युवाओं के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराती गई। इन मैचों के दौरान संवाद, संपर्क और संदेश तीनों एक साथ चलते रहे। इससे पार्टी को उन इलाकों में भी पहुंच मिली, जहां पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियां सीमित थीं।

### घर-घर बैठकें और नुक्कड़ सभाएं

अगर इस पूरे अभियान का सबसे प्रभावी हिस्सा कोई रहा, तो वह था आंगन बैठक मॉडल। फरवरी महीने में जब परीक्षाओं के कारण माइक से प्रचार सीमित हो गया, तब पार्टी ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया। सिर्फ एक महीने में 1 लाख 65 हजार से अधिक घर-घर बैठकों का आयोजन किया गया। यह बैठकों का नेटवर्क इतना गहरा था कि हर बूथ पर लोगों के छोटे-छोटे समूह बने। इन बैठकों में शामिल लोगों को जोड़ने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए, जिससे संवाद लगातार बना रहा। यही वह स्तर था, जहां चुनाव मैक्रो से माइक्रो में बदल गया और यहीं से असली बढ़त बननी शुरू हुई। महिलाओं के लिए अलग से 1.96 लाख ड्रॉइंग रूम बैठकें आयोजित की गईं।

एक जनवरी से 27 अप्रैल के बीच 12 हजार से ज्यादा नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया गया। इन छोटी-छोटी सभाओं ने बड़े मंचों की कमी को पूरा किया। यहां सीधे संवाद हुआ, स्थानीय मुद्दे उठे और पार्टी का संदेश बिना किसी दूरी के लोगों तक पहुंचा। यह वही मॉडल था, जिसने चुनाव को जन आंदोलन का रूप दिया। इसी कड़ी में 15 जनवरी से 27 फरवरी तक चलाए गए चार्जशीट आधारित जनजागरण अभियान ने चुनावी बहस की दिशा तय की। 220 विधानसभा क्षेत्रों में चले इस अभियान में 150 से अधिक नेताओं ने भाग लिया और 80 से ज्यादा प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य सरकार के खिलाफ मुद्दों को सामने रखा गया।

### नारे, प्रत्याशी चयन और संगठनात्मक रणनीति

हर चुनाव में एक नारा होता है, लेकिन बंगाल में यह नारा एक भावना बन गया। बाचते चाईं, बीजेपी ताई, पलटानों दरकार चाई बीजेपी सरकार, भय आऊट, भरोसा इन। ये लाइनें गांव-गांव, मोहल्लों और सोशल मीडिया तक फैलती चली गईं। बताया जाता है कि बच्चे-बच्चे की जुबान पर यह नारे चढ़ गए थे, यानी नैरेटिव जमीन पर उतर चुका था। ये नारे उतने ही असरदार रहे, जितना कोई बड़ा चुनावी वादा। इस बार उम्मीदवारों के चयन में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। डॉक्टर, वकील, खिलाड़ी, कलाकार और स्थानीय प्रतिष्ठित चेहरों को प्राथमिकता दी गई। बाहरी चेहरों की जगह स्थानीय नेतृत्व को आगे लाया गया। इस रणनीति ने बाहरी बनाम स्थानीय की बहस को काफी हद तक खत्म कर दिया। युवाओं और महिलाओं को जोड़ने के लिए युवाशक्ति भरोसा कार्ड और मातृशक्ति भरोसा कार्ड अभियान चलाए गए। युवाशक्ति और मातृशक्ति भरोसा कार्ड अभियान के तहत 2 करोड़ से अधिक पंजीकरण हुए, जिसमें 1.60 करोड़ महिलाएं और 40 लाख युवा शामिल रहे। इन अभियानों के जरिए सीधे संवाद स्थापित किया गया और एक भरोसे का माहौल बनाया गया। इसके अलावा, 19,250 क्लब और एनजीओ से संपर्क, 6,250 धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए जुड़ाव और 2 लाख लोगों तक सीधी पहुंच बनाई गई। वहीं, 21 राज्यों से 9,498 बंगाली प्रवासी बंगाल पहुंचे और प्रचार में शामिल हुए, जिससे ग्राउंड नेटवर्क को अतिरिक्त मजबूती मिली।

इस पूरी रणनीति की असली ताकत थी पर्दे के पीछे काम कर रही टीम। सुनील बंसल ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर फोकस किया, जबकि भूपेंद्र यादव ने चुनावी रणनीति को व्यापक दिशा दी। इन दोनों के बीच तालमेल ने अभियान को एक मशीन की तरह चलाया, जहां हर स्तर पर स्पष्ट योजना और जिम्मेदारी तय थी। सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने नॉर्थ-ईस्ट के अनुभव को बंगाल में लागू किया, जिससे जमीनी स्तर पर तेजी से विस्तार संभव हुआ।

## बीजेपी ने चुकाया पितामह का पितृऋण

# श्यामा प्रसाद की धरती पर पहली बार 'कमल' सरकार

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल की सियासत ने एक नया इतिहास लिखा है। हुगली की लहरों से लेकर दार्जिलिंग की पहाड़ियों तक, जय श्री राम के नारे गूंज रहे हैं, जो बता रहे हैं कि बंगाल की सियासी मिजाज में बदलाव आ चुका है। इस दिन का इंतजार कई दशकों से बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता कर रहे थे।

बीजेपी के लिए बंगाल विधानसभा चुनाव की जीत केवल एक जीत नहीं है, यह उस पितृऋण की भी अदायगी है, जो भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति इस विचार के हर कार्यकर्ता पर बकाया था। बीजेपी के पितामह कहे जाने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पर पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ कमल खिला है। बीजेपी संस्थापक दीन दयाल उपाध्याय के कर्तव्य पथ उत्तराखंड से उत्तर प्रदेश में पहले ही सरकार बनाकर बनी ली थी, लेकिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि बंगाल में 75 साल के बाद जाकर सपना साकार हुआ है। मुखर्जी के विचारों के आधार पर ही बीजेपी की नींव रखी गई थी। ऐसे में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि पर बीजेपी एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरी है।

### पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार और चुनाव परिणाम

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे की तस्वीर एकदम साफ हो गई है।

ऐसे में बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी ममता सरकार की सत्ता से विदाई हो गई है। ममता बनर्जी की पार्टी का ढलान साफ दिख रहा है। बंगाल में भाजपा की यह जीत महज आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक गहरी वैचारिक विजय है। 2026 के नतीजों ने साबित कर दिया है कि बंगाल की जनता ने उस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को स्वीकार कर लिया है, जिसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने रखी थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों के आधार पर ही 1980 में बीजेपी की बुनियाद पड़ी। यही वजह है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बीजेपी के पितामह कहा जाता है, जिनका सपना अब कहीं जाकर साकार हुआ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था, एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। कश्मीर से अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद, बीजेपी के लिए बंगाल जीतना वैचारिक चक्र को पूरा करने जैसा था। ममता बनर्जी की मां, माटी, मानुष की राजनीति के जवाब में बीजेपी ने सबका साथ, सबका विकास और सभ्यता की सुरक्षा का जो नैरेटिव पेश किया, उसने बंगाल के मध्यम वर्ग और ग्रामीण आबादी के बड़े हिस्से को झकझोर कर रख दिया। बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह से लेकर पीएम मोदी तक जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा करने का वादा करते रहे हैं, जिसे साकार करके दिखाया।

### मुखर्जी की जन्मभूमि कैसे बनी रही बंजर

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 1901 में कोलकाता के बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का आगाज 1929 से किया और कांग्रेस से जुड़े। हालांकि, एक साल बाद ही उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। 1939 में वे हिंदू महासभा में शामिल हुए और 1940 में हिंदू महासभा के अध्यक्ष बने। स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उनकी काबिलियत को देखते हुए अपने मंत्रिमंडल में मुखर्जी को उद्योग और आपूर्ति मंत्री बनाया था, लेकिन बहुत दिनों तक साथ नहीं रहे। नेहरू कैबिनेट से इस्तीफा देकर साल 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ का गठन किया, ये वही भारतीय जनसंघ है, जिसके वैचारिक एजेंडे पर बीजेपी का गठन हुआ। इतिहास गवाह है कि जनसंघ (अब भाजपा) का जन्म बंगाल की कोख से हुआ था, लेकिन राजनीतिक विडंबना यह थी कि दशकों तक यह दल अपनी ही जन्मभूमि पर बाहरी कहलाया। जनसंघ से लेकर बीजेपी तक के लिए 75 साल तक बंगाल की जमीन सियासी बंजर बनी रही।

# बंगाल में हुमायूं-ओवैसी रहे बेअसर, असम में अजमल का भी फ्लॉप शो...

नई दिल्ली, 04 मई। बंगाल और असम सहित पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने न केवल सत्ता का संतुलन बदला है, बल्कि मुस्लिम राजनीति के पुरोधा कहे जाने वाले चेहरों के वजूद पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। मुस्लिम वोटों के सहारे किंगमेकर बनने का सपना लेकर चुनावी पिच पर उतरे हुमायूं कबीर, असदुद्दीन ओवैसी और बदरुद्दीन अजमल की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा।

देश में भले ही मुस्लिम आबादी 15 फीसदी हो, लेकिन केरल में 27 फीसदी, असम और पश्चिम बंगाल में 30 से 35 फीसदी के बीच है। इस तरह तीनों ही राज्यों में मुस्लिम वोटर काफी अहम हैं, जिसके चलते ही मुस्लिम आधार वाले दल अपना सियासी दम दिखाने के लिए उतरे थे, लेकिन मुस्लिम वोटिंग पैटर्न अलग ही नजर आया। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल और असम तक मुस्लिम मतदाता बीजेपी के खिलाफ एकजुट नजर आए, लेकिन मुस्लिम आधार वाले दलों पर भरोसा नहीं किया। इसी का नतीजा है कि असम में बदरुद्दीन अजमल धराशाही हो गए, तो बंगाल में हुमायूं कबीर अपनी सीट के सिवा किसी दूसरी सीट पर कुछ खास नहीं कर सके। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का खाता तक नहीं खुल सका। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण जबरदस्त तरीके से देखने को मिला। बीजेपी के पक्ष में बहुसंख्यक वर्ग एकजुट रहा, तो मुस्लिम मतदाता एकजुट हुए, लेकिन मुसलमानों ने असदुद्दीन ओवैसी, अब्बास सिद्दीकी सहित कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन के बजाय ममता के पक्ष में वोटिंग करना बेहतर समझा। इसका नतीजा रहा कि टीएमसी मुस्लिम बहुल वाली ज्यादातर सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही।

बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 फीसदी के करीब है। राज्य की 100 से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम वोटर्स अहम हैं। मुस्लिम वोटों की सियासी ताकत को देखते हुए पहले फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट से पार्टी बनाई, तो इस बार हुमायूं कबीर ने बाबर के नाम पर मुर्शिदाबाद में मस्जिद बनाने का ऐलान कर मुस्लिम सियासत का चेहरा बनने का दांव चला। हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी के नाम से अपनी अलग पार्टी बनाकर मैदान में उतरे थे। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी ने भी मुस्लिम वोटों पर दांव चला था।

2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव में नौशाद सिद्दीकी, हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी मैदान में थीं। हुमायूं कबीर बाबरी के बहाने बंगाल में मुस्लिमों का विश्वास जीतने का दांव चला, लेकिन मुसलमानों ने ममता के साथ ही खड़े होना बेहतर समझा। समाचार लिखे जाने तक हुमायूं कबीर की पार्टी को दो सीटों पर जीत मिल रही है, जिन सीटों पर वे खुद चुनाव लड़ रहे हैं। नौदा और रेजनीनगर सीट पर उन्हें बढ़त है, जो जीत में तब्दील हो सकती है। इसी तरह नौशाद सिद्दीकी को सिर्फ एक सीट पर बढ़त है, जो आईएसएफ के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

बंगाल के मुस्लिमों ने एकमुश्त टीएमसी को वोट दिया। इसी का नतीजा है कि मुस्लिम बहुल सीटों पर मुस्लिम आधार वाले दलों का ही नहीं, बल्कि कांग्रेस और लेफ्ट का सफाया हो गया। ममता बनर्जी के पक्ष में खुलकर मुसलमानों ने वोट दिया है। हुमायूं कबीर और अब्बास सिद्दीकी के साथ ओवैसी को मुस्लिमों ने पूरी तरह नकार दिया। ओवैसी की पार्टी को 0.10 फीसदी वोट शेयर मिले, तो हुमायूं और अब्बास की पार्टी को भी आधा फीसदी वोट नहीं मिल सका।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद क्षेत्र के कद्दावर नेता हुमायूं कबीर ने चुनाव से ठीक पहले आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) बनाकर एक बड़ा दांव खेला था। उन्होंने ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ हाथ मिलाकर यह उम्मीद की थी कि ममता के मुस्लिम वोट बैंक को अपनी ओर खींच लेंगे, लेकिन उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फिर गया। बंगाल की मुस्लिम जनता ने इस बार वोट कटवा की छवि वाले छोटे दलों को नकार दिया। इसके बाद भी बीजेपी को सत्ता में आने से नहीं रोक सके।

हैदराबाद से आकर बंगाल की राजनीति में किंगमेकर बनने का ओवैसी का सपना एक बार फिर चकनाचूर हो गया है। 2026 में ओवैसी ने 12 से अधिक रणनीतिक सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन एक भी सीट नहीं मिली। इतना ही नहीं, ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी है। ओवैसी की पहचान की राजनीति बंगाल के बंगाली मुसलमान को नहीं भा रही है।

असम: अजमल की सियासत धराशाही और मिया राजनीति का पतन

असम में एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के लिए यह चुनाव उनके करियर का सबसे बुरा दौर साबित होता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जिस तरह मिया राजनीति पर हमला बोला और परिसीमन के जरिए चुनावी गणित बदला, उसने अजमल के गढ़ को हिला दिया। अजमल की पार्टी को दो सीटें मिलती दिख रही हैं, एक सीट पर वो खुद जीत रहे हैं, तो दूसरी सीट पर मुजीबुर्रहमान जीत दर्ज कर रहे हैं। असम के निचले इलाकों में, जहां अजमल का एकछत्र राज था, वहां भी मुस्लिम युवाओं ने इस बार मजहबी नेता के बजाय कांग्रेस के साथ खड़े नजर आए। अजमल की अपनी सीट (बिन्नाकांडी) पर भी कड़ी टक्कर, इस बात का प्रमाण है कि उनका वोट बैंक अब उनसे छिटक रहा है। अजमल की पार्टी को 5.19 फीसदी वोट मिलता दिख रहा है। मुस्लिमों की पहली पसंद असम में कांग्रेस बनी है।

असम में तकरीबन मुस्लिम आबादी 34 फीसदी है, जो राज्य की कुल 126 सीटों में से 32 सीटों पर अहम रोल अदा करते हैं। 2021 में 31 मुस्लिम विधायक जीतकर आए थे, लेकिन परिसीमन में मुस्लिम सीटों का गेम बदल गया है। मुस्लिम मतदाता अब 32 सीटों के बजाय 22 सीटों पर ही निर्णायक रोल में रह गए हैं।

कांग्रेस और बदरुद्दीन अजमल दोनों की नजर मुस्लिम वोटबैंक पर टिकी हुई थी। मुस्लिम वोटर ही बदरुद्दीन अजमल की ताकत रहे हैं, तो कांग्रेस की नजर भी इसी वोटबैंक पर टिकी हुई थी। 2021 में बदरुद्दीन अजमल और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ी थी, लेकिन इस बार दोनों ही अलग-अलग किस्मत आजमा रही हैं। ऐसे में मुस्लिम वोटर की पहली पसंद कांग्रेस बनी है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच असम की सीधी लड़ाई में मुस्लिम वोटर अजमल के बजाय कांग्रेस के साथ गए। ओवैसी का असम जाकर अजमल के पक्ष में प्रचार करना काम नहीं आया।

असम में बदरुद्दीन अजमल की सियासी चुनौती को देखते हुए मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का गठन 2005 में किया।

# उपचुनावों में भी बीजेपी का गदर! गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा में एकतरफा जीत, बारामती में सुनेत्रा पवार ने तोड़ा रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)** पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के साथ-साथ कर्नाटक, नागालैंड, त्रिपुरा, गुजरात और महाराष्ट्र की 7 सीटों पर हुए उपचुनावों की मतगणना भी सम्पन्न हुई है। इन उपचुनावों में भी बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया है। गुजरात की उमरेठ, नागालैंड की कोरिडांग और त्रिपुरा की धर्मनगर सीटों पर बीजेपी जीत चुकी है। वहीं, कर्नाटक की बागलकोट सीट पर कांग्रेस को जीत मिली है। इसके अलावा, महाराष्ट्र की बारामती सीट एनसीपी उम्मीदवार और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार रिकॉर्ड वोटों से जीत गयी।

महाराष्ट्र की बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। सुनेत्रा पवार ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिसमें 2019 में उनके पति अजित पवार द्वारा बनाया गया जीत का अंतर भी शामिल है। सुनेत्रा पवार ने 2,18,930 वोटों के रिकॉर्ड तोड़ अंतर से जीत हासिल की है। इस जीत को अब भारत के इतिहास में किसी भी विधायक उम्मीदवार की सबसे बड़ी जीत माना जा रहा है। बता दें कि सुनेत्रा पवार पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी हैं। अजित पवार का निधन 28 जनवरी 2026 को एक विमान हादसे में हो गया था।

महाराष्ट्र के राहुरी विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को बंपर जीत हासिल हुई है। यह उपचुनाव शिवाजी कर्डिले के निधन के बाद हो रहा है। बीजेपी ने इस सीट से उनके बेटे अक्षय कर्डिले को चुनावी मैदान में उतारा। अक्षय कर्डिले को यहां शानदार जीत मिली है। अक्षय को सीट पर 1,40,093 वोट मिले, जबकि उनके सबसे नजदीकी प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार गोविंद मोकाटे को 27,506 वोट मिले।कर्नाटक की बागलकोट सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार उमेश हुल्लप्पा मेटी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने बीजेपी के चरंतिमठ वीरभद्रय्या को 22,332 वोटों से हराया है। बागलकोट सीट पर उमेश हुल्लप्पा मेटी को 98,919 वोट और वीरभद्रय्या को 76,587 वोट मिले हैं। कर्नाटक की दावणगेरे साउथ सीट पर कांग्रेस के समर्थ शमनूर मल्लिकार्जुन को जीत मिली है। उन्होंने बीजेपी के श्रीनिवास टी. दासकारियप्पा को 5,708 वोटों से हराया है। गुजरात की उमरेठ सीट से बीजेपी के हर्षदभाई गोविंदभाई परमार ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस कैंडिडेट भृगुर-ाजसिंह चौहान को 30,743 वोटों से हराया है। इस सीट पर हर्षदभाई परमार को 85,500 वोट मिले और वहीं भृगुराजसिंह चौहान को 54,757 वोट मिले। नागालैंड की कोरिडांग सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट दाओचियर आई इमचेन ने जीत हासिल कर ली है।

उन्होंने इस सीट से इंडिपेंडेंट कैंडिडेट तोशिकाबा को 3,123 वोटों से हराया है। त्रिपुरा की धर्मनगर विधानसभा सीट पर बीजेपी के जहर चक्रवर्ती ने एकतरफा जीत हासिल की है। उन्होंने 18,290 वोटों के भारी अंतर से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने सीपीआई(एम) के अमिताभ दत्ता को 18,290 वोटों के भारी अंतर से हराया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.